शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 136 | गुवाहाटी | बुधवार, 7 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पांच कार से 84 सांप बरामद — पेज 3
कोविड के बाद पूरी दुनिया में फिर से बज रहा है आयुर्वेद का डंका : शिवराज — पेज 4
यूपी विधानसभा : सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए विपक्ष पर जमकर बरसे योगी — पेज 5
डीजीपी के आदेशों के बाद एक्शन में पुलिस — पेज 8

पूर्वोत्तर के पहले 3 डी प्लानेटोरियम का उद्घाटन

विकासपरक परियोजनाएं 11 जिलों में शुरू : सीएम

नलबाड़ी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने वर्ष 2012 में शिलान्यास किए गए नलबाड़ी के सरियाहतली में विज्ञान केंद्र और प्लानेटोरियम का मंगलवार को औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लानेटोरियम आने वाले दिनों में नलबाड़ी जिला के विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने में उल्लेखनीय योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने विकास के एक पखवाड़ा शीर्षक के तहत आधारभूत ढांचा विकासपरक परियोजनाओं को राज्य के 11 जिलों में सिलसिलेवार शुरू किया है। इसकी शुरुआत सोमवार को बंगाईगांव जिला के विकास परियोजनाओं के साथ हुई। राज्य सरकार ने -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद : बस पर बरसाए पत्थर

बेलगावी (कर्नाटक)। महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कर्नाटक रक्षण वैदिक संगठन ने बेलगावी में महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वॉटर कैनन का इस्तेमाल भी किया। कर्नाटक रक्षण वैदिक संगठन ने बेलगावी में महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वॉटर कैनन का इस्तेमाल भी किया। खबरों के अनुसार, कर्नाटक रक्षण वैदिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने बेलगावी के बेगेवाड़ी में महाराष्ट्र के ट्रकों पर पथराव किया। इस दौरान कर्नाटक रक्षण वैदिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर नारेबाजी भी की। हालांकि -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम बोम्मई पर भड़के शरद पवार

मुंबई। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच चल रहा सीमा विवाद अब गहराता जा रहा है। मंगलवार को कर्नाटक के बेलगावी के बागेवाड़ी में प्रदर्शन के दौरान कर्नाटक रक्षण वेदिके के कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र के ट्रकों पर पथराव किया। जिसको लेकर अब एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कर्नाटक के सीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र के धैर्य की परीक्षा न लें। शरद पवार ने कहा कि सीमा विवाद को लेकर सीएम शिंदे ने कर्नाटक -शेष पृष्ठ दो पर

चराइदेउ : सर्विस राइफल से गोली मारने वाला गिरफ्तार

चराइदेउ। असम पुलिस ने मंगलवार को सोनारी पीएस के पुलिस कांस्टेबल को असम के चराइदेउ में अपने सहयोगी को अपनी सर्विस गन से गोली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी कर्मी दीपक काकोति है, जिसने थाने में अपने सहयोगी गाकुल बासुमतारी को गोली मार दी थी। चराईदेव के पुलिस अधीक्षक (एसपी) युवराज ने बताया कि पुलिस कांस्टेबल दीपक काकोति ने अपने साथी गाकुल बसुमतारी को अपनी सर्विस राइफल से गोली मार दी। उन्होंने कहा कि पुलिस स्टेशन के अन्य पुलिसकर्मियों ने तुरंत गकुल बासुमतारी को -शेष पृष्ठ दो पर

रैगिंग : सिलचर डेंटल कॉलेज के 14 छात्र निष्कासित

कछार (हि.स)। कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर स्थित सिलचर डेंटल कॉलेज के पदाधिकारियों ने रैगिंग के आरोप में मंगलवार को 14 छात्रों को छात्रावास से निष्कासित कर दिया है। सिलचर डेंटल कॉलेज के 14 छात्रों को हजरत अली नामक एक छात्र की शिकायत के आधार पर मंगलवार को छात्रावास से निष्कासित कर दिया गया। जानकारी मिली है कि 1 दिसंबर को सिलचर डेंटल कॉलेज के एक नए छात्र को सीनियर छात्रों ने मानसिक रूप से प्रताड़ित किया था। इसके बाद हॉस्टल के प्रथम वर्ष के छात्र ने सेंट्रल एंट्री रैगिंग स्क्वाड में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने दंत चिकित्सा शिक्षा निदेशक से शिकायत की। बाद में जब कछार जिला प्रशासन को घटना की जांच करने का निर्देश दिया गया तो जिलाधिकारी रोहन कुमार झा ने मजिस्ट्रेट किशन सराई की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन किया और उस जांच समिति की रिपोर्ट में 14 छात्रों को दोषी ठहराया गया। मंगलवार को -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हैकर्स के निशाने पर आईसीएमआर की वेबसाइट

नई दिल्ली। दिल्ली एम्स के सर्वर पर साइबर अटैक के बाद अब हैकर्स ने आईसीएमआर की वेबसाइट को हैक करने की कोशिश की है, लेकिन हैकर्स की इस कोशिश को नाकाम कर दिया गया है। एक सरकारी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हांगकांग के हैकरों ने 30 नवंबर को 24 घंटे के अंतराल में करीब 6000 बार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की वेबसाइट पर हमला करने की कोशिश की। ये हमले कथित रैंसमवेयर हमले के बाद हुए हैं, जिसने एम्स की ऑनलाइन सेवाओं -शेष पृष्ठ दो पर

देश में कोई खाली पेट नहीं सोए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। कोरोना के बाद से लोगों की रोजी-रोटी पर काफी संकट आया है। कुछ उद्योग तो अभी कोरोनाकाल में लगे झटके से उबर नहीं पाए हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को कहा कि कोई भी खाली पेट न सोए यह सुनिश्चित करना हमारी संस्कृति है और अंतिम आदमी तक अनाज पहुंचाने की जिम्मेदारी सरकार की है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह देखने को कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत खाद्यान्न अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। हम यह नहीं कह रहे हैं कि केंद्र कुछ नहीं कर रहा है, भारत सरकार ने कोविड के दौरान लोगों को अनाज पहुंचाया है। हमें यह भी देखना होगा कि यह जारी रहे। हमारी संस्कृति है कि कोई खाली पेट नहीं सोए। जस्टिस एम आर शाह और हिमा कोहली की पीठ ने केंद्र सरकार को ईश्रम पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की संख्या के साथ एक ताजा चार्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। तीन सामाजिक कार्यकर्ताओं अंजलि भारद्वाज, हर्ष मंदर और जगदीप छोकर की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि 2011 की जनगणना के बाद देश की जनसंख्या में वृद्धि हुई है और एनएफएसए के तहत लाभार्थियों की संख्या भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि अगर इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया तो कई पात्र और जरूरतमंद लाभार्थी कानून के तहत लाभ से वंचित हो जाएंगे। वकील प्रशांत -शेष पृष्ठ दो पर

द. कोरियन फिल्म देखने पर दो छात्रों को मारी गोली

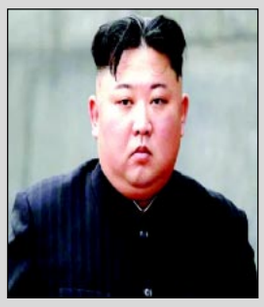

पियोंगयांग। नॉर्थ कोरिया में हाई स्कूल के दो नाबालिग छात्रों को दक्षिण कोरियाई फिल्म देखने की वजह से मौत के घाट उतार दिया गया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया ने हाई स्कूल के दो छात्रों को अपने दोस्तों के साथ दक्षिण कोरियाई नाटक शो देखने और शेयर करने के लिए मार डाला गया है। के-ड्रामा देखना और वितरित किए जाने को लेकर नॉर्थ कोरिया में सख्त पाबंदी है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर दोनों छात्रों को भीड़ के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई। दावा किया जा रहा है कि शासन की ओर से इस तरह की सख्त सजा देकर ये संदेश देने की कोशिश की गई है कि सख्त कानूनों के उल्लंघन पर कुछ इस तरह से ही उसे सजा दिया जाएगा। इसके साथ ही मीडिया रिपोर्ट में -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राजस्थान के पुष्कर में ममता के सामने *जय श्रीराम* के लगे नारे

जयपुर। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को राजस्थान के दौरे पर पहुंची। जहां उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा है। दरअसल, ममता बनर्जी राजस्थान के पुष्कर शहर में पहुंची। ममता के काफिले के सामने लोगों ने *जय श्रीराम* के नारे लगाए। हालांकि ममता बनर्जी का काफिला हालांकि नहीं रुका। सीएम के काफिले में शामिल एक चश्मदीद ने बताया कि जिस शख्स ने ममता बनर्जी का काफिला देखा और नारेबाजी की उसका पुलिस ने पीछा किया. हालांकि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि वह व्यक्ति पकड़ा गया है या नहीं। बता दें कि ममता बनर्जी मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे राजस्थान के अजमेर शरीफ गई थीं। वहां चादर चढ़ाकर वह पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर गई थीं। जैसे ही -शेष पृष्ठ दो पर

विजय दिवस पर आएंगे बांग्लादेशी मुक्तियोद्धा

कोलकाता। विजय दिवस के मौके पर बांग्लादेश से कई बांग्लादेशी योद्धा भारत आएंगे और अपनी यादों को साझा करेंगे। वे बाएंगे कि किस तरह से 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश के जन्म से पहले भारतीय सेना ने 93,000 पाकिस्तानी सेना के जवानों को युद्ध बंदी बना लिया था। भारतीय सेना की ओर से सेना की पूर्वी कमान मुख्यालय में विजय दिवस से पूर्व आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेजर जनरल डीएस कुशवाहा ने -शेष पृष्ठ दो पर

आईसीएआर सिर्फ तीन कैटेगरी में देगा अवार्ड

भाकृअनुप
ICAR
Indian Council of Agricultural Research

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय की समीक्षा के बाद विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में पुरस्कारों की रेवड़ियां बांटने पर पाबंदी लगाई जाने लगी है। इसी क्रम में कृषि मंत्रालय के अधीन इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) ने अपने पुरस्कारों को सीमित करने का फैसला किया है। आईसीएआर फिलहाल 20 कैटेगरी में कुल 159 अवार्ड बांटता है, जिसे घटाकर तीन कर दिया गया है। इन पुरस्कारों की जगह केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, डीम्ड यूनिवर्सिटी, कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को अवार्ड यानी पुरस्कार -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अपने स्थान पर बने रहने से ही मनुष्य पूजा जाता है।
– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

मेरी जान को खतरा है : एलन मस्क

नई दिल्ली। सोशल मीडिया का सबसे बड़ा प्लेटफार्म ट्विटर के नए मालिक बनें दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने खुद को लेकर एक बड़ा दावा किया है। एलन मस्क ने ट्विटर में आते ही कई बड़े और कड़े फैसले लिए जिसके चलके वह पिछले काफी समय से सुर्खियों में बने हुए हैं। अब उन्होंने एक चौंकाने वाला बयान दिया है। मालिक मस्क ने कहा कि उनको जान का खतरा है। उन्हें दावा किया कि उनकी हत्या की जा सकती है। यहां तक कि सचमुच मुझे गोली मारी जा सकती है। ट्विटर स्पेस पर 2 घंटे की लंबी ऑडियो चैट में मस्क ने कहा कि सच कहूं तो मेरे साथ कुछ बुरा -शेष पृष्ठ दो पर

अफगानिस्तान में आतंकवादी नेटवर्क चिंता का विषय : डोभाल

नई दिल्ली। भारत आज पहली बार कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के एक सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस सम्मेलन में अफगानिस्तान में उभरती सुरक्षा स्थिति और उस देश से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खतरे से निपटने के तरीकों पर चर्चा की गई। इसके अलावा मध्य एशियाई देशों के साथ कनेक्टिविटी पर भी चर्चा की गई। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने की। एनएसए डोभाल ने इस दौरान अफगानिस्तान के मुद्दे पर चर्चा करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में आतंकवादी नेटवर्क का बना रहना चिंता का विषय है। वित्त पोषण आतंकवाद की जीवनदायिनी है और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करना हम सभी के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल संस्थाओं को सहायता प्रदान करने से बचना चाहिए। डोभाल ने कहा कि अफगानिस्तान हम सबके लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। तत्काल प्राथमिकताओं और आगे के रास्ते के संबंध में -शेष पृष्ठ दो पर

घोषित मुर्दा खुद को जिंदा साबित करने के लिए भटक रही

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिला में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां एक महिला खुद को जिंदा साबित करने के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रही है। विधवा महिला को बिना जांच के ही अधिकारियों ने कागजों में मृत घोषित कर दिया, जिससे परेशान होकर अब महिला खुद को जिंदा साबित करने के लिए इधर-उधर भटक रही है। महिला को 2 साल पहले कागजों में मृत घोषित कर उनकी विधवा पेंशन बंद कर दी गई थी। जानकारी मुताबिक पूरा मामला अमरोहा जनपद के तहसील धनोरा के गनरौला के मोहल्ला गंगानगर का है। जहां की निवासी कमलेश देवी सिस्टम की लापरवाही और अधिकारी एवं कर्मचारियों की अनदेखी की शिकार हैं। बीमारी के कारण उनके पति की वर्षों पहले मौत हो गई थी, जिसके बाद उनकी विधवा पेंशन शुरू हो गई। जिससे उनका -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नेपाल की ओर से पत्थरबाजी से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा

पिथौरागढ़ (हि.स.)। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में नेपाल की तरफ से की गई पत्थरबाजी की वजह से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। धारचूला के व्यापार संघ ने नेपाल की तरफ से की गई पत्थरबाजी की कड़ी निंदा करते हुए विरोध जताया और नेपाल प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। साथ ही व्यापार संघ ने नेपाल को जोड़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय पुल को भी 4 घंटे तक बंद करवा दिया। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय पुल से आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। स्थानीय प्रशासन ने व्यापार संघ से वार्ता कर घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद पुल खुलवाया। इस दौरान आक्रोशित व्यापारियों ने 3 दिन का समय देते हुए कहा कि अगर 3 दिन के भीतर इस समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो वह अंतर्राष्ट्रीय पुल के पास धरने पर बैठेंगे और पुल को खुलने नहीं देंगे। धारचूला के व्यापारियों का कहना है कि नेपाल की तरफ जब तटबंध बन रहे थे तो उन्होंने नेपाली नागरिकों की मदद की और आज जब भारतीय क्षेत्र में तटबंध बन रहे तो नेपाली नागरिक उसका विरोध कर रहे हैं जो कि

किसी भी कीमत पर सही नहीं है। एसडीएम धारचूला देवेश शासनी ने व्यापारियों को समझा-बुझाकर अंतर्राष्ट्रीय पुल को खुलवा दिया है। उनका कहना है कि उन्होंने इस विषय में नेपाली प्रशासन को अवगत करा दिया है और जल्द ही इस मामले को लेकर नेपाली प्रशासन के साथ बैठक की जाएगी। भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ते तनाव को देखते हुए पिथौरागढ़ के अपर जिलाधिकारी फिंचाराम चौहान धारचूला के लिए रवाना हो गए हैं। एसडीएम धारचूला देवेश का कहना है कि नेपाल के प्रशासन से हमारी बात हो चुकी है जो भी निर्माण कार्य चल रहा है, आपसी सहमति से चल रहा है। हमने पहले भी इस बारे में पूरी जानकारी दे रखी है। एक दिन के बाद जिलाअधिकारी पिथौरागढ़ नेपाल के अधिकारियों के साथ मीटिंग होनी है। इसके बाद नेपाल की तरफ से सब संदेह हो दूर हो जाएगा।

पूर्णिमा की रात चांद के साथ दिखेगा रेडप्लेनेट मार्स, मंगल का होगा पृथ्वी से सामना

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए गुरुवार, 8 दिसंबर को आसमान में फिर एक रोचक खगोलीय घटना देखने को मिलेगी। इस पूर्णिमा की रात को चांद का लाल ग्रह (रेडप्लेनेट) मंगल से सामना होगा। इस दौरान रातभर आकाश में चांद और मंगल साथ-साथ दिखाई देंगे। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञानप्रसारक सारिका घारू ने मंगलवार को इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुये बताया कि गुरुवार की शाम हमारी पृथ्वी, मंगलग्रह और सूर्य के बीच में होगी। तीनों के एक सीध में आने से इस समय मंगल से हमारी दूरी दो साल की अवधि के लिए सबसे कम होगी। इस कारण मंगल की चमक भी बढ़कर माईनस 1.9 मैग्नीट्यूड हो जाएगी। उन्होंने बताया कि यह खगोलीय घटना मार्स एट अपोजीशन कहलाती है। गुरुवार शाम लगभग 6 बजे के बाद जब मार्स क्षितिज से 7 डिग्री ऊपर आ जाएगा, तब पूर्वी आकाश में लाल ग्रह के रूप में उदित होगा और सुबह 6 बजे पश्चिम में अस्त होगा। यानी चांद और मंगल ग्रह आसमान में रातभर एक दूसरे का साथ निभाते हुए दिखेंगे। सारिका ने बताया कि मंगल की रेगिस्तानी दुनिया को ढकने वाली धूल में आयरन ऑक्साइड के कारण यह लाल है। मंगल पर रोवर्स ने जो नमूना लिया, उसके आधार पर इसमें लाल, भूरा और नारंगी रंग हैं। पास आने पर इसकी दूरी पांच करोड़ 38 लाख किमी रह सकती है तो दूर जाने पर लगभग 40 करोड़ किमी तक दूर चले जाता है। इस कारण इसके आकार में सबसे अधिक अंतर देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसका प्रकाश पृथ्वी तक आने में 4.5 मिनट लगेंगे। इसे बिना किसी यंत्र की मदद से खाली आंखों से देखा जा सकेगा, लेकिन अगर आप टेलिस्कोप से देखेंगे तो मंगल के ध्रुवीय भाग को देखा जा सकेगा। पूर्णिमा पर होने वाली इसे देखना मत चूकिए, क्योंकि मार्स एट अपोजीशन की अगली घटना 16 जनवरी 2025 को होगी।

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। ग्वालपाड़ा जिला के दुधनै के पाहिदल में मंगलवार को एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। यह घटना कामाख्या-जोगीघोपा रेलवे लाइन पर पाहिदल रेलवे ट्रैक पर हुई। पुलिस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर शव को रेलवे ट्रैक से बरामद किया और दुधनै पुलिस स्टेशन ले आए। मृतक की पहचान पाहिदल निवासी भक्त चरण हाजोवारी (35) के रूप में हुई है। इस घटना से दुधनै के पाहिदल में मातम छा गया है। घटना के बारे में पता चला है कि पाहिदल में बीती रात जंगली हाथियों का एक झुंड प्रवेश कर उपद्रव मचा रहे थे। इसी दौरान आज तड़के ग्रामीणों के साथ हाजोवारी भी जंगली हाथियों को खदेड़ने के लिए पहुंचा था।

भारत-भूटान सीमावर्ती सरलपारा क्षेत्र में 15 दिनों का कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर आरंभ

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के रानीगुली में स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी की बी कंपनी द्वारा भारत-भूटान सीमावर्ती सरलपारा क्षेत्र में जन कल्याण योजना के तहत 15 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। शिविर में सीमावर्ती क्षेत्रों के 20 ग्रामीण युवतियों, महिलाओं को सिलाई-बुनाई का प्रशिक्षण समुक्तला विद्यासागर सोशल वेलफेयर सोसाइटी के माध्यम से आज से 20 दिसबंर तक दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का शुभारंभ एसएसबी की 6वीं वाहिनी के कमांडिंग अधिकारी लोकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम में उप कमाण्डेंट नरेन्द्र सोपन कुटे एवं सहायक कमाण्डेट सुकुमार देव वर्मा, कंपनी कमाण्डर सरलपारा, रंजीत कार्की, सरलपारा ग्राम प्रधान चिरंजीव शर्मा, सरलपारा एमई स्कूल प्रधानाचार्य के साथ ही 150 ग्रामीण एं बच्चों ने भाग लिया। इस मौके पर सिंह ने सीमावर्ती क्षेत्रों के युवतियों एवं महिलाओं को अच्छी तरह से सिलाई-बुनाई प्रशिक्षण प्राप्त करने की सलाह दी। साथ ही कौशल विकास से एक सबल और सशक्त नागरिक बनकर देश एवं समाज के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

शातिर बाइक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस टीम ने बाइक चोरी मामले में फरार शातिर चोर मैनुल अली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान फरार मोस्ट वांटेड बाइक चोर मैनुल अली को उदालगुड़ी से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित गुवाहाटी और उसके आसपास के इलाकों में हुई बाइक चोरी के कई मामलों में शामिल था। मैनुल कलाईगांव का रहने वाला है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर बाइक चोर मैनुल अली से पूछताछ कर रही है।

No. NGWRD/Tech-5/2022-23/1401

Sealed tender in prescribed form to be eventually drawn up in APWD, F-2/H, K-2 form, affixing non refundable court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees Eight and paisa twenty five) only are hereby invited from the registered contractors/Firms of appropriate class of Water Resources Department for the scheme **"Bathymetry and Topographical survey across river Kopilli in Hojai and Nagaon District."** for an estimated amount of Rs. 13.23960 L and will be received up to 2.00 P.M. on **12/12/2022** in the office of the undersigned and will be open on the same date, hours and place. If the day for receiving and opening of the tender happens to be unscheduled holiday, bandh or if it is not possible to receive tender in the stipulated date for any unforeseen reason the next working day will be considered in the last date of receiving and opening of tender.

Detailed notice inviting tender, item of works, specification of group etc. for the work may be seen in the office of the undersigned during office hours of all working day up to **1.00 P.M.** on **12/12/2022.** Tender paper is to be obtained from the office of the undersigned on payment of Rs.100.00 (Rupees One hundred) in IPO/Bank Draft only pledged in favour of Executive Engineer, Nagaon W.R. Division, Nagaon per copy during office hours on all working day.

Executive Engineer
Nagaon W.R. Division
Nagaon

-- Janasanyog /C/15412/22

पृष्ठ एक का शेष

विकासपरक परियोजनाएं ...

आज नलबाड़ी में 378.43 करोड़ की लागत से कई बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास किया। प्रारंभ में, नलबाड़ी के सरियाहतली में पूर्वोत्तर के पहले 3 डी प्लानेटोरियम का औपचारिक तौर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने किया। इसके बाद उन्होंने प्लानेटोरियम में छात्रों के साथ मिलकर प्रसारण का आनंद लिया। इस अवसर पर नलबाड़ी के विधायक एवं मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, नलबाड़ी के पालक मंत्री अजंता नेउग, वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी, स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत दास आदि उपस्थित थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सरियाहतली खेल के मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। लगभग 678 करोड़ रुपए की लागत से नलबाड़ी के विकास के लिए कई बड़ी परियोजनाओं की आधारशिला रखी गईं।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा...

मौके पर मौजूद कर्नाटक पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। वहीं, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री से बात की और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बेलगावी के निकट बेगेवाड़ी में हुई घटनाओं पर कड़ी नाराजगी जताई है। सीएम बोम्मई ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने फडणवीस को आश्वासन दिया है कि महाराष्ट्र से आने वाले वाहनों की सुरक्षा की जाएगी। हालांकि सीमा विवाद के बीच महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई ने मंगलवार को महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी यात्रान को स्थगित किया है, इसे रद्द नहीं किया गया है। मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि आज हमें बेलगावी में सीमा क्षेत्र का दौरा करना था, इस बारे में हमने कर्नाटक सरकार को सूचित किया था।

सीएम बोम्मई पर ...

के सीएम बोम्मई से भी बात की। इसके बावजूद, उन्होंने इस मुद्दे पर कोई नरमी नहीं दिखाई है। आगे कहा कि किसी को भी महाराष्ट्र धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए और इसका हल जल्द निकलना चाहिए ताकि कुछ गलत दिशा में न जाए। आगे उन्होंने कहा कि सीएम शिंदे को कोई भी फैसला लेने से पहले सभी पार्टियों को विश्वास में लेना चाहिए। संसद सत्र शुरू होने वाला है, मैं सभी सांसदों से एक साथ आने का और इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने का अनुरोध करता हूं। पवार ने कहा कि कर्नाटक में महाराष्ट्र की गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। बता दें कि मंगलवार को बागेवाड़ी में कर्नाटक रक्षण वेदिके के कार्यकर्ताओं ने उन ट्रकों को रोका जिन पर महाराष्ट्र की नंबर प्लेट लगी थी। एक ट्रक पर पथराव किया गया। कार्यकर्ताओं ने हाईवे पर धरना-प्रदर्शन भी किया। इस दौरान पुलिस ने कुछ को हिरासत में ले लिया। सीमा विवाद 1953 में शुरू हुआ था, जब महाराष्ट्र सरकार ने बेलगावी सहित 865 गांवों को शामिल करने पर आपत्ति जताई थी। गांव बेलागवी और कर्नाटक के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में फैले हुए हैं। सभी महाराष्ट्र की सीमा से लगे हुए हैं। 1956 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम के लागू होने के बाद, महाराष्ट्र सरकार ने कर्नाटक के साथ अपनी सीमा के पुन: समायोजन की मांग की। इसके बाद दोनों राज्यों की ओर से चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। महाराष्ट्र सरकार ने मुख्य रूप से कन्नड़ भाषी 260 गांवों को स्थानांतरित करने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन कर्नाटक द्वारा इसे ठुकरा दिया गया था। अब, कर्नाटक और महाराष्ट्र दोनों सरकारों ने मामले में तेजी लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, और मामला अभी भी लंबित है।

चराइदेउ : सर्विस राइफल ...

एक अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने इस्तेमाल की गई बंदूक को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने काकोति को गिरफ्तार कर लिया है और कहा है कि इस कृत्य का असली कारण अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच चल रही है।

रैगिंग : सिलचर डेंटल ...

कॉलेज के पदाधिकारियों ने जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर 14 आरोपित छात्रों को हॉस्टल से निष्कासित कर दिया। सिलचर डेंटल कॉलेज की इंचार्ज मंजुला दास ने बताया कि शुरुआत में आरोपित छात्रों को हॉस्टल से निकाल दिया गया था। हालांकि, उन्हें कॉलेज से निष्कासित नहीं किया गया है। हाल ही में डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय का एक छात्र रैगिंग का शिकार होने के चलते हास्टल की दूसरे तल्ले से कूदकर खुदकुशी की कोशिश की थी। हालांकि, उसे गंभीर रूप से जख्मी अवस्था में डिब्रूगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस घटना को लेकर पूरे राज्य में भारी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। इस मामले में कई छात्रों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो दर्जन से अधिक छात्रों को उनके हास्टल एवं विद्यालय से निष्कासित किया गया है।

हैकर्स के निशाने ...

को पंगु बना दिया था। अधिकारियों के मुताबिक, आईसीएमआर वेबसाइट की सामग्री सुरक्षित है। साइट एनआईसी डेटा सेंटर पर होस्ट की गई है, इसलिए फायरवॉल एनआईसी से है जिसे वे नियमित रूप से अपडेट करते हैं। हमले को सफलतापूर्वक रोका गया है। उन्होंने कहा कि साइबर हमलावरों को ब्लॉक कर दिया गया और वो अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सके। अधिकारियों ने बताया कि इसे लेकर अलर्ट कर दिया गया है और सतर्कता बरती जा रही है। इस बीच यहां ये भी बता दें कि लगातार बढ़ रहे साइबर अटैक को देखते हुए सरकारी संगठनों को ऑपरेटिंग सिस्टम के सुरक्षा पैच को अपडेट करने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य संगठनों में रोगी सूचना प्रणाली हैकर्स के लिए शीर्ष संभावित टारगेट में से एक रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संगठन की वेबसाइट पर साइबर हमले 2020 से बढ़ रहे हैं।

देश में कोई खाली ...

भूषण ने कहा कि सरकार दावा कर रही है कि हाल के वर्षों में लोगों की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है, लेकिन भारत वैश्विक भुखमरी सूचकांक में तेजी से नीचे आया है। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि एनएफएसए के तहत 81.35 करोड़ लाभार्थी हैं, भारतीय संदर्भ में भी यह बहुत बड़ी संख्या है। ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि 2011 की जनगणना ने सरकार को लाभार्थियों की सूची में और लोगों को जोड़ने से नहीं रोका है, जो बढ़ रही है। भूषण ने यह कहते हुए हस्तक्षेप किया कि 14 राज्यों ने यह कहते हुए हलफनामा दायर किया है कि उनके खाद्यान्न का कोटा समाप्त हो गया है। मामले को 8 दिसंबर को फिर से सुनवाई के लिए तय किया गया है।

राजस्थान के पुष्कर ...

उनका काफिला मंदिर से निकल रहा था, सड़क पर खड़े एक व्यक्ति ने जय श्रीराम का नारा लगाया। बता दें कि ममता बनर्जी को देखकर लगाये गए जय श्रीराम के नारों ने पहले भी कई बार विवाद पैदा हो चुका है। मई 2019 में पूर्वी मिदनापुर में चंद्रकोना के पास मुख्यमंत्री के काफिले को देखकर कुछ लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगा थे। ममता बनर्जी ने नारा सुनते ही गाड़ी रोकने को कहा था। इसके बाद वह कार का दरवाजा खोलकर सड़क पर आ गई थी। नारेबाजी कर रहे युवक भाग रहे हैं। मुख्यमंत्री उनकी ओर गईं और कहीं आओ आओ! क्यों भाग रहे हो? ममता बनर्जी की कार को कई बार देखने के बाद बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में जय श्रीराम का नारा गूंज उठा था। तृणमूल नेता कभी नाराज दिखीं, तो कभी आपा खोती नजर आईं थी। कुछ दिन पहले जब अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के समर्थन में रैली करने गई थीं। तब भी वही घटना दोहराई गई थी। लेकिन उस वक्त ममता बनर्जी ने आपा नहीं खोया था। बाद में भाषण में उन्होंने कहा कि मुझे जय श्रीराम के नारे से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन वे कभी जय सियाराम क्यों नहीं कहते। ममता बनर्जी सबसे ज्यादा परेशान 23 जनवरी 2021 को विक्टोरिया मेमोरियल में सुभाष चंद्र बोस के जयंती समारोह में जय श्रीराम की आवाज सुनकर हुई थीं। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे, लेकिन ममता ने इसके विरोध में भाषण नहीं दिया था। ममता ने सरकारी समारोहों में धार्मिक नारों का विरोध करने वाले भाषणों का बहिष्कार किया था।

विजय दिवस पर ...

कहा कि विजय दिवस के अवसर पर कोलकाता में 13 से 16 दिसंबर तक विभिन्न जगहों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिससे पता चलेगा कि उस समय ढाका और बांग्लादेश का नजारा कैसा था और भारतीय वीरों ने किस तरह से दुश्मनों के छक्के छुड़ाए थे और बांग्लादेश का जन्म हुआ था। इन कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों देशों के सांस्कृतिक समन्वय को दिखाया जाएगा। इस दौरान भारतीय वीरों के पराक्रम और साहसिक गतिविधियों को भी दिखाया जाएगा। इसी कार्यक्रम में बांग्लादेश के कोलकाता स्थित उप उच्चायोग अंदालीब इलियास ने कहा कि बांग्लादेश की स्वतंत्रता में उनका देश भारतीय सेना और लोगों का सदा ऋणी रहेगा। जिस तरह से भारतीय सेना ने बांग्लादेश की आजादी में भूमिका निभाई, वह भी एक एतिहासिक घटना है। भारत ने जिस तरह से हमारे देश की मदद की, उसका कोई सानी नहीं है। भारत और बांग्लादेश की दोस्ती औरों से अलग है। भारत का साथ हमेशा बांग्लादेश को मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि पहली बार 2021 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ने बांग्लादेश का दौरा किया। यह भी आज तक के इतिहास में पहली बार हुआ। इस कार्यक्रम में वयोवृद्ध पत्रकार दीलिप चक्रवर्ती ने भी अपने अनुभव साझा किए, जिन्होंने एक पत्रकार के रूप में 1971 का युद्ध की रिपोर्टिंग की थी।

आईसीएआर सिर्फ ...

देने की जगह उनकी रैंकिंग का सुझाव दिया गया है। केंद्रीय स्तर पर बांटे जाने वाले पुरस्कारों के औचित्य की गहन समीक्षा के बाद गृह मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों को इस बाबत फैसला लेने का निर्देश दिया था। कृषि मंत्रालय ने इस पर अमल करते हुए यह फैसला लिया है। कृषि मंत्रालय की ओर से पुरस्कार देने का दायित्व आईसीएआर निभाता है। इसकी संख्या साल दर साल बढ़ने लगी थी। इसके लिए वैज्ञानिकों और विभिन्न संस्थानों समेत अन्य व्यक्तिगत लोगों का चयन किया जाता है। जारी आदेश में कहा गया है कि सक्षम अथारिटी की अनुमति के बगैर कोई नया अवार्ड अथवा सम्मान आदि की शुरुआत नहीं की जा सकती है। जिन तीन प्रमुख कैटेगरी में पुरस्कार दिए जाएंगे उनमें प्रगतिशील किसान, कृषि अनुसंधान और टेक्नोलॉजी को शामिल किया गया है। अन्य सभी कैटेगरी और अवार्ड को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का फैसला लिया गया है। अवार्ड पूर्व प्रधानमंत्रियों और अन्य प्रख्यात कृषि वैज्ञानिकों के नाम पर शुरु किए गए थे। वर्ष 2014 में कुल 18 कैटेगरी में कुल 82 लोगों को अवार्ड दिए गए थे। वर्ष 2019 में बढ़कर 20 कैटेगरी तक हो गई, जिसमें 159 लोगों को अवार्ड दिया गया। लेकिन बीते वर्ष 2021 में इसकी संख्या को घटाकर 15 कैटेगरी कर दिया गया। पुरस्कारों को बांटने में प्रमुख कैटेगरी के साथ सब-कैटेगरी भी जोड़कर अपने लोगों को उपकृत किया जाता था।

द. कोरियन फिल्म ...

ये भी दावा किया गया है कि इसी साल अक्तूबर के महीने के शुरुआती दिनों में छात्रों को साउथ कोरियन ड्रामा देखने और शेयर करने के आरोप में पकड़ा गया था। 2020 में उत्तर कोरिया ने वैचारिक और सांस्कृतिक उपकरणों को नियंत्रित करने वाले कानून को लागू किया और कोरियाई शो और संगीत की बढ़ती लोकप्रियता के उद्देश्य से विदेशी सूचना और प्रभाव पर प्रतिबंध लगा दिया। दक्षिण कोरियाई शो फ्लैश ड्राइव पर तस्करी किए जाते हैं और जुर्माना या इससे भी बदतर, कारावास से बचने के लिए बंद दरवाजों के पीछे देखे जाते हैं।

अफगानिस्तान में आतंकवादी...

भारत की चिंताएं और इस जुड़े उद्देश्य हम सभी के लिए समान हैं। एनएसए डोभाल ने कहा कि मध्य एशियाई देशों के साथ कनेक्टिविटी भारत के लिए प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है। हम इस क्षेत्र में सहयोग, निवेश और कनेक्टिविटी बनाने के लिए तैयार हैं। कनेक्टिविटी का विस्तार करते समय यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि पहल परामर्शी, पारदर्शी और सहभागी हों। पिछले साल नवंबर में भारत ने अफगानिस्तान की स्थिति पर एक क्षेत्रीय वार्ता की मेजबानी की थी, जिसमें रूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के एनएसए ने भाग लिया था। लेकिन यह पहली बार है जब भारत मध्य एशियाई देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की मेजबानी कर रहा है। किर्गिज सुरक्षा परिषद के सचिव, मराट इमानकुलोव ने कहा कि मध्य एशियाई देशों और भारत का आतंकवाद, उग्रवाद और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने और अफगानिस्तान में शांति, सुरक्षा तथा स्थिरता पर इसके प्रभाव को हल करने के उपायों को विकसित करने में एक समान रुचि है। भारत मध्य एशियाई देशों को एशिया का दिल मानता है। ये देश शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य भी हैं। हम व्यापक तरीके से सहयोग को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यह बैठक भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। अफगानिस्तान से पनपने वाले आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभाव को लेकर भारत और मध्य एशियाई देशों की साझा चिंताएं हैं। मध्य एशियाई देश सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान के समर्थन और विभिन्न आतंकवादी समूहों से इसके संबंधों से अवगत हैं। लेकिन कुछ कारणों से, ये देश सार्वजनिक रूप से आतंकवाद का समर्थन करने वाले समूहों या देश का नाम नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच आतंकवाद और कट्टरता के खतरे का मुकाबला करने के दृष्टिकोण में समानताएं हैं और इस बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। अफगानिस्तान के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले मध्य एशियाई देश पिछले साल की घटनाओं (तालिबान के सत्ता पर कब्जा) के प्रभाव को महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों/सुरक्षा परिषदों के सचिवों की पहली भारत-मध्य एशिया बैठक की संयुक्त विज्ञप्ति जारी की गई जिसमें बताया गया है कि बैठक में एनएसए और सचिवों ने अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति से उत्पन्न स्थिरता और इसके प्रभाव पर चर्चा की। वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों/सुरक्षा परिषदों के सचिवों ने शांतिपूर्ण, स्थिर और सुरक्षित अफगानिस्तान के लिए मजबूत समर्थन को दोहराया। आगे विज्ञप्ति में कहा कि अफगानिस्तान की धरती का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों को आश्रय देने प्रशिक्षण देने या वित्तपोषण के लिए नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही अफगानिस्तान के लोगों की बिगड़ती मानवीय स्थिति को सहायता प्रदान करने के लिए जरूरी कामों पर ध्यान देने पर जोर दिया। साथ ही बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों/सुरक्षा परिषद सचिवों ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़े शब्दों में निंदा की और इस खतरे से लड़ने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता को लेकर भी चर्चा की। ताजिकिस्तान की सुरक्षा परिषद के सचिव नसरूलो महमूदजोदा ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अस्थिरता और अनिश्चितता की पृष्ठभूमि के खिलाफ साइबर अपराध, साइबर आतंकवाद और पर्यावरण और जैविक खतरों सहित नई चुनौतियां और खतरे उभर रहे हैं। उनके बारे में बात करते हुए कहा कि धार्मिक कट्टरवाद की अत्यधिक विनाशकारी विचारधारा तेजी से आगे बढ़ रही है। किर्गिस्तान की सुरक्षा परिषद के सचिव, मराट इमानकुलोव के अनुसार, आतंकवाद, उग्रवाद और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए रणनीति स्थापित करने में, मध्य एशियाई देश और भारत मिलकर काम कर रहे हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने भारत और क्षेत्र के अन्य देशों के लिए आतंकवाद के वित्तपोषण के मुद्दे को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के अपने समकक्षों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों/सुरक्षा परिषदों के सचिवों की उद्घाटन बैठक को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा कि अफगानिस्तान हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

घोषित मुर्दा खुद...

गुजारा चल रहा था। मगर बिना जांच किए ही 2 साल पूर्व उनकी पेंशन को बंद कर दिया गया। कई महीने तक पेंशन नहीं आने के कारण उनके सामने आर्थिक समस्या खड़ी हो गई। बताया जा रहा है कि इसके बाद विधवा महिला ब्लॉक कार्यालय में गईं। यहां बताया गया कि रिकॉर्ड के मुताबिक उनकी मौत हो चुकी है। इस कारण उनकी पेंशन बंद की गई है। इसके बाद महिला ने धनौरा में आयोजित तहसील दिवस में भी गुहार लगाई, मगर यहां भी उसकी फरियाद नहीं सुनी गई। विकास भवन में भी समाज कल्याण अधिकारी से लेकर अन्य अफसरों के यहां फरियाद लगाई। कहीं भी उनकी फरियाद को गंभीरता से नहीं लिया गया। वह दो साल से खुद को जीवित सिद्ध करने के लिए तमाम अधिकारी व कर्मचारियों के चक्कर लगा रही हैं। अब अमरोहा के समाज कल्याण अधिकारी आशीष कुमार ने बताया है कि मामला मेरे संज्ञान में आया है और इसकी पूरी जांच कराई जा रही है।

मेरी जान को खतरा ...

होने या यहां तक कि सचमुच गोली मारे जाने का बड़ा जोखिम है। अगर कोई किसी को मारना चाहे तो ये इतना मुश्किल काम नही हैं। हालांकि मैं उम्मीद करता हूं मेरे साथ ऐसा कुछ ना हो। इसके साथ ही मस्क ने कहा कि मैं निश्चित रूप से किसी खुली गाड़ी में नहीं घूम सकता। ट्विटर के लिए उनकी भविष्य की प्लानिंग पर मस्क ने कहा कि दिन के अंत में, हम सिर्फ एक ऐसा भविष्य चाहते हैं जहां हम उत्पीड़ित न हों। जहां हमारी स्पीच को दबाया नहीं जाता है और हम कह सकते हैं जो हम प्रतिशोध के डर के बिना क्या कहना चाहते हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

अमृत कुण्ड हिलोल से, एक बुन्द गिर आय।
सोइ बुन्द छनि प्रकृति में, जग जीवन सुख पाय॥ 27॥

शब्दार्थ : (अमृत कुण्ड) अमृत सरोवर (हिलोल) लहर (छनि) चू कर।

भाष्य : परमानंद अमृतसागर से हिलोर कर एक बूंद गिर जाता है, वही बंद नीचे आ कर माया में संसारी जीवों को प्राप्त होती है, जिससे वे सुख प्राप्त करते हैं। इंद्रियों का विषयसुख एक बूंद के समान है, जो प्रकृति में छनकर आता है। ब्रह्मानंद अमृतसागर परिपूर्ण, एकरस है।

जामें सुख तुम जानते, सो है दुख का रूप।
सत सुख जाना नहीं, ताते पर भवकूप॥ 28॥

शब्दार्थ : (सत सुख) सत्य नित्य सुख, परमानंद (भवकूप) संसार।

भाष्य : जिस पदार्थ के भो में तुझे सुख प्राप्त होता है या जिसे तुम सुख समझते हो, वह दु:ख का रूप है अर्थात दु:ख का कारण स्वरूप है। सत्यसुख क्या है? उस सुख को तूने जाना नहीं, इसलिए भवसागर में तुम गिरते हो।

पांच कार से 84 सांप बरामद

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के वशिष्ठ पुलिस क्षेत्र के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर 5 कार से 84 सांप को बरामद किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान मणिपुर की राजधानी इंफाल से पड़ोसी राज्य मेघालय होते हुए गुजरात तक पांच कार (एसजेड-01एस-0472, एसजेड-01एक्स-4646, एसजेड-01वी-8055, एसजेड-01आर-6724 सहित अन्य एक कार) की तलाशी ली गई। कारों के भीतर विभिन्न प्रजाति के 84 सांप बरामद किए गए। इसके बाद घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई। जोराबाट वन विभाग की टीम ने घटना की जानकारी गुवाहाटी रेंजर को दी। मौके पर पहुंचे रेंजर प्रांजल बरुवा ने बताया कि सेंट्रल जू अथॉरिटी ऑफ इंडिया और चीफ वाइल्ड लाइफ द्वारा दी गई अनुमति पत्र के बाद तीन प्रजाति के 84 सांपों को 5 कार के जरिए गुजरात ले जाया जा रहा था। बरुवा ने बताया कि सांपों को ले जाने के लिए इंफाल की सीमा शुल्क विभाग और मणिपुर सरकार की वन्य प्राणी विभाग मुख्य वन संरक्षक द्वारा अनुमति दिया गया है। हमने फिलहाल सभी सांपों को जब्त कर गुवाहाटी चिड़ियाघर को सौंप दिया है। पूरे घटना की जानकारी के लिए सेंट्रल जू अथॉरिटी ऑफ इंडिया से संपर्क किया जा रहा है। रेंजर बरुवा ने कहा कि इन सांपों को ले जाने के लिए किसी भी प्रकार का कोर्ट ऑर्डर इन लोगों के पास नहीं था। बताया गया है कि सांपों को गुजरात की ग्रीन जियोलॉजिकल रिसर्च एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर ले जाया जा रहा था। फिलहाल पूरे मामले की जांच के बाद ही हम बता पाएंगे कि सभी सांपों की तस्करी की जा रही थी, या इन्हें सरकार के नियम के तहत इंफाल से गुजरात ले जाया जा रहा था। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

पहली बार कुजी सत्र में सीएम के आगमन को लेकर उत्साह

नगांव (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा 8 दिसंबर को ऐतिहासिक कुजी सत्र (वैष्णव मठ) पहुंचेंगे। यह पहला मौका है जब महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा थान के दक्षिणी किनारे पर प्राकृतिक वातावरण में स्थित सत्र में पहली बार कोई मुख्यमंत्री पहुंचेगा। मुख्यमंत्री के आगमन पर मोरीगांव जिला प्रशासन, सत्राधिकारी और वैष्णव भक्त सत्र परिसर की तैयारी कर रहे हैं। नरवा कुजी सत्र के सत्राधिकारी नित्यानंद देब गोस्वामी और मोरीगांव जिला उपायुक्त देबाशीष शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा कुजी सत्र पहुंचकर नवनिर्मित कला संग्रहालय और प्राचीन संसाधन संग्रहालय एवं गेस्ट हाउस का उद्घाटन करेंगे।

पूसीरे ने भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर का 66वां महापरिनिर्वाण दिवस मंगलवार को पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) मुख्यालय, मालीगांव परिसर स्थित डॉ. भूपेन हजारिका सभा गृह में मनाया गया। पूसीरे के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूसीरे मुख्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और विभिन्न संघों एवं यूनियनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। डॉ. बीआर अंबेडकर स्वतंत्र भारत के पहले कानून एवं न्याय मंत्री थे और उन्हें भारत के संविधान का मुख्य वास्तुकार माना जाता था। वह एक प्रख्यात भारतीय न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक भी थे। साधारण परिवार में जन्मे भारतीय संविधान के रचयिता ने अनेक कठिनाइयों के बीच शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की थीं। उनकी ख्याति देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी थी। इस अवसर पर पूसीरे के महाप्रबंधक गुप्ता ने हमारे संविधान के निर्माण, समाज के सभी वर्गों को न्याय एवं समानता प्रदान करने और समाज के वंचित वर्ग के विकास में डॉ. बीआर अंबेडकर के योगदान के बारे में उल्लेख किया। उनका पूरा जीवन समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणा है। ऑल इंडिया शेड्युल्ड कास्ट एंड शेड्यूल्ड ट्राइब्स रेलवे इंप्लाइज एसोसिएशन (पूसीरे जोन) के महासचिव ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे, जिसमें उन्होंने भारतीय समाज के उत्थान में डॉ. बीआर अंबेडकर के महत्व पर जोर दिया।

लायंस केयर की नि:शुल्क मधुमेह जांच व जागरूकता शिविर

गुवाहाटी (नसं)। महानगर के कई स्थानों पर पिछले कई दिनों से लायंस क्लब गुवाहाटी केयर की ओर से नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी क्रम में क्लब की ओर से अपने तृतीय चरण में आर्य हॉस्पिटल के सहयोग से क्रिश्चियन बस्ती स्थित सिटी सेंट्रल मॉल परिसर में किया। शिविर में नि:शुल्क मधुमेह जांच व जागुरकता से जुड़े कार्यकर्म आयोजित किए गए। निशुल्क शिविर में करीब 110 लोगों का रक्त के नमूने संग्रह कर मधुमेह जांच की गई। ज्ञात रहे यह शिविर का आयोजन वन डिस्ट्रिक्ट-वन एक्टिविटी के तहत किया गया। जिसमें लायंस जिलापाल द्वितीय सीमा गोयनका, क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, सचिव सोनम हरलालक, कोषाध्यक्ष नितिशा बेडीया के अलावा नरेंद्र-मधु लोढ़ा, ऋषभ-अंतिमा लोढ़ा, अभिषेक सोनी, सुमन सूद, पूनम अग्रवाल, रश्मि बंसल आदि सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। शिविर को सुचारू रूप से आयोजित करने में सिटी सेंट्रल मॉल के कार्मचारियों और प्रबंधक समूह का भरपूर सहयोग रहा।

पोद्दार परिवार व लायंस उमंग ने लगाया आरओ प्लांट

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के पत्थरक्कारी स्थित नारंगी आंचलिक महाविद्यालय में अध्यनरत करीब 2 हजार बच्चों के लिए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से शुद्ध पेय जल की व्यवस्था की गई। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषी गर्ग सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में आरओ ड्रिंकिंग वाटार मशीन स्थापित की गई। इस मशीन को लगाने में आर्थिक अनुदान हीरालाल पोद्दार परिवार की ओर से लायंस सदस्य अजय-कंचन पोद्दार व लायंस उमंग की ओर से दिया गया। आरओ मशीन का उद्घाटन लायंस डिस्ट्रिक्ट 322जी के जिलापाल बीएस राठौड़, जिलापाल द्वितीय सीमा गोयनका तथा दानदाता अजय-कंचन पोद्दार द्वारा किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रीता शर्मा, स्थानीय पार्षद श्रीमती राधा बोरा, पार्षद गोकुल गोस्वामी, लायंस जिले की प्रथम महिला लेखा राठौड़, क्लब की अध्यक्ष श्रीमती सीमा सोनी, सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन के अलावा स्थानीय विशिष्ठ व्यक्ति कमल बोरा, पवित्र दास आदि मौजूद थे। महाविद्यालय की प्राचार्य ने इस दौरान क्लब की सभी सदस्याओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल की कमी पिछले लंबे समय से थी, जो आज क्लब के

प्रयासों से पूरी हो गई। स्थानीय पार्षद ने भी लायंस उमंग तथा दानदाता पोद्दार परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी उनकी ओर से सहयोग की कामना की। वहीं जिलापाल श्री राठो ? व द्वितीय जिलापाल श्रीमती गोयनका ने भी अपने अपने संबोधन में क्लब के इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर क्लब की ओर से सुशीला गुप्ता, शालू अग्रवाल, दिपाली हंसारिया, शशी सरावगी, मंजू पंसारी, संगीता अग्रवाल, स्वाती चौधरी, नितु सराफ, आशा मुरारका, ज्योति खेमका, सुनिता पारीक, सुखबिंदर कौर, संगीता बड़जात्या, रचना केजरिवाल, सुनिता मित्तल, रेखा जालान, प्रभा बुड़ाकिया, मधु बंका, मधु सेठिया, किरती अग्रवाल, प्रियंका गर्ग, मंजू जोगानी, खुशी खेमानी, तृप्ति अग्रवाल, स्वप्ना आर्या, सोनल अग्रवाल, बिमला कोच्चर, पूनम केजरिवाल, सुनिता अग्रवाल, लिपिका मोदी आदि सदस्याएं मौजूद थी।

बाक्सा के बादिकाडांगा गांव में काली मंदिर को उपद्रवियों ने किया क्षतिग्रस्त

बाक्सा (हि.स.)। बाक्सा जिला के बादिकाडांगा गांव में स्थित सार्वजनिक काली मंदिर में उपद्रवी प्रवेश कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। उपद्रवियों ने बीती रात बागानपाड़ा राजस्व सर्कल के तहत बादिकाडांगा गांव में काली मंदिर पर हमला किया। रात में उपद्रवियों ने मंदिर के दरवाजे तोड़ दिए और काली मंदिर को काफी नुकसान पहुंचाया। उपद्रवियों ने ताला तोड़कर काली मूर्ति को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। इसको लेकर मंगलवार की सुबह से ही स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। इस घटना को लेकर पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली ऐसी घिनौनी हरकत किसने की है, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलते ही आज सुबह बागानपारा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच आरंभ कर दिया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की शिकायत पर एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस घटना में जो भी व्यक्ति शामिल है उसे तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसा कृत्य करने की हिम्मत नहीं कर पाए।

तीन करोड़ की हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग जिला के बोकाजान में मंगलवार की सुबह एक मादक पदार्थ के तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से 3 करोड़ रुपए मूल्य की 381 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक बोकाजान के खटखटी पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले कछारी गांव में कार संख्या (एएस-01एपी-6384) से 29 साबुनदानी में छिपाकर लाई गई कुल 381 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है। गिरफ्तार तस्कर नगालैंड के डिमापुर का रहने वाला है।

अमृत सीमेंट का परफॉर्मेंस एंड चेंज अवार्ड 2022 आयोजित

गुवाहाटी। समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य कर रहे दस विशिष्ठ व्यक्तिओं को परफॉर्मेंस एंड चेंज अवार्ड 2022 से नवाजा गया। पूर्वोत्तर की अग्रणी सीमेंट ब्रांडों में से एक अमृत सीमेंट के तत्वावधान में टाइम8 के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में आज इन सभी विशिष्ठ व्यक्तियों का अभिनंदन किया गया। समारोह में नई ब्रांड फिलॉसफी सीमेंटिंग परफॉर्मेंस के साथ अमृत सीमेंट को आधिकारिक तौर पर अमृतसेम के रूप में रीब्रांड कर लांच किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में असम विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, अमृतसेम के प्रबंध निदेशक प्रदीप बागला, निदेशक उमंग बागला, टाइम8 के संस्थापक तथा प्रबंध संपादक उत्पल कांता आदि गणमान्य लोग मौजूद थे। परफॉर्मेंस एंड चेंज अवार्ड 2022 पाने वालों में जादू टोना व डायन हत्या जैसे अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता मुहिम छेड़ने वाली पद्मश्री बीरुबाला राभा, पिछड़े क्षेत्रों में परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाले पद्मश्री डॉ. इलियास अली, फोरेस्ट मेन के नाम से प्रख्यात पद्मश्री जाधव पायेंग, अर्जुन अवार्ड से सम्मानित नयनमोनी सइकिया, भारतीय वन्यजीव जीवविज्ञानी डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन, सामुदायिक विकास और सामाजिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली अर्चना बोरठाकुर, सामाजिक कार्यकता अर्चना तालुकदार, अनुसंधान अधिकारी डॉ. आशिम बोरा, थिएटर कलाकार पवित्र राभा तथा ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए कार्य करने वाले दंपति अभिनव कोवर-इंद्राणी फूकन कोवर शामिल हैं। इस मौके पर श्री दैमारी ने कहा कि परफॉर्मेंस एंड चेंज अवार्ड 2022 पाने वाले ये सभी ऐसे लोग हैं, जिन्होंने हमारे समाज को एक बेहतर जगह बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस दौरान बागला ने कहा कि हमे विश्वास है कि प्रदर्शन से ही समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है। इस दौरान निदेशक उमंग बगला सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखें।

दक्षिण कामरूप के सोनतली में बाइक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के दक्षिण कामरूप के सोनताली में बाइक चोरों ने आतंक मचाये हुए हैं। इस बीच एक शातिर बाइक चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और उसे एक पेड़ से बांध दिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि यह घटना सोनतली के बर आरिकाटी में हुई। गिरफ्तार बाइक चोर की पहचान छयगांव के माजगुमी गांव निवासी शफीकुल इस्लाम उर्फ शाहिदुल के रूप में हुई है। बाइक चोर शफीकुल इस्लाम को लोगों ने बाइक चोरी करते समय गिरफ्तार कर लिया। इसी बीच सोनतली पुलिस मौके पर पहुंची और उसे लोगों के चंगुल से छुड़ाकर बाइक चोर शफीकुल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिक जानकारी के लिए चोर से पूछताछ कर रही है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

गोलाघाट के सरूपाथर एलएसी के तहत किसान कर रहे स्ट्रॉबेरी की खेती

गोलाघाट (निसं)। गोलाघाट जिले के सरूपाथर एलएसी के अंतर्गत आने वाले रोंगदोई गांव पंचायत के स्थानीय किसानों ने स्ट्रॉबेरी की खेती की ओर एक बड़ा बदलाव किया है। तथ्य यह है कि स्ट्रॉबेरी वास्तव में अधिक लागत के बिना अधिक उपज और आय देती है, जो किसानों को इस मौसम में स्ट्रॉबेरी की खेती करने के लिए आकर्षित करती है। स्ट्रॉबेरी एक उच्च मूल्य वाली फसल है और पारंपरिक सब्जियों की तुलना में अधिक लाभ प्राप्त करती है। गोलाघाट जिले में जलवायु स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपायुक्त है क्योंकि स्ट्रॉबेरी आमतौर पर उन क्षेत्रों में उगाई जाती है जहां तापमान 15-25 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है, उप मंडल कृषि अधिकारी गोलाघाट मुख्यालय कृष्णा रंजन सैकिया ने कहा। आज हमने स्ट्रॉबेरी की खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) 2022-2023 के तहत रोंगदोई गांव पंचायत के किसानों को स्ट्रॉबेरी के पौधे वितरित किए हैं। गोलाघाट के जिला कृषि कार्यालय ने वितरण अभियान के संबंध में हमारी सहायता की। किसान गाय के गोबर जैसे जैविक उर्वरकों का उपयोग करके स्ट्रॉबेरी की खेती करेंगे, पूनम गोवाला: नंबोर फेड बांस एफपीसी के लेखाकार ने कहा।

स्वामी योगानंद गिरि महाविद्यालय में नए छात्रों का स्वागत समारोह आयोजित

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के शक्तिआश्रम में स्वामी योगानंद गिरि महाविद्यालय में मंगलवार को नए छात्रों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी योगानंद गिरि के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य हकीम अली प्रमाणिक की अध्यक्षता में आयोजित स्वागत सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बीटीसी के कार्यकारी पार्षद अरूप कुमार दे और केएसी के कार्यकारी पार्षद कामेश्वर राय उपस्थिति थे। समारोह में महाविद्यालय की संचालन समिति के अध्यक्ष यश मणिक ब्रह्म, शक्तिआश्रम संचालन समिति के अध्यक्ष गिरींद्र नारायण रॉय, सचिव ज्योतिष राय, सेवानिवृत्त शिक्षक रंजीत सिंह राय, शक्तिआश्रम सहकारी समिति के अध्यक्ष दिलीप कुमार राय भी उपस्थित थे। सभा में नए विद्यार्थियों ने अपना परिचय देने के बाद उन्हें राखी पहनाकर उन पर सुगंधित द्रव छिड़ककर उनका अभिवादन किया गया। नए छात्रों के स्वागत सभा में उपस्थित सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व को बताते हुए नए छात्रों का स्वागत किया। बीटीसी कार्यकारी पार्षद दे ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व को बताते हुए बीटीसी सरकार द्वारा शिक्षा के मापदंड को उन्नत करने के लिए उठाए गए और आगामी दिनों में उठाए जाने वाले कदमों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

टरूकॉलर पर सरकारी अधिकारियों के सत्यापित संपर्क-विवरण उपलब्ध होंगे

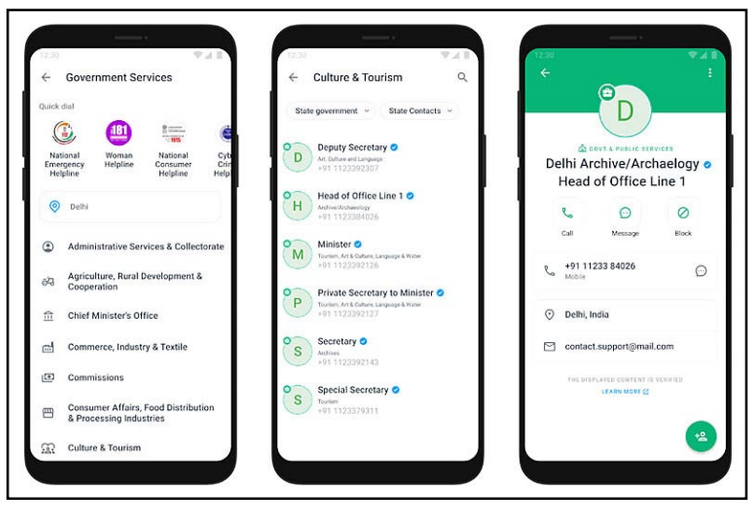

गुवाहाटी (विभास)। टरूकॉलर ने सरकार और भारत के नागरिकों के बीच संपर्क को आसान बनाने के लिए ऐप में डिजिटल सरकारी डायरेक्टरी को लांच किया है, जहां आम लोगों की सुविधा के लिए सरकारी अधिकारियों के हजारों सत्यापित संपर्क-विवरण सहज तरीके से उपलब्ध हैं। यह जन सेवाओं के प्रति लोगों का भरोसा कायम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उपयोगकर्ताओं को किसी भी तरह की जालसाज़ी, धोखाधड़ी और स्पैम से बचाता है। टूरूकॉलर ऐप का इस्तेमाल करने वाले लोग इस डिजिटल सरकारी डायरेक्टरी की मदद से केंद्र शासित प्रदेशों सहित लगभग 23 राज्यों के हेल्पलाइन नंबरों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों, दूतावासों, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और अन्य प्रमुख विभागों से बड़ी आसानी से संपर्क कर सकते हैं। यह जानकारी सीधे सरकार और आधिकारिक सरकारी स्रोतों से ली गई है। इस पहल का उद्देश्य आम लोगों के लिए सरकार के प्रतिनिधियों से संपर्क को आसान बनाना और भारत में टरूकॉलर का उपयोग करने वाले 24 करोड़ से अधिक लोगों को बिना किसी परेशानी के सरकार के साथ जोड़ने में मदद करना है। टरूकॉलर ने बड़ी संख्या में नेटिज़न्स और संबंधित भागीदारों के साथ बातचीत की, जिससे यह बात सामने आई कि फोन के जरिए सरकारी अधिकारियों के नाम पर होने वाली जालसाज़ी और धोखाधड़ी के मामलों की संख्या सबसे ज्यादा है। सरकारी अधिकारियों के संपर्क-विवरण वाली इस डायरेक्टरी को जांच-परखकर तैयार किया गया है, जो संचार के क्षेत्र में लोगों के भरोसे को मजबूत बनाने और उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी एवं जालसाज़ी से बचाने के टरूकॉलर के प्रयासों की अगली कड़ी है। उपयोगकर्ता को हरे रंग का बैकग्राउंड और ब्लू टिक दिखाई देगा, जो दर्शाता है कि वह फोन नंबर पूरी तरह सत्यापित है। टरूकॉलर इस डायरेक्टरी के विस्तार के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के साथ काम कर रहा है और उपयोगकर्ताओं के फीडबैक के आधार अगले चरण में मिला एवं नगरपालिका स्तर के संपर्क-विवरणों को इसमें शामिल करने की योजना बनाई है। टरूकॉलर ने किसी भी सरकारी एजेंसी के लिए जानकारी साझा करने और उसे इस डायरेक्टरी पर वेरीफाई करने के लिए एक सरल प्रक्रिया भी तैयार की है। इस सुविधा के लांच के बारे में बात करते हुए, प्रज्ञा मिश्रा, डायरेक्टर ऑफ़ पब्लिक अफेयर्स, टरूकॉलर, ने कहा कि टरूकॉलर अब सिर्फ कॉलर की पहचान करने वाले ऐप से कहीं ज्यादा विकसित हो गया है और आज डिजिटल संचार के प्रति लोगों के भरोसे को मजबूत बनाकर भारत में शहरी और बढ़ते अर्ध-शहरी/ग्रामीण बाजारों के बीच डिजिटल अंतराल को दूर कर रहा है। हम सरकारी अधिकारियों के नाम पर बड़े पैमाने हो रही जालसाज़ी और धोखाधड़ी से लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। हमें यकीन है कि, आम नागरिक जरूरत पड़ने पर इस सुविधा की मदद से सही अधिकारियों से बड़ी आसानी से संपर्क कर सकते हैं। यह सरकारी फोन नंबरों वाली अपनी तरह की पहली डिजिटल डायरेक्टरी है और हम उपयोगकर्ताओं के फीडबैक के आधार पर इसमें सुधार करते रहेंगे। हम भरोसे का निर्माण करके संचार को सुरक्षित बनाने के अपने प्रयासों को आगे भी जारी रखेंगे।

कोविड के बाद पूरी दुनिया में फिर से बज रहा है आयुर्वेद का डंकाः शिवराज

- भोपाल में देश का पहला सरकारी पंचकर्म सेंटर शुरू, मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड के बाद आयुर्वेद का डंका पूरी दुनिया में फिर से बज रहा है। कोविड प्रकोप काल में तो आयुर्वेद के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं सूझा। कोविड में एक ही रास्ता दिखा "आयुर्वेद और योग"। जब दुनियाभर में सभ्यता का उदय भी नहीं हुआ था, तब भारत में चार वेद रच दिए गए और आयुर्वेद पांचवां वेद है। मुख्यमंत्री चौहान मंगलवार को भोपाल के पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक संस्थान में पंचकर्म सेंटर का उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस केन्द्र के शुरू होने से पंचकर्म के लिए अब लोगों को केरल की यात्रा नहीं करना पड़ेगी। भोपाल में ही पांच स्टार होटल फैसिलिटी के बीच केरल के थैरेपिस्ट पंचकर्म करेंगे। मुख्यमंत्री ने कलियासोत डैम के किनारे देश के पहले सरकारी पंचकर्म सुपर स्पेशलिटी एवं वेलनेस केंद्र एवं रजत जयंती ऑडिटोरियम भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धनवंतरि को नमन और कन्याओं का पूजन कर किया। इस अवसर पर आयुष राज्यमंत्री राम किशोर कांवरे, स-ांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के गांव-गांव में इलाज के लिए आयुर्वेद पर ही विश्वास किया गया। आयुर्वेद के माध्यम से गांव में ही जड़ी-बूटियों से बीमारियों का इलाज आसानी से होता रहा है। हमारे वैद्य इतने कुशल होते हैं कि नाड़ी से ही बीमारी का पता लगाकर इलाज करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं तो जिस दिन चौथी बार मुख्यमंत्री बना, उसके अगले दिन ही लॉक-डाउन लग गया। कोरोना से जंग में आयुर्वेद सबसे महत्वपूर्ण सहायक सिद्ध हुआ। भविष्य में पूरा विश्व आयुर्वेद को अपनाएगा। आयुर्वेद की महत्ता आज पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। आयुर्वेद के क्षेत्र में गहन शोध अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एलोपैथ के क्षेत्र में पूरे विश्व में लगातार शोध हो रहे हैं। यदि हम आयुर्वेद में भी शोध को बढ़ावा देंगे, तो निरोग के संकल्प को बेहतर तरीके से साकार किया जा सकेगा। हमारी सरकार आयुर्वेद को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचकर्म का यह नया कॉन्सेप्ट सचमुच में अद्भुत है। पंचकर्म से व्यक्ति को पूरी तरह स्वस्थ करेंगे और उनके साइड इफेक्ट भी नहीं होंगे। बेटियों ने छात्रावास की मांग की थी, वह बन गया है। इस साल भांजों के लिए भी छात्रावास बजट में स्वीकृत कर दिया जाएगा। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता है कि पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक चिकित्सालय एक नए स्थान पर पहुंच गया है। यहां आयुर्वेद, पंचकर्म और योग का समन्वय करते हुए व्यक्ति के संपूर्ण स्वास्थ्य की सारी व्यवस्थाएं की गई हैं। यहां शोध प्रयोगशाला, ऑडिटोरियम व पंचकर्म की अत्याधुनिक व्यवस्था भी है। आयुर्वेदिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने बताया कि पंचकर्म आयुर्वेद उपचार का एक तरीका है। पंचकर्म का अर्थ पांच विभिन्न चिकित्साओं का मिश्रण है। यह सेंटर 10 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ है। आयुर्वेद कॉलेज में 150 बेड की पंचकर्म यूनिट संचालित हो रही है। यह देश का पहला पंचकर्म एवं वेलनेस यूनिट है जो सरकारी संस्थान में बनाया गया है। डॉ. शुक्ला ने बताया कि सेंटर में सोना बाथ और टब बाथ के साथ अत्याधुनिक शॉबर भी लगाए गए हैं। आयुर्वेद कॉलेज में बने पंचकर्म एवं एंड वेलनेस सेंटर में लोग अपने काम की व्यवस्थता के बीच पंचकर्म भी करा सकेंगे। इसके लिए ओपीडी- वॉक इन फॉर रिजूविनेशन की सुविधा भी शुरू की गई है। पंचकर्म सेंटर यूनिट के बाथ टब में अलग-अलग टेम्परेचर और प्रेशर पर पानी में लोग स्नान कर सकेंगे। इसके लिए पैकेज तैयार किए गए हैं जिसमें वेट मैनेजमेंट, पैरी नेटल केयर, स्पाइन एंड ज्वाइंट केयर, पैरालिसिस मैनेजमेंट एंड रिहैबिलिटेशन, स्किल एंड ब्यूटी केयर, जीरियाटिक केयर, लाइफ स्टाइल डिसॉर्डर मैनेजमेंट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों की बुकिंग रहेंगी।

शीतकालीन सत्र में सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए सरकार तैयारः संसदीय कार्यमंत्री

अजय त्यागी

नई दिल्ली। बुधवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले मंगलवार को स-रकार ने सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के नेताओं से सत्र को सुचारू ढंग से चलाने में सहयोग की अपील की। बैठक में सरकार ने स्पष्ट किया कि वह सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। संसद भवन परिसर में आयोजित सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी समेत तमाम दलों के नेता शामिल हुए। बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि आज हुई सर्वदलीय बैठक में 47 में से 31 दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। विपक्षी नेताओं ने कुछ सुझाव दिए हैं, जिसे नोट कर लिया गया है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के ईसाई समाज और क्रिसमस के त्यौहार की उपेक्षा करने के आरोप को खारिज करते हुए जोशी ने कहा, मैं इस आरोप की निंदा करता हूं कि हम क्रिसमस की उपेक्षा कर रहे हैं। 24 और 25 दिसंबर को अवकाश रहेगा। जोशी ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है, विपक्ष की ओर से कुछ सुझाव आए हैं। उन पर स्पीकर और चेयरमैन की अनुमति के बाद चर्चा होगी। दरअसल, अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि वे सत्र को बंद करने या छोटा कर त्यौहर मनाने की बात नहीं कह रहे हैं, बल्कि सरकार को इसके बारे में सोचने के लिए कह रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने सरकार से कहा है कि जैसे हिंदू, मुस्लिम के त्यौहार होते हैं, वैसे ईसाई लोगों का भी त्यौहार होता है। यह बात ईसाई लोगों के त्यौहार के समय ध्यान रखना जरूरी है। उनकी जनसंख्या कम है, लेकिन यह बात हमें सोचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार 24-25 विषयों पर चर्चा कराना चाहती है, जिसके लिए समय नहीं, क्योंकि यह सत्र 17 दिन का है। चौधरी ने कहा कि उन्होंने सर्वदलीय बैठक में कॉलेजियम प्रणाली पर केंद्र और न्यायपालिका के बीच टकराव, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, भारत-चीन सीमा की स्थिति, जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को होने वाले खतरों, हिंदी बहस, संघीय ढांचे जैसे मुद्दों को सामने रखा है। इन सभी मुद्दों पर सत्र के दौरान चर्चा कराए जाने की मांग की है।

दिसंबर को जंतर-मंतर पर जुटेंगे किसान : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने कहा कि केन्द्र सरकार किसानों के मुद्दों को लेकर गंभीर नहीं है। सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाया है। जिसके कारण देशभर के किसान आक्रोशित हैं और 09 दिसंबर को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के नेतृत्व में किसान जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा ने मंगलवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 09 दिसंबर को किसान जंतर-मंतर पर एकत्र होकर केन्द्र सरकार के किसान विरोधी नीतियों का विरोध करेंगे। खैरा ने कहा कि उन्होंने इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को भी आमंत्रित किया है। खैरा ने कहा कि वर्तमान में किसान, मजदूर,नवजवान सभी परेशान हैं। बीते आठ वर्षों में किसान के हित में केन्द्र सरकार ने कोई काम नहीं किए हैं। बीते वर्ष हुए किसान आंदोलन को भी केन्द्र सरकार ने हरसंभव कुचलने की कोशिश की। किसान आंदोलन के दौरान केन्द्र सरकार ने जितने वादे किए थे सभी को भूल चुकी है। खैरा ने कहा कि एमएसपी को लेकर बनी कमेटी में सरकार ने अपने लोगों को भरा है। इसमें किसानों का प्रतिनिधित्व नहीं है।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का हिस्सा बन सकती है माकपा

-पंचायत चुनाव से पहले बंगाल में गठजोड़ की कोशिश

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव से पहले एक बार फिर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस की नजदीकियां बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा के क्रम में बंगाल में होने वाली की कांग्रेस की यात्रा में माकपा के हिस्सा बनने के आसार बनते दिख रहे हैं। अगर ऐसा होगा तो यह केरल में माकपा द्वारा भारत जोड़ो यात्रा को लेकर अपनाए गए रुख के बिल्कुल विपरीत होगा। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि प्रदेश में पार्टी अध्यक्ष और लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने माकपा को राज्य में आगामी 28 दिसंबर से शुरू होने वाली पैदल यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है। इसी बीच माकपा के एक नेता ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि कांग्रेस का आमंत्रण मिलने पर निश्चिततौर पर उसमें शिरकत करने के बारे में सोचा जा सकता है। इस-ाकी वजह है कि बंगाल में तृणमूल और भाजपा से मुकाबले के लिए माकपा कांग्रेस की एकजुटता जरूरी है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में दोनों ही पार्टियों के गठबंधन का प्रदर्शन भले ही अच्छा या बुरा रहा हो लेकिन यह वक्त की जरूरत है कि दोनों ही पार्टियां एकजुट रहें ताकि बंगाल के लोगों को तृणमूल और भाजपा से निजात मिल सके। इसके लिए अगर माकपा कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा लेती है तो यह पंचायत चुनाव सहित आसन्न लोकसभा चुनाव में भी दोनों ही पार्टियों के बीच बेहतर तालमेल में मददगार साबित होगा। उक्त नेता ने बताया कि कांग्रेस की इस यात्रा में माकपा भले ही पूरी ताकत के साथ शामिल ना हो लेकिन सांकेतिक समर्थन के रूप में यात्रा में भाग लिया जा सकता है। दरअसल, माकपा की केरल इकाई ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल उठाए थे। पार्टी ने दक्षिण भारत के राज्यों में अधिक समय बिताने को लेकर भी आपत्ति जताई थी। ऐसे में दोनों पार्टियों से मिल रहे संकेतों राज्य में एक बार फिर नए समीकरण बनने के आसार दिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 28 दिसंबर से पश्चिम बंगाल में शुरू होने वाली भारत जोड़ो यात्रा 55 दिनों तक चलेगी और दक्षिण 24 परगना के गंगासागर से शुरू होकर उत्तर बंगाल के कार्सियांग में समाप्त होगी। भले ही इस यात्रा में राहुल गांधी शामिल नहीं होंगे लेकिन प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी सहित पार्टी के कई बड़े नेता इसका नेतृत्व करेंगे।

गोखले की गिरफ्तारी पर बिफरी तृणमूल, कहा- मोरबी हादसे पर आलोचना सह नहीं पाई भाजपा

कोलकाता, (हि.स.)। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले की गुजरात पुलिस के हाथों गिरफ्तारी पर उनकी पार्टी ने तीखी नाराजगी जताई है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया है कि गुजरात के मोरबी में हुए पुल हादसे को लेकर साकेत गोखले ने जो सवाल उठाये थे, उसे भाजपा सरकार सह नहीं पाई, इसलिए साकेत को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, साकेत सोमवार रात नई दिल्ली से जयपुर के लिए रवाना हुए थे। जब वह राजस्थान के जयपुर एयरपोर्ट पर उतरे तो उन्हें गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस बारे में ट्विटर पर डेरेक ओ ब्रायन ने लिखा है, "स-ाकेत ने सोमवार रात 9:00 बजे नई दिल्ली से जयपुर के लिए फ्लाइट ली थी। जब वह एयरपोर्ट पर उतरे तो गुजरात पुलिस वहां पहले से मौजूद थी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। रात 2:00 बजे साकेत ने अपनी मां को फोन किया और गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुजरात पुलिस उन्हें अहमदाबाद ले जा रही है और आज मंगलवार दोपहर तक अहमदाबाद पहुंच जाएंगे। पुलिस ने उन्हें सिर्फ दो मिनट के लिए फोन दिया था और फोन समेत सारा सामान जब्त कर लिया है।" डेरेक ने अपने ट्वीट में आगे लिखा है कि गुजरात के मोरबी में पुल हादसे के बाद साकेत ने राज्य की भाजपा सरकार की आलोचना की थी। इसे लेकर अहमदाबाद साइबर सेल ने मामला दर्ज कर लिया था। अब उन्हें गिरफ्तार कर तृणमूल कांग्रेस को डरा कर चुप कराने की कोशिश हो रही है लेकिन ना तो तृणमूल चुप होगी और ना ही विपक्ष। भाजपा राजनीतिक प्रतिशोध को दूसरे रास्ते पर ले जा रही है।

पृथक उत्तर बंगाल की मांग पर रेल रोको आंदोलन, कई ट्रेनें रास्ते में अटकीं

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल को दो हिस्सों में बांटकर पृथक उत्तर बंगाल राज्य को मान्यता दिये जाने की मांग पर आंदोलन तेज होता जा रहा है। इस मांग को लेकर कामतापुर प्रोग्रेसिव पार्टी (केपीपी) के आह्वान पर मंगलवार सुबह से 12 घंटे का रोल रोको आंदोलन शुरू किया गया है। इसकी वजह से कई ट्रेनों की आवाजाही बाधित हुई हैं। हजारों की संख्या में रेल पटरी पर उतरे लोगों ने मायनागुड़ी स्टेशन के आसपास रेल यातायात अवरुद्ध कर दिया है। इसकी वजह से सियालदह आने वाली डाउन कंचनजंघा एक्सप्रेस बीच रास्ते में अटकी हुई हैं। इसमें सवार यात्री परेशान हैं। इसके अलावा कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और मालदा में भी रेल पटरी पर बैठकर प्रदर्शनकारियों ने ट्रेनों की आवाजाही रोक दी है, जिसकी वजह से कई लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनें अलग-अलग जगहों पर रुकी हुई हैं। मंगलवार सुबह 6:00 बजे से ही विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था, जिसकी वजह से कंचनजंघा एक्सप्रेस उसी समय से रुकी हुई है। जलपाईगुड़ी रोड स्टेशन पर अप ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस खड़ी है जबकि धुपगुड़ी में डाउन अवध आसाम एक्सप्रेस को रोक दिया गया है। कूचबिहार और मालदा में भी इसी तरह के हालात हैं। स्टेशन के आसपास राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) की अतिरिक्त संख्या में तैनाती है और प्रदर्शनकारियों को समझाने बुझाने की कोशिश हो रही है लेकिन कोई लाभ नहीं हो रहा। संगठन ने 12 घंटे तक ट्रेन बंद रखने की घोषणा की है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि उत्तर बंगाल को अविलंब अलग राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पूर्व की सरकारों से लेकर वर्तमान सरकार उत्तर बंगाल के साथ भेदभाव करती रही है। यहां सरकारी सुविधाएं ठीक से नहीं पहुंच पातीं। इसके अलावा केंद्र से मिलने वाली सुविधाएं भी उत्तर बंगाल के लोगों को नहीं दी जातीं। इसलिए बाकी बंगाल के साथ बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।

बाबा साहब से प्रेरणा लेकर 'आप' सरकार शिक्षा पर जोर दे रही हैः अरविंद केजरीवाल

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर मंगलवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अर-विंद केजरीवाल ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब से प्रेरणा लेकर आज हम अपनी सरकार में सबसे ज्यादा शिक्षा पर जोर दे रहे हैं। इस अवसर पर केजरीवाल ने कहा कि मैं सभी लोगों से अपील करना चाहता हूं कि हमें बाबा साहब अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेनी है। उनका पूरा जीवन संघर्ष से भरा हुआ है। बाबा साहब ने जीवन भर गरीबों, दलितों और पिछड़े लोगों के लिए संघर्ष किया। उनका सपना था कि इस देश के अंदर जो आखरी आदमी है, उस तक सभी सुविधाएं पहुंचनी चाहिए। उन्होंने सबसे ज्यादा जोर शिक्षा पर दिया। इसी संदर्भ में केजरीवाल ने आगे कहा कि उन्हीं से प्रेरणा लेकर आज हम अपनी सरकार में सबसे ज्यादा शिक्षा पर जोर दे रहे हैं। बाबा साहब अंबेडकर का मानना था कि अगर हर व्यक्ति को अच्छी शिक्षा मिलेगी, तो गरीबी भी दूर होगी, समाज में बराबरी भी होगी और सब लोगों को इज्जत के साथ जीने का अधिकार मिलेगा। शिक्षा बहुत जरूरी है। हम लोग भी बाबा साहब के बताए उसी रास्ते पर चल रहे हैं। इस अवसर पर दिल्ली विधासभा के स्पीकर राम निवास गोयल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत विधायक एवं अन्य गणमान्य लोगों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने महिला की सहमति पर 33 हफ्ते का भ्रूण हटाने की अनुमति दी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस प्रतिभा सिंह की बेंच ने एक 26 वर्षीय विवाहिता के 33 हफ्ते के भ्रूण को हटाने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने कहा कि भ्रूण को हटाने वाले डॉक्टर महिला को भ्रूण हटाने की प्रक्रिया और उसके परिणाम से अवगत कराएंगे। उसके बाद अगर महिला अपनी सहमति देती है तो भ्रूण हटाया जाए। कोर्ट ने कहा कि भ्रूण हटाने को लेकर महिला की इच्छा और भ्रूण का स्वास्थ्य भी सबसे बड़ा मापदंड है। कोर्ट ने 2 दिसंबर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल को महिला के भ्रूण की पड़ताल के लिए मे-डिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया था। महिला ने अपने 33 हफ्ते के भ्रूण को हटाने की अनुमति मांगी थी। याचिका में कहा गया था कि गर्भधारण के बाद से याचिकाकर्ता ने कई अल्ट्रासाउंड कराए। 12 नवंबर के अल्ट्रासाउंड की जांच में पता चला कि महिला के गर्भ में पल रहे भ्रूण में सेरेब्रल विकार है। याचिकाकर्ता महिला ने अल्ट्रास-ाउंड टेस्ट की पुष्टि के लिए 14 नवंबर को एक निजी अल्ट्रासाउंड में जांच करवाया। उसमें भी भ्रूण में सेरेब्रल विकार का पता चला। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने बांबे हाईकोर्ट और कलकत्ता हाईकोर्ट के एक फैसले को उद्धृत करते हुए कहा था कि एमटीपी एक्ट की धारा 3(2)(बी) और 3(2)(डी) के तहत भ्रूण को हटाने की अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने कहा था कि दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में एमटीपी से जुड़े मामलों की पड़ताल के लिए मे-डिकल बोर्ड नहीं है, इसलिए लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल को मेडिकल बोर्ड के गठन का आदेश जारी किया जाए।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने पूरी दुनिया को दिशा दियाः मुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने पूरी दुनिया को दिशा देने का काम किया है। डॉ. बाबासाहेब के संविधान की वजह से उनके जैसा एक सामान्य परिवार का व्यक्ति मुख्यमंत्री बन सका। बाबासाहेब की भावना थी कि समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार और न्याय मिलना चाि-हए। राज्य सरकार बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों पर काम कर रही है। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के 66वां महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर मंगलवार को दादर स्थित चैत्यभूमि में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बाबासाहेब को नमन किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राज्य के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को नमन किया। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि हम भारतीय स्वतंत्रता का अमृत जयंती वर्ष मना रहे हैं। इस महापुरुष की वजह से हम पूरी दुनिया में सिर उठा कर बोल रहे हैं। डॉ. अंबेडकर के संविधान ने सबको अधिकार दिए, जीने का अधिकार दिया। महापुरुष इतिहास रचते हैं, लेकिन बाबासाहेब ने अपमानित जीवन जीने वालों को राहत देकर इतिहास बदल दिया। उन्होंने दलितों को सशक्त बनाने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग किया। दुनिया भर के शोषितों और पीड़ितों के अधिकारों को वैचारिक और संगठनात्मक ताकत दी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इंदु मिल स्मारक को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। हमने काम का निर-ीक्षण और समीक्षा की है। यह दृढ़ संकल्प है कि हमारी सरकार बाबासाहेब के रास्ते पर चलेगी। राजगृह हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। शिंदे ने कहा कि लोअर परेल स्थित स्मारक का निरीक्षण किया जाएगा और बाबा साहेब की स्मृति को संरक्षित करने का काम किया जाएगा।

उम्मीद है एग्जिट पोल जैसे ही नतीजे आएंगे : मुख्यमंत्री

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के चुनाव नतीजे बुधवार को आएंगे। इससे पहले तमाम चैनलों पर दिखाए गए एग्जिट पोल में आम आदमी पार्टी को एमसीडी चुनाव में बहुमत मिलने का दावा किया गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि जनता ने फिर से भरोसा किया है। उम्मीद है ऐसे ही नतीजे आएंगे। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. बी.आर अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एग्जिट पोल को लेकर दिल्ली के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा जनता ने फिर से भरोसा किया है। उम्मीद है कि ऐसे ही नतीजे आएंगे। वह गुजरात को लेकर पॉजिटिव हैं। नई पार्टी ने एंट्री की है। कहा जा रहा था कि गुजरात में भाजपा का गढ़ है। नई पार्टी 15 से 20 प्रतिशत वोट लेकर आती है, तो अच्छी बात है। कल तक नतीजों का इंतजार कीजिए। उन्होंने बाबा साहेब को लेकर कहा कि समाज के हर गरीब, शोषित एवं वंचित वर्ग के अधिकारों एवं न्याय की लड़ाई लड़ने वाले भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। वहीं, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि एग्जिट पोल के नतीजों से साफ हो रहा है कि एमसीडी में दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को खूब वोट किए हैं। केजरीवाल की सरकार निगम में बनने जा रही है। दिल्ली की जनता का दिल से अभार। केजरीवाल की काम की राजनीति पर भरोसा जताया है।

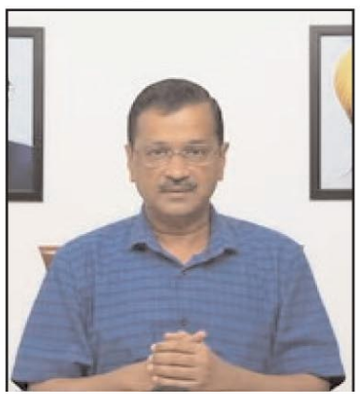

यूपी विधानसभा: सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए विपक्ष पर जमकर बरसे योगी

- अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ ही विपक्ष पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि पहले उत्तर प्रदेश का मतलब दंगे वाला, देश के विकास में बाधक बनने वाला प्रदेश के रूप में पहचान थी। लेकिन पिछले साढ़े पांच सालों में यूपी ने खुद को विकास के साथ जोड़ा। कोरोना कालखंड इसका उदाहरण है। 40 लाख श्रमिक बाहर से वापस यूपी पहुंचे तो उनकी स्किल मैपिंग की गई। रोजगार से जोड़ा गया। योगी ने कहा कि बेहतरीन कानून व्यवस्था लागू करके देश को एक नया मॉडल दिया। दो करोड़ से अधिक ग्रामीणों को शौचालय, एक करोड़ से अधिक बिजली कनेक्शन, कोविड काल में 15 करोड़ लोगों को राशन पहुंचाना सरकार की कार्य प्रणाली को प्रदर्शित करता है। डबल इंजन की सरकार ने जीवन और जीविका, दोनों बचाने का कार्य किया। यूपी इज ऑफ डूइंग बिजनेश में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। अनुपूरक बजट पर बोलते हुए कहा कि यूपी जैसे राज्य का 2022-23 का बजट करीब साढ़े छह लाख करोड़ पहुंच गया है। छह लाख 15 हजार करोड़ के बजट के बाद 33 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया गया। जिन राज्यों की आबादी कम है, वे घाटे का बजट पेश करते हैं। यूपी सरप्लस राजस्व वाला प्रदेश है।

देश की अर्थव्यवस्था का इंजन बनेगा उत्तर प्रदेश - मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का इंजन बनेगा। आज यूपी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश है। एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमि वाला प्रदेश बनाने के लिए काम किया जा रहे है।

पांच सालों में साढ़े चार लाख करोड़ से अधिक के निवेश आये हैं। फरवरी 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जा रहा है। नेता सदन ने यूपी में निवेश करने वाली कई कंपनियों के नाम भी लिए। एमएसएमई हमारे लिए बहुत बड़ी ताकत बन गया है। आज यूपी से एक लाख 56 हजार करोड़ का निवेश हुआ है। 2017 में करीब 80 हजार करोड़ निवेश होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का विजन लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। जनता के मन में सरकार के प्रति विश्वास पैदा हुआ है। हमने बिना भेदभाव के जनता के लिए काम किया है। सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है। हर एक व्यक्ति को कामबार बनाने का प्रयास किया गया। यूपी डेटा सेंटर का हब बन रहा है। पहली डिस्प्ले यूनिट चीन से यूपी में आई। यूपी के कोविड प्रबंधन को सभी ने सराहा है।

जनवरी में खुल जायेगी एयरपोर्ट टू फोर लेन की सड़क

-54 करोड़ की परियोजना पूरी होने के कगार पर

कुशीनगर, (हि.स.)। कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को फोर लेन से जोड़ने वाली सड़क जनवरी माह से आवागमन के लिए खुल जायेगी। सड़क का निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। ड्रेनेज युक्त टू लेन सड़क की खूबसूरती को एंटीक स्ट्रीट लाइटिंग, लैंडस्केपिंग व फ्लोरीकल्चर से निखारा जा रहा है। पाम व खजूर के पौधों के साथ साथ अनेक शोभाकार प्रजाति के पौधे लगाए जा रहे हैं। 3.5 किमी लंबी इस सड़क पर कुल 54 करोड़ की लागत आ रही है। 21 करोड़ रुपये राज्य सरकार व 33 करोड़ रुपए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने वहन किया है। आवागमन शुरू होने से एयरपोर्ट तक यात्रियों की पहुंच सुगम हो जायेगा। बिहार के जिलों व गोरखपुर से आने वाले यात्री सीधे एयरपोर्ट से गन्तव्य तक आवागमन कर सकेंगे। यात्रियों का समय बचेगा और ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी। वर्तमान में यात्री शहर से होकर आ जा रहे हैं। यातायात जाम से यात्रियों को विमान छूटने का भय बना रहता है। साथ ही बारिश के दिनों में रन वे पर जलजमाव की समस्या से मुक्ति मिल जायेगी। बारिश का पानी सीधे प्राकृतिक ड्रेनेज में जायेगा। कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मृत्युंजय ओझा ने बताया कि पिचिंग का कार्य पूरा हो गया है। शेष कार्य दिसम्बर तक पूर्ण हो जाएगा। कार्यवाहक एयरपोर्ट निदेशक नरेंद्र रे ने बताया कि कार्य पूरा होने के साथ ही सड़क आवागमन के लिए खोल दी जायेगी। कार्यदाई संस्था से जल्द कार्य पूरा होने की अपेक्षा की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए सभी संसाधनों से एयरपोर्ट को लैस किया जा रहा है।

विवादित बाबरी विध्वंस की 30वीं बरसी पर वाराणसी में पुलिस बल ने बरती चौकसी

- नई सड़क और दालमंडी में दुकानें बंद कर गम मनाया, गलियों में पसरा सन्नाटा

वाराणसी, (हि.स.)। अयोध्या में विवादित बाबरी विध्वंस की 30वीं बरसी पर मंगलवार को नगर के संवेदनशील इलाकों मे पुलिस बल ने सर्तकता बरत लगातार गश्त किया। खुफिया तंत्र भी सतर्क रहा। मुस्लिम बहुल इलाकों में खासकर नई संड़क और दालमंडी इलाके में दुकानें बंद रहीं। गलियों में सन्नाटा पसरा रहा। हड़हासराय, बेनियाबाग आदि मुस्लिम बहुल इलाकों में भी बंदी का असर साफ देखने को मिला। उधर,शिया समुदाय ने भी बाबरी विध्वंस का गम मनाया। उल्लेखनीय है कि 06 दिसम्बर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विवादित ढांचा को कारसेवकों की भीड़ ने ढहा दिया था। इसकी वजह से लंबे समय तक अयोध्या सहित पूरे देश में तनाव रहा। नौ नवम्बर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से इस ऐतिहासिक विवाद का पटाक्षेप कर दिया। अब अयोध्या में जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण हो रह है। अयोध्या भी अतीत की कड़वाहट को भूल कर आगे बढ़ गई है।

सदन से फेसबुक लाइव करने पर सपा विधायक अतुल प्रधान पर कार्रवाई

लखनऊ, (हि.स.)। रामपुर चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर मंगलवार को समाजवादी पार्टी के विधायकों ने वेल में पहुंचकर हंगामा शुरू दिए। इस दौरान सपा के सदस्य अतुल प्रधान ने फेसबुक लाइव शुरू किया। इसकी सूचना विधानसभा अध्यक्ष को मिली। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सदस्यों को लाइव नहीं करने के लिए आगाह किया और ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी। हंगामें के बीच 15 मिनट के लिए सदन स्थगित कर दिया गया और फिर दोबारा से 15 मिनट का स्थगन बढ़ाया गया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने परीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही उनके खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। विधान सभा में विधायक अतुल प्रधान ने फेसबुक लाइव किया। इस पर अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रधान को सदन का परित्याग करने के दिये निर्देश। महाना ने कहा कि अब वह पूरे सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इस पर सपा के वरिष्ठ सदस्य लालजी वर्मा और मनोज पांडेय ने पीठ से आग्रह किया कि अतुल प्रधान नए सदस्य हैं। उन्हें नियमों की जानकारी नहीं है। इसलिए उन्हें पूरे सदन से निष्कासन का दंड कम किया जाए। इस पर अध्यक्ष सतीश ने एक दिन के लिए निष्काशन किया। सपा के पुनः आग्रह पर अतुल प्रधान को दोपहर एक बजे तक सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं रहने के दिये निर्देश। इस प्रकार अतुल प्रधान को एक बजे तक सदन की कार्यवाही में शामिल होने से रोक दिया गया।

आगामी निकाय चुनाव को लेकर पुलिस ने अभी से शुरू की तैयारी

हरदोई, (हि.स.)। आगामी दिनों में होने वाले नगर निकाय चुनाव की अभी तक भले ही अधिसूचना जारी न हुई है, लेकिन पुलिस-प्रशासन ने शांतिपूर्ण निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने पिहानी कोतवाली में निकाय चुनाव को लेकर जोनल, सेक्टर व थाना पुलिस मोबाइल टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। क्षेत्राधिकारी शिल्पा कुमारी ने बताया कि आगामी नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पिहानी ने अभी तक आठ गैर जमानती वारंटी, 13 वारंटी, 06 वांछितों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 450 लीटर अवैध शराब एवं तीन तमंचे बरामद हुए है। तीन सौ लोगों पर चालानी रिपोर्ट भेजकर पाबंद करने की कार्रवाई की गई। 25 हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ 110जी की कार्रवाई की गई। वहीं, एडिशनल एसपी दुर्गेश कुमार सिंह शस्त्र लाइसेंस धारकों में 194 शस्त्रों का सत्यापन कराया जा चुका है। इनमें सुरक्षा की दृष्टि से अब तक कुल पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी व सराफा बाजार में 25 शस्त्र धारकों छूट के लिए चिह्नित किया गया है। 65 शस्त्र धारक कस्बे के बाहर निवास कर रहे हैं। 48 शास्त्र धारकों ने अपना शस्त्र दुकानों पर जमा कराया है। एडिशनल एसपी ने बताया कि नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव को संपन्न कराने के लिए पुलिस मोबाइल 03, सेक्टर पुलिस मोबाइल 13, थाना मोबाइल 04, कलस्टर मोबाइल 02, सर्किल रिजर्व 01, क्यूआरटी 02 को अलर्ट किया गया है। कस्बे में करावा तिराहा, गोपामऊ चुंगी, शाहबाद तिराहा ,बस स्टैंड समेत अंदर 12 बैरियर व पिकेट बनाए गए हैं। चुनाव के दौरान इन सभी स्थानों पर मोबाइलों, क्यूआरटी, बैरियर व पिकेट आदि पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सुरक्षा के दृष्टिकोण से किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

कृषि अनुसंधान परिषद का भवन निर्माण में आएगी तेजी, 1307 लाख स्वीकृत

लखनऊ, (हि.स.)। कृषि अनुसंधान परिषद का भवन जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा। इससे कृषि क्षेत्र में नये शोध को और बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए शासन ने 1307.15 लाख रुपये निर्गत कर दिये गये हैं। कृषि अनुसंधान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि जिस मद में पुनर्विनियोग किया जा रहा है, उससे अतिरिक्त धनराशि की मांग नहीं की जाएगी। इसके साथ ही पत्र में लिखा है, ह्यप्रायोजना रचना एवं मूल्यांकन प्रभाग द्वारा परियोजना वर्ष 2021 में पुनरीक्षित लागत रुपये 1538.44 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति एवं परियोजना की लागत में 162.49 लाख की वृद्धि की गयी है। पूर्व में रोकी गयी धनराशि 68.80 लाख अर्थात कुल 231.29 लाख अवशेष धनराशि में से पुनरीक्षित परियोजना लागत 1538.44 की प्रशासकीय स्वीकृति तथा पांच प्रतिशत की धनराशि अर्थात 76.92 लाख रोकते हुए, धनराशि 154.37 लाख की वित्तीय स्वीकृति पुनर्विंयोग के माध्यम से राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान की है।

भाजपा विधायक ढुल्लू महतो के सरेंडर से छूट मामले में सुनवाई 12 दिसंबर को

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में पुलिस हिरासत से एक वारंटी को छुड़ाने के मामले में सजायाफ्ता भाजपा विधायक ढुल्लू महतो की क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। मामले में सरेंडर से छूट को लेकर ढुल्लू महतो के एग्जमसन पिटिशन पर राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया। इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार को दो दिन का समय जवाब दाखिल करने के लिए दिया। मामले की सुनवाई 12 दिसंबर को होगी। प्रार्थी ढुल्लू महतो का कहना था कि जब तक उनकी क्रिमिनल रिवीजन झारखंड हाई कोर्ट में पेंडिंग है तब तक उन्हें निचली अदालत में सरेंडर न करना पड़े। उनकी ओर से कहा गया कि 18 माह की सजा में से उनकी ओर से करीब 12 महीने की सजा काट ली गई है। उल्लेखनीय है कि विधायक ढुलू महतो को सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ने के मामले में दोषी करार देते हुए अक्टूबर, 2019 को धनबाद की अनुमंडल दंडाधिकारी शिखा अग्रवाल की अदालत ने 18 महीने की सजा सुनाई थी। ढुल्लू महतो पर पर पुलिस अभिरक्षा से वारंटी राजेश गुप्ता को छुड़ाने का आरोप था। विधायक और विधायक समर्थकों द्वारा वारंटी को छुड़ाने के क्रम में बरोरा के तत्कालीन थाना प्रभारी आरएन चौधरी की वर्दी भी फट गई थी। इस मामले में विधायक ढुलू महतो के खिलाफ बरोरा के तत्कालीन थाना प्रभारी आर एन चौधरी ने कतरास थाना में कांड संख्या- 120/13 दर्ज कराई थी।

राज्य सरकार आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले बच्चों को देगी स्वेटर

रांची, (हि.स.)। झारखंड सरकार अब वित्तीय वर्ष 2022-23 राज्य योजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों को गर्म कपड़े देगी। बताया जाता है कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को मैरून कलर का स्वेटर दिया जायेगा। इसके लिए रांची डीसी के आदेश पर टेंडर निकाला गया है। रांची डीसी के आदेश में कहा गया है कि इच्छुक प्रतिष्ठान 12 दिसंबर को दिन के 12 बजे तक जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कार्यालय में टेंडर सामग्रियों के हर नमूने के साथ जमा करेंगे। प्राप्त नमूनों को उसी दिन तीन बजे क्रय समिति के बैठक में खोला जायेगा। उल्लेखनीय है कि बीते छह नवंबर को चाईबासा में सेविका सहायिका की ओर से आयोजित आभार यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री जोबा मांझी ने बच्चों को स्वेटर देने की बात कही थी।

यूनिफार्म पहनकर ऑटो नहीं चलाने पर होगा ऑटो जब्त :एसपी

रांची, (हि.स.)। रांची के ट्रैफिक एसपी नौशाद आलम ने कहा कि यूनिफॉर्म पहनकर ऑटो नहीं चलाने वाले चालकों का ऑटो जब्त किया जाएगा। एसपी ने बताया कि रांची शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है । ऑटो चालक संघ के प्रतिनिधि से भी बातचीत हो रही है और उन्हें भी कई निर्देश दिए गए हैं । उन्होंने बताया कि शहर में जाम मुक्त और सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई उचित कदम उठाए जा रहे हैं। सर्वप्रथम ऑटो चालकों को यह बताया गया है कि अपना ऑटो सड़क के किनारे लाइन से लगाए और नंबर सिस्टम से ही सवारी उठाकर एक जगह से दूसरी जगह पर जाये। गलत तरीके से ऑटो लगाने पर उसका जुमार्ना लिया जाएगा और बहस करने वाले का ऑटो भी जब्त होगा। एसपी ने बताया कि ऑटो चालकों की पहचान हो सके , ताकि यह समझ में आए की ऑटो चालक है, इसके लिए सभी ऑटो चालकों को यूनिफॉर्म पहना अनिवार्य किया गया है यदि कोई ऑटो चालक बिना यूनिफार्म पहने हुए ऑटो चलाते हुए पकड़े जाएंगे तो संबंधित यातायात पोस्ट पर तैनात पुलिसकर्मी जुमार्ना काटेंगे और ऑटो भी जब्त करेंगे ।

इस संबंध में सभी ट्रैफिक थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है । रांची शहरी क्षेत्र के ऑटो चालकों को परिचालन कराने के लिए अनुरोध किया गया है। इससे ऑटो चालकों की अलग पहचान हो सके। इस संबंध में रांची जिला ऑटो चालक यूनियन संघ के द्वारा कुछ ऑटो चालकों को निधार्रित यूनिफॉर्म उपलब्ध कराई गई है। साथ ही सभी ऑटो चालकों को वैसे ही यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एसपी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से यात्रियों के सुरक्षा के लिए प्रत्येक ऑटो के दाहिने तरफ रॉड लगाकर कर परिचालन करने, फर्स्ट एड बॉक्स रखने और अपने ऑटो के शीशे पर भाड़ा तालिका का चार्ट भी लगाने को कहा गया है। इसमें से किसी भी चीज में कमी पाई गई तो जुमार्ना काटा जाएगा।

हमने जिस दल का हाथ पकड़ा वो दल जीता, अब आम जनता का हाथ पकड़े है जनता भी जीतेगी : प्रशांत किशोर

मोतिहारी, (हि.स.)। जन सुराज पदयात्रा के 66वें दिन प्रशांत किशोर ने आज जिले के चिरैया प्रखंड के मीरपुर से अपनी यात्रा की शुरूआत करते हुए चिरैया कोठी,चिरैया नगर पंचायत,रामपुर दक्षिण, मिश्रौलिया, खड़तरी पूर्वी, खड़तरी पश्चिमी, सेमरा, राघोपुर सहित अन्य पंचायतो का भ्रमण करेगे।यात्रा शुरू करने के पूर्व उन्होने मीडिया को बताया कि अब तक लगभग 700 किमी से अधिक पैदल चल चुके हैं। इसमें 550 किमी से अधिक पश्चिम चंपारण में और अब पूर्वी चंपारण में अबतक डेढ़ 150 किमी से अधिक पैदल चल चुके हैं। इस दौरान जमीन पर हुए अनुभवों के आधार पर यह कह सकते है,कि बिहार समस्यायों के ढेर पर खड़ा है,जहां शिक्षा, कृषि, स्वास्थ बिल्कुल लचर स्थिति में है। रोजगार जैसी समस्या एक भीषण संकट का रूप ले चुकी है। उन्होने कहा कि ऐसे कई मुद्दों पर हम लोगो की राय सुन रहे है, साथ ही अपनी बात भी रख रहे हैं, लोगों की समस्यायों को सुन कर उसे संकलित भी करते जा रहे हैं।इस दौरान उन्होने चिरैया प्रखंड के बरैठा गांव में स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, आज तक जिसका हाथ पकड़े हैं कोई दल कोई नेता चुनाव नहीं हारा है, इस बार आपका हाथ पकड़े हैं आपको भी हारने नहीं देंगे। भरोसा करके आप आइये और अपने आप पर दांव लगाइए और जनता की सरकार बनाइए। प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं पदयात्रा के माध्यम से आपसे सिर्फ आशीर्वाद मांगने आया हूं। जो काम 30-40 साल में नहीं हुआ वो मैं काम करने आया हूं। आपका साथ होगा तो यकीन कीजिए इस बार बिहार में जो होने वाला है वो शायद पहले कभी नहीं हुआ होगा। उन्होने कहा कि बिहार के हर पंचायत की समस्या से रू बरू होकर उसका समाधान निकालने की रूपरेखा तैयार किया जायेगा।

डॉ. आंबेडकर के सपनों को पूरा कर रहे हैं नीतीश कुमार : जदयू जिलाध्यक्ष

बेगूसराय, (हि.स.)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कार्यालय के कपूर्री सभागार में मंगलवार को देशरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का 67वां परिनिर्वाण दिवस पूर्व विधान पार्षद-सह-जदयू जिलाध्यक्ष रुदल राय के अध्यक्षता में मनाया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रुदल राय ने कहा कि भीमराव आंबेडकर के सामाजिक विषमता को समाप्त करने के सपने को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरा कर रहे हैं। भीमराव आंबेडकर ने दलितों के उत्थान के लिए 22 प्रस्ताव रखे थे, जिसमें 17 वा प्रस्ताव शराबबंदी भी था। आज जो लोग शराबबंदी का विरोध कर रहे हैं, वह आंबेडकर जी का विरोध कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने 2006 में पंचायती राज चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, 2007 में नगर नगर निकाय के चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण तथा एससी, एसटी, अति पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया। बिहार का बजट अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए 2005-06 में 40 हजार 48 करोड था, वही 2018-19 में 1550 करोड़ का हो गया। बीपीएससी का पीटी पास करने पर 50 हजार रुपये का प्रोत्साहन राशि एवं यूपीएससी में एक लाख रुपये का प्रोत्साहन राशि दिया जा रहा है।

संविधान के निर्माण में बाबासाहेब अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका : नीतीश

पटना, (हि.स.)। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री नीतीश ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के निर्माण में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका थी। सीएम ने कहा कि समाज का हर तबका उनको याद करता है। हमलोग बचपन से ही उनके बारे में सारी बातों को जानते रहे हैं। उनके प्रति हमारी पूरी श्रद्धा है। उन्होंने संविधान का बेहतर ढंग से निर्माण किया। समाज के हर तबके के उत्थान की बात की। गरीब तबके के लोगों को उन्होंने पढ़ने का अवसर दिलाया। उनके द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा इतिहास में है । एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हम कटिहार जा रहे हैं, वहां पहुंचकर एक-एक चीज को देखेंगे। विधायकों एवं अन्य लोगों ने गंगा नदी के किनारे हो रहे कटाव की हमें जानकारी दी थी। उसी को जाकर देखेंगे की स्थिति क्या है। कटाव की सुरक्षा के लिए सभी इंतजाम किए जाएंगे। हवाई मार्ग से कटिहार जाने के क्रम में रास्ते में देखेंगे कि कहीं और कोई दिक्कत तो नहीं है। लालू प्रसाद यादव के स्वास्थ्य को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कल उनके ऑपरेशन के बाद हमने फोन करके उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी।

संपादकीय

खड़गे का '2024 संदेश'

कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के बिखरे और उदासीन हो चुके संगठन को मजबूत करने का पाठ पढ़ाया है। उन्होंने अभी से 2024 के आम चुनाव की रणनीति पर विमर्श का आह्वान किया है। खड़गे 'यात्रा की राजनीति' को जारी रखने के पक्षधर हैं, लिहाजा 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस, से एक और यात्रा शुरू की जाएगी। उसे मंडल और पंचायत स्तर पर 'हाथ से जोड़ो हाथ' का भावार्थ दिया गया है। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद अब प्रियंका गांधी वाड्रा हर राज्य में 'महिला मार्च' का नेतृत्व करेंगी। प्रत्येक 'महिला मार्च' का अपना अलग घोषणा पत्र होगा, ताकि महिलाओं की समस्याओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझा जा सके। दरअसल खड़गे आम आदमी के स्तर तक कांग्रेस का नया जुड़ाव तय करना चाहते हैं, लिहाजा उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों तक को सख्त संदेश दिया है-'या तो आगे बढ़ें, नहीं तो एक तरफ हो जाएं।' कांग्रेस अध्यक्ष चाहते हैं कि पार्टी में ऊपर से नीचे तक, संगठनात्मक जवाबदेही और जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। जो पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हैं, उन्हें अपने साथियों के लिए रास्ता साफ कर देना चाहिए। यदि कांग्रेस का संगठन सशक्त और मजबूत है, जवाबदेह और लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने योग्य है, तो हम कोई भी चुनाव जीत सकते हैं। पार्टी का 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगे बढ़ने का रास्ता सिर्फ यही है।' कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद खड़गे ने शीर्षस्थ कांग्रेस कार्यसमिति को 'संचालन समिति' में तबदील कर दिया था। उसी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने चेतावनी जारी की, पदाधिकारियों को जवाबदेही का पाठ पढ़ाया और राज्यों के प्रभारी नेताओं को आईना दिखाते हुए आगाह किया है। नए कांग्रेस अध्यक्ष का स्पष्ट निर्देश है कि राज्यों के पार्टी प्रभारी महासचिव या नेता कमोबेश यह सुनिश्चित करें कि एक माह में उन्होंने औसतन 10 दिन राज्य में दौरे किए हैं। जिला और मंडल स्तर के नेताओं से मुलाकातें की हैं और स्थानीय मुद्दों तथा समस्याओं को समझने की कोशिश की है। खड़गे ने आगामी तीन माह की योजनाओं और कार्यक्रमों की रपटें भी मांगी हैं। प्रदेश प्रभारी यह स्पष्ट करें कि आने वाले 90 दिनों के भीतर जनवादी और सामयिक मुद्दों और समस्याओं पर जन-आंदोलन छेड़ने के रोडमैप क्या हैं? दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का पूरा फोकस 2024 के आम चुनाव पर है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में फरवरी के दूसरे पखवाड़े में तीन दिवसीय कांग्रेस महाधिवेशन का आयोजन किया जाएगा। उसमें खड़गे की अध्यक्षी पर मुहर लगाई जाएगी और कांग्रेस कार्यसमिति के लिए चुनाव भी होंगे। महाधिवेशन के दौरान 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति और राजनीति पर भी शुरुआती विमर्श किया जाएगा, ताकि उसके तात्कालिक ब्लूप्रिंट तैयार किया जा सके। बेशक इस तरह के संदेश पहले भी जारी किए जा चुके हैं, लेकिन वे गांधी परिवार के अध्यक्षों ने किए थे। खड़गे गैर-गांधी अध्यक्ष हैं और पार्टी में उतने स्वीकार्य भी नहीं रहे हैं। हालांकि अब अध्यक्ष बन जाने के बाद उनकी हैसियत कुछ और ही होगी, लेकिन सवाल है कि क्या मौजूदा कांग्रेस संगठन ऐसे सख्त संदेश को स्वीकार करेगा। कांग्रेस फिलहाल ऐसी स्थिति में है कि उसके विधायक, मुख्यमंत्री स्तर के और बड़े नेता भी पार्टी छोड़ कर भाजपा में जा रहे हैं या अपनी पार्टी बनाई है। यह दौर कांग्रेस को समेटने और लामबंदी का है। अभी तो पार्टी के भीतर खड़गे को स्वीकार्यता साबित होनी है, उसके बाद यह उपसंहार सामने आ सकता है कि उनके नेतृत्व में पार्टी कितनी सक्रिय और संगठित होती है।

> प्रत्येक 'महिला मार्च' का अपना अलग घोषणा पत्र होगा, ताकि महिलाओं की समस्याओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझा जा सके। दरअसल खड़गे आम आदमी के स्तर तक कांग्रेस का नया जुड़ाव तय करना चाहते हैं, लिहाजा उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों तक को सख्त संदेश दिया है-'या तो आगे बढ़ें, नहीं तो एक तरफ हो जाएं।' कांग्रेस अध्यक्ष चाहते हैं कि पार्टी में ऊपर से नीचे तक, संगठनात्मक जवाबदेही और जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। जो पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हैं, उन्हें अपने साथियों के लिए रास्ता साफ कर देना चाहिए। यदि कांग्रेस का संगठन सशक्त और मजबूत है, जवाबदेह और लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने योग्य है, तो हम कोई भी चुनाव जीत सकते हैं। पार्टी का 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगे बढ़ने का रास्ता सिर्फ यही है।' प्रत्येक 'महिला मार्च' का अपना अलग घोषणा पत्र होगा, ताकि महिलाओं की समस्याओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझा जा सके।

अमृत कलश

तंत्र एक धर्म नहीं

तंत्र एक स्वतंत्रता है—स्वतंत्रता है मन के सभी सृजनों से, मन के सभी खेलों से, मन के बने सभी ढांचों से और वह स्वतंत्रता है दूसरों से भी। तंत्र अस्तित्व में बने रहने के लिए एक अंतराल है। तंत्र एक मुक्ति है। सामान्य अर्थ में तंत्र कोई धर्म नहीं है। धर्म तो पुनः मन का ही एक खेल है। धर्म तो तुम्हें एक विशिष्ट सांचा अथवा आकार देता है। एक ईसाई के पास एक विशिष्ट आकार होता है। इसी तरह एक हिन्दु या एक मुसलमान के पास भी अपना-अपना एक विशिष्ट सांचा अथवा स्वरूप होता है। धर्म तुम्हें एक विशिष्ट शैली और एक अनुशासन देता है। तंत्र तो तुमसे सभी अनुशासन छीन लेता है, तुम्हें उससे पृथक कर देता है। जब वहां कोई अनुशासन नहीं होता है, तब वहां बलपूर्वक थोपा हुआ कोई शासन नहीं रहता है। तब तुम्हारे अंदर पूर्णरूप से एक अलग तरह का अनुशासन और व्यवस्था उत्पन्न होती है। लाओत्से उसे ताओ कहते है, उसी को बुद्ध धम्म (धर्म) कहते हैं, वहीं तुम्हारे अंदर उदय होती है। यह कोई ऐसी चीज नहीं है जो तुम्हारे द्वारा की जाती है, वह तुम्हारे अंदर घटती है। तंत्र सामान्य रूप से उसके घटने के लिए एक अंतराल सृजित करता है। वह उसे आमंत्रित भी नहीं करता, न उसे फुसलाता है और न उसकी प्रतीक्षा ही करता है। वह तो बस सामान्य रूप से एक अंतराल सृजित करता है। और जब वह अंतराल तैयार होता है, अखण्ड अस्तित्व उसमें प्रवाहित होने लग जाता है।

बोध कथा

आदर्शों का महत्त्व

महर्षि चरक औषधियों की खोज में कुछ शिष्यों को लेकर जंगल में घूम रहे थे। तभी अचानक कुछ खेतों से गुजरते हुए उनकी दृष्टि एक अनोखे पुष्प पर पड़ी। अपने जीवन काल में उन्होंने सैकड़ों पुष्पों के गुणधर्मों का अध्ययन और अनुसंधान किया था, लेकिन यह अनोखा पुष्प उन्होंने इससे पहले कभी नहीं देखा था। आचार्य चरक चाहते थे कि वह उस पुष्प के भी गुणधर्मों का अध्ययन और अनुसंधान करें, लेकिन वह केवल उसे उत्सुकता से देख रहे थे। तभी उनके नजदीक खड़े उनके एक शिष्य ने कहा, "आचार्य ! पुष्प ले आऊँ ?"तब महर्षि चरक बोले, "सौम्य ! पुष्प को लेने की इच्छा तो है, किन्तु खेत के स्वामी की अनुमति के बिना पुष्प तोड़ना अनैतिक होगा। बिना स्वामी की आज्ञा के पुष्प तोड़ना चोरी कही जायेगी।"शिष्य बोला, " आचार्य ! किसी महत्वपूर्ण वस्तु को बिना अनुमति के लिया जाये तो चोरी कहा जा सकता है, लेकिन यह तो एक पुष्प मात्र है। मुझे नहीं लगता, इसे तोड़ना चोरी हो सकता है।"आचार्य चरक बोले, " ईश्वर की बनाई कोई वस्तु तुच्छ नहीं होती है, इसलिए, बिना मालिक की अनुमति के इसे तोड़ना चोरी ही कही जायेगी।"शिष्य बोला, " आचार्य ! आपको तो राजा की आज्ञा है कि आप कहीं से भी कोई भी वस्तु बिना किसी की अनुमति के ले सकते है तो फिर इसमें मालिक की अनुमति की क्या आवश्यकता ?"महर्षि चरक बोले, " सौम्य ! राजाज्ञा और नैतिकता में बहुत बड़ा अंतर है। उत्सुकतावश शिष्य ने पूछा, "कैसा अंतर, आचार्य !"महर्षि चरक बोले, "सौम्य ! आदर्शों की स्थापना के लिये हमेशा राजाज्ञा पर नैतिकता का शिकंजा कसा होना चाहिए। राजाज्ञा होने का मतलब यह नहीं कि हम अपने आश्रितों की संपत्ति पर स्वछन्द अधिकार जतायें। राजा के आदर्शों पर ही प्रजा चलती है। गुरु के आदर्शों पर ही शिष्य चलते हैं। इसीलिए राजाज्ञा से नैतिकता अधिक महत्वपूर्ण है।"अपने शिष्य को नैतिकता की महत्ता बताते हुए महर्षि चरक तीन कोस पैदल चलकर उस किसान के घर गये। किसान की अनुमति लेकर ही उन्होंने वह पुष्प तोड़ा और उसके गुणधर्मों के अध्ययन और अनुसंधान में लग गये।

खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है

दुनिया के प्रसन्न समाजों में हम क्यों पिछड़ रहे हैं?

ललित गर्ग

> गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश के चुनाव की सरगर्मियों एवं शोरशराबे के बीच इस रिपोर्ट का आना जहां सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति- निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में नीचे खिसक रहे हैं। क्या खुशियों को स्थापित करना सरकार की प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए? हमारी खुशी कैसी है, इसको मापना भी इसलिये जरूरी है कि हम एक नया भारत एवं सशक्त भारत निर्मित करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र की ने वर्ष 2022 की पहली तिमाही में सालाना वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट जारी की है। 149 देशों की सूची में भारत का स्थान खुशी और प्रसन्नता के मामले में 136वां है, जो हैरानी का बड़ा कारण है। इस सूची में फिनलैंड लगातार पांचवीं बार अव्वल रहा है। डेनमार्क, आइसलैंड, स्विटजरलैंड और नीदरलैंड ने शीर्ष पांच में अपना स्थान बनाया है। हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं। गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश के चुनाव की सरगर्मियों एवं शोरशराबे के बीच इस रिपोर्ट का आना जहां सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में नीचे खिसक रहे हैं। क्या खुशियों को स्थापित करना सरकार की प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए? हमारी खुशी कैसी है, इसको मापना भी इसलिये जरूरी है कि हम एक नया भारत एवं सशक्त भारत निर्मित करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। बिना खुशी एवं आनन्द के हमारी उपलब्धियां बेमानी होगी। प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है। खुशी एवं प्रसन्नता हम सबकी जरूरत है, लेकिन प्रश्न है कि क्या हमारी यह जरूरत पूरी हो पा रही है, ताजा आकलन से तो यही सिद्ध हो रहा है कि हम खुशी एवं प्रसन्नता के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश है। रिपोर्ट में फिनलैंड को लगातार पांचवी साल सबसे खुशहाल देश का तमगा मिला, हमने देखना होगा कि वहां ऐसी कौनसी बातें है जो उन्हें खुशहाली में अव्वल बनाती है। खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है, यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, स्वतंत्रता और उदारता आदि को आधार बनाती है। रिपोर्ट का मकसद विभिन्न देशों के शासकों को आईना दिखाना है कि उनकी नीतियां लोगों की जिंदगी खुशहाल बनाने में कोई भूमिका निभा रही हैं या नहीं। हमारा शीर्ष नेतृत्व निरन्तर आदर्शवाद और अच्छाई का झूठ रचते हुए सच्चे आदर्शवाद के प्रकट होने की असंभव कामना करता रहा है, इसी से जीवन की समस्याएं सघन होती जा रही है, नकारात्मकता का व्यूह मजबूत होता जा रहा है, खुशी एवं प्रसन्न जीवन का लक्ष्य अधूरा ही रह रहा है, इनसे बाहर निकलना असंभव-सा होता जा रहा है। दूषित और दमघोंटू वातावरण में आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। आर्थिक असंतुलन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित कर रहा है। ऐसे जटिल हालात में इंसान कैसे खुशहाल जीवन जी सकता है? यहां प्रश्न यह भी है कि आखिर हम खुशी और प्रसन्नता के मामले में क्यों पीछे हैं, जबकि पिछले कुछ समय से भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। दरअसल पिछले दो-ढाई दशकों में भारत में विकास प्रक्रिया अपने साथ हर मामले में बहुत ज्यादा विषमता लेकर आई है। जो पहले से समर्थ थे, वे इस प्रक्रिया में और ताकतवर हो गए हैं। यानी लखपति करोड़पति हो गए और करोड़पति अरबपति बन गए। एकदम साधारण आदमी का जीवन भी बदला है लेकिन कई तरह की नई समस्याएं उसके सामने आ खड़ी हुई हैं। भारत के आम आदमी की खुशहाली में कमी होने का बड़ा कारण यह है कि सरकार ने गरीबों के लिये योजनाएं बनायी हैं, लेकिन वे योजनाएं राजनीतिक लाभ लेने तक सीमित हैं। यही कारण है कि अत्यंत निर्धनों के लिए जो योजनाएं बनी हैं, उनका जोर उस वर्ग को किसी तरह जिंदा रखने पर है। उनको उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा बनाने की कोई कोशिश नहीं हो रही है। वह वर्ग भुखमरी से तो उबर गया है मगर शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय उसकी पहुंच से बाहर है। इससे ठीक ऊपर वाले बड़े तबके यानी मध्यम वर्ग को तो सरकारी मदद लायक भी नहीं माना जाता। यह वर्ग तो सर्वाधिक पीड़ति एवं परेशान है। ऐसे लोगों के जीवन में खुशी भला कहां से आएगी? विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं कंकाली दी है। उससे गरीब अधिक गरीब हुआ है। आम आदमी की समस्याएं कम होने की बजाय अधिक बढ़ी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है। ऐसे माहौल में व्यक्ति खुशहाल नहीं हो सकता। एक महान विद्वान ने कहा था कि जब हम स्वार्थ से उठकर अपने समय को देखते हुए दूसरों के लिए कुछ करने को तैयार होते हैं तो हम सकारात्मक हो जाते हैं। सरकार एवं सत्ताशीर्ष पर बैठे लोगों को निस्वार्थ होना जरूरी है। उनके निस्वार्थ होने पर ही आम आदमी के खुशहाली के रास्ते उद्घाटित हो सकते हैं। तभी आम आदमी को ऊर्जा एवं सकारात्मकता से समृद्ध किया जा सकता है, और तभी जीवन को आनंदित बनाया जा सकता हैं। यही आनन्द एवं खुशहाली समाज और राष्ट्र के लिए भी ज्यादा उपयोगी साबित हो सकती है। कामना हमें शुभ, सुखमय एवं खुशहाल जीवन की करनी होगी। लेकिन इसके लिये अवसरवादी, अनैतिक एवं गलत मूल्यों के खिलाफ आवाज भी तो उठानी ही होगी।

पराली की समस्या का हरियाणवी समाधान

> हजां हरियाणा लगातार पराली की समस्या से मुक्ति की ओर अग्रसर है, हवीं पंजाब की सरकार अभी भी इस मामले में न केवल असमर्थ रही है, बल्कि किसानों की मजबूरी का हवाला देते हुए, इस समस्या से मुंह भी मोड़ती दिखाई दे रही है। लेकिन ह रियाणा का उदाहरण हय इंगित कर रहा है कि पराली जलाने की समस्या असाध्य हनीं है। जरूरत है, तो केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति की। भारत के लोग हमेशा आपदा से अवसर तलाशने में माहरि होते हैं। हरियाणा के किसानों द्वारा इस पराली जलाने की घटनाओं में कमी के साथ-साथ उत्पादन में वृद्धि का भी अनुभव आ रहा है। उपयुक्त मशीनों के उपयोग के द्वारा उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आमदनी में भी वृद्धि हो रही है। अब किसानों को समझ आ गया है कि पराली को जलाए बिना भी इस समस्या का कम खर्चीला समाधान किया जा सकता है।

पंजाब और हरियाणा के किसानों द्वारा पराली जलाने की वजह से हालांकि दिल्ली और पड़ौसी क्षेत्रों हरियाणा और पंजाब की हवा अभी भी विषैली बनी हुई है, लेकिन एक अच्छी खबर यह है कि हरियाणा में इस बार पराली का जलना 26 प्रतिशत कम हुआ है, जबकि पंजाब के किसानों द्वारा पराली जलाने की प्रवृत्ति बदस्तूर जारी है। सेटेलाईट द्वारा लिये गये चित्रों और अन्य प्रकार से एकत्र की गई वैज्ञानिक जानकारियां इसी ओर इंगित कर रही हैं। वर्ष 2019 के नवंबर माह में सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश सरकार को लताड़ लगाई थी कि वे क्यों फसल अवशेष (पराली) को जलाये जाने को रोकने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं अपना रहे? कोर्ट ने इन राज्य सरकारों को यह भी कहा था कि पराली नहीं जलाने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें प्रति क्विंटल फसल के लिए 100 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाए। सुप्रीम कोर्ट की कितनी बात मानी गई, यह तो शोध का विषय हो सकता है, लेकिन इतना जरूर है कि इस साल अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' के अनुसार 23 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच हरियाणा राज्य में पराली जलाने की घटनाएं पंजाब की तुलना में काफी कम हुई हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के आंकड़ों के अनुसार 1 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच पंजाब में 29780 पराली जलाने की घटनाएं हुई, जबकि हरियाणा में यह मात्र 4414 ही थी। पर्यावरण प्रदूषण (बचाव एवं नियंत्रण) प्राधिकरण ने भी सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि जहां हरियाणा ने पराली जलाने की घटनाओं पर खासा नियंत्रण कर लिया है, पंजाब की इस मामले में स्थिति बहुत खराब है। हरियाणा द्वारा पराली समस्या के नियंत्रण की खबर राहत देने वाली तो है, लेकिन महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि हरियाणा ने इस समस्या का निदान कैसे किया और पंजाब क्यों असफल रहा, उसी से यह समझ में आयेगा कि पंजाब के किसानों की पराली की समस्या का समाधान कैसे होगा? तकनीकी प्रयास : हरियाणा सरकार ने इस साल 'सुपर एसएमएस', 'रोटा वेटर', 'हैप्पी सीडर' और 'जीरो टिल सीड ड्रिल' नाम की मशीनों का बड़ी संख्या में वितरण किया ताकि किसान पराली जलाने की प्रवृत्ति से बचें। पिछले साल जिन किसानों ने इन मशीनों का उपयोग किया था, उन्हें इससे खासा लाभ हुआ और उनकी पैदावार में भी वृद्धि हुई। इस अनुभव के चलते, अब और अधिक किसान इन मशीनों का उपयोग करने लगे हैं, हालांकि कुछ किसानों का मानना है कि इस मशीन के भारी किराये (2000 रुपए प्रति एकड़) के कारण वे इसका उपयोग नहीं कर पा रहे। लेकिन यह बात सही है कि इन मशीनों के बारे में किसानों को शिक्षित करने के सरकारी प्रयासों और किसानों में पराली के वैकल्पिक उपयोगों की बढ़ती जागरूकता के चलते हरियाणा में यह समस्या घटने लगी है। हरियाणा सरकार किसानों को कटाई उपरांत पराली को एकत्र करके उसकी गांठे बनाने हेतु प्रति हैक्टेयर 1000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दे ही रही थी, अब 1000 रुपए प्रति हैक्टेयर की राशि खेत पर ही पराली प्रबंधन की राशि इस वर्ष से शुरू की गई है। राज्य सरकार सर्वाधिक प्रभावित पंचायतों को भी 10 लाख रुपए पराली न जलाने की प्रोत्साहन राशि के रूप में दे रही है। हर साल विभिन्न प्रकार की प्रोत्साहन राशि का बजट भी बढ़ता जा रहा है। केवल प्रोत्साहन ही नहीं, दंड का प्रावधान भी हरियाणा राज्य में देखा गया है। इस साल अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तक पराली जलाने के खिलाफ 1041 चलान काटे गये, जिनमें 26 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। प्रोत्साहन, प्रौद्योगिकी, प्रयोग और दंड, सभी प्रकार के प्रयासों के चलते यह स्थिति बनी है कि जहां 2021 में अक्टूबर 26 तक पराली जलाने के 2010 मामले आये थे, इस वर्ष उस समय तक सिर्फ 1495 मामले की दर्ज हुए थे। यानि 26 प्रतिशत की कमी। यह सही है कि हरियाणा सरकार की दंड और प्रोत्साहन की नीति अभी कामयाब होती दिख रही है, लेकिन हरियाणा में पराली की समस्या का निदान इससे पहले इतना प्रभावी नहीं था। यदि आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि हरियाणा में 2021 से पहले इन घटनाओं में लगातार वृद्धि भी हो रही थी। लेकिन 2021 के बाद ही इन घटनाओं में कमी देखने को मिल रही है। इसका अभिप्राय यह हो सकता है कि हरियाणा सरकार अब इस समस्या को गंभीरता से ले रही है। लेकिन दूसरी ओर पंजाब, जो पूर्व में पराली की समस्या में हरियाणा से बेहतर काम कर रहा था, अब इस मामले में पिछड़ रहा है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा 7 अप्रैल 2022 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 2021 में 82533 पराली जलाने के मामले दर्ज हुए जो 2020 से 7.7 प्रतिशत कम थे। इसमें सबसे बेहतर प्रदर्शन पंजाब का था, जहां 2020 में 83002 मामलों की तुलना में 2021 में केवल 71304 मामले ही दर्ज हुए। सेटेलाईट चित्रों के अनुसार इस दौरान हरियाणा में 2020 में 216 हजार हैक्टेयर की तुलना में 2021 में 354 हजार हेक्टेयर में जलती पराली दिखाई दी थी। इसी दौरान पंजाब में 16.6 लाख हैक्टेयर की तुलना में 15.9 लाख हैक्टेयर में ही पराली जलाई गई थी। जहां हरियाणा लगातार पराली की समस्या से मुक्ति की ओर अग्रसर है, वहीं पंजाब की सरकार अभी भी इस मामले में न केवल असमर्थ रही है, बल्कि किसानों की मजबूरी का हवाला देते हुए, इस समस्या से मुंह भी मोड़ती दिखाई दे रही है। लेकिन हरियाणा का उदाहरण यह इंगित कर रहा है कि पराली जलाने की समस्या असाध्य नहीं है। जरूरत है, तो केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति की। भारत के लोग हमेशा आपदा से अवसर तलाशने में माहिर होते हैं। हरियाणा के किसानों द्वारा इस पराली जलाने की घटनाओं में कमी के साथ-साथ उत्पादन में वृद्धि का भी अनुभव आ रहा है। उपयुक्त मशीनों के उपयोग के द्वारा उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आमदनी में भी वृद्धि हो रही है। पहले किसानों द्वारा यह समझा जाता था कि पराली को जलाए बिना कोई उपाय नहीं है और इसका प्रबंधन खर्चीला होता है, लेकिन अब उन्हें समझ आने लगा है कि खेत में पराली के प्रबंधन से उनकी उर्वरकों, कीटनाशकों और खरपतवरनाशकों का खर्चा कम हो सकता है। पराली से चीनी और इथेनॉल का भी उत्पादन हो सकता है।

देश दुनीया से

सीमा विवाद को राज्यों के भरोसे छोड़ना सही नहीं होगा, केंद्र और कोर्ट को पहल करनी होगी

असम-मेघालय सीमा पर बीते दिनों हिंसा भड़कने से कई लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए। घटना में मेघालय के पांच और असम के एक वन रक्षक सहित कुल छह लोगों की मौत हो गई। हालांकि यह हिंसा लकड़ी की तस्करी को लेकर हुई लेकिन इन राज्यों में सीमा विवाद को लेकर भी हिंसा होना आम बात है। पूर्वोत्तर सहित देश के कई राज्यों में सीमा विवाद चल रहा है, किन्तु भौगोलिक सीमा और क्षेत्रों की दावेदारी को लेकर जितना खूनी संघर्ष पूर्वोत्तर के राज्यों में हुआ है, उतना कहीं नहीं हुआ। राज्य विवादित क्षेत्र के निपटारे के लिए कानूनी या लोकतांत्रिक तरीका अपनाने की बजाए दुश्मनों की तरह जंग छेड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में जब देश चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मन देशों की चुनौतियों से जूझ रहा है, राज्यों द्वारा राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य की बजाए निहित स्वार्थों के वशीभूत होकर की गई कार्रवाई से एकता और अखंडता को लेकर गलत संदेश जा रहा है। विशेषकर चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जता कर विवाद खड़ा कर चुका है। देश में करीब दस राज्य ऐसे हैं, जिनमें सीमा को लेकर विवाद जारी है। इनमें पूर्वोत्तर राज्यों में सर्वाधिक फसाद है। राज्यों के विवादों को उकसाने से स्थानीय लोग हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि जिन क्षेत्रों की दावेदारी को लेकर विवाद या हिंसक कार्रवाई हो रही है, उनका कोई विशेष वाणिज्यिक या दूसरा महत्वपूर्ण उपयोग नहीं है, जिससे राज्यों को किसी तरह का भारी नुकसान हो रहा हो। इसके बावजूद राज्यों की सरकारें क्षेत्रवाद के नाम पर उकसावे भरी कार्रवाई से लोगों को हिंसा की तरफ धकेल रही हैं। मेघालय से पहले अक्टूबर के पहले सप्ताह में असम का मिजोरम से विवाद हो गया था। इस विवाद की जड़ झोपड़ी रही। असम पुलिस ने दो अक्टूबर को झोफई इलाके में दो झोपड़ियां बनाईं। जिस स्थान पर झोपड़ियां बनाई गईं वह मिजोरम के पहले मुख्यमंत्री सी छुंगा के धान के खेत के बिल्कुल सामने मौजूद थी। हालांकि, असम पुलिस ने झोपड़ियां हटा लीं। दरअसल, जिसे इलाके में असम पुलिस ने झोपड़ियां बनाई वह विवादित क्षेत्र है। इस विवादित क्षेत्र पर दोनों राज्य सरकारों ने अच्छी स्थिति बनाए रखने पर सहमति जताई थी। गौरतलब है कि मार्च 2018 में इसी इलाके में झड़प हुई थी जब मिजोरम पुलिस के पदाधिकारियों ने वहां लकड़ी का एक मकान बनाने की कोशिश की थी। उस झड़प में 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इस साल सितंबर में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने सीमा मुद्दे को लेकर मुलाकात भी की थी और मंत्री स्तरीय बात जारी रखने पर सहमति जताई थी। सीमा विवाद को लेकर असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों की कई दौर की बैठकों के बावजूद कोई हल नहीं निकल पाया। सीमा विवाद को लेकर पूर्वोत्तर राज्यों का इतिहास रक्तरंजित रहा है। साल 2021 में एक दंपत्ति कछार (असल) जिले के रास्ते मिजोरम आ रहे थे। जिस समय वह लौट रहे थे तो उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ हुई। बवाल इतना बढ़ गया कि नौबत फायरिंग तक जा पहुंची। इससे पहले साल 2020 में अक्टूबर में भी दो बार असम और मिजोरम की सीमा पर आगजनी और हिंसा हुई थी। 9 अक्टूबर, 2020 को मिजोरम के दो लोगों को आग लगा दी गई थी। इसी के साथ कई झोपड़ियों और सुपारी के पौधों को भी आग के हवाले कर दिया गया था। वहीं कुछ दिन बाद ही कछार (असम) के लोगों ने मिजोराम पुलिस पर हमला कर दिया। पुलिस और आम लोगों पर पत्थरबाजी हुई। असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद ब्रिटिश राज के समय से करीब 100 साल से चल रहा है। असम और मिजोरम के बीच 164.6 किलोमीटर की अंतर-राज्य सीमा है, जिसमें असम के तीन जिले कछार, हैलाकांडी और करीमगंज, मिजोरम के कोलासिब, ममित और आइजोल जिलों के साथ सीमा साझा करते हैं। ब्रिटिश राज के समय से मिजोरम को असम के लुशाई हिल्स के रूप में जाना जाता था। मिजोरम विद्रोह के वर्षों के बाद 1987 में ही एक राज्य बन गया था, लेकिन अभी भी राज्य ब्रिटिश काल में 1875 में तय की गई सीमा को अपना मानता है।

> देश में करीब दस राज्य ऐसे हैं, जिनमें सीमा को लेकर विवाद जारी है। इनमें पूर्वोत्तर राज्यों में सर्वाधिक फसाद है। राज्यों के विवादों को उकसाने से स्थानीय लोग हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि जिन क्षेत्रों की दावेदारी को लेकर विवाद या हिंसक कार्रवाई हो रही है, उनका कोई विशेष वाणिज्यिक या दूसरा महत्वपूर्ण उपयोग नहीं है, जिससे राज्यों को किसी तरह का भारी नुकसान हो रहा हो। इसके बावजूद राज्यों की सरकारें क्षेत्रवाद के नाम पर उकसावे भरी कार्रवाई से लोगों को हिंसा की तरफ धकेल रही हैं। मेघालय से पहले अक्टूबर के पहले सप्ताह में असम का मिजोरम से विवाद हो गया था। इस विवाद की जड़ झोपड़ी रही। असम पुलिस ने दो अक्टूबर को झोफई इलाके में दो झोपड़ियां बनाईं।

नागरिक बोध

भाजपा संगठन समस्या बनेगा या संबल

गुजरात हिमाचल प्रदेश राज्य के चुनाव पूर्ण हुए। करीब डेढ़ महीने से गुजरात और पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां पसोपेश में थी। कई आरोह अवरोह के बाद चुनाव पूर्ण हुए। आगामी दिनों में दोनों राज्य विधानसभा चुनाव की मतगणना है। हार जीत का निर्णय होगा। गुजरात और हिनाचल प्रदेश का एक्जिट पोल पर अगर भरोसा किया जाता है तो गुजरात मे भगवा लहरा चुका है तो हिमाचल प्रदेश में टक्कर देखी जा सकती है। फिर भी पूरा पिक्चर नतीजे आने के बाद ही होगा। इन दिनों नेताओ को दम मारने की फुर्सत नही थी। अब चुनाव पूर्ण होने के बाद नेता सुकून के पल बिताएंगे। जिन दलों और उम्मीदवारो की जीत हुई है। उनकी हररोज़ दिवाली है। जो हार रहा होगा। उनके चेहरे मुर्झायेंगे। हार जीत का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ा जाएगा। इस वर्ष के बाद आगामी 2023 का चुनाव राजस्थान में है। चुनाव के लिए तैयारी करनी है। उसी कड़ी में 2024 के लोकसभा चुनाव में भी राजनीतिक दल ताकत झोंकने में लगे है। गुजरात मे भाजपा ने ताज की लाज तो रख दी, लेकिन हिमाचल प्रदेश की गणित सटीक नही बैठ रही है। राजस्थान में सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस है तो वहां हर पांच साल बाद सरकार बदलती है। इस बार कांग्रेस और भाजपा दोनों जोर आजमाइश करेंगे। देश की जनता का मिजाज जानना टेडी खीर है। अब राजस्थान में होने वाले चुनाव में अग्नि परीक्षा के छोटे छोटे परीक्षण पार करने है। राजस्थान के चुनाव सिर पर है। राजनीतिक पार्टियों ने अभी से कमर कस ली है। सारी योजना और योजनाओं का फोकस अब राजस्थान पर है। राजस्थान में कांग्रेस संगठन में नाराजगी और भाजपा में संगठन में मनमुटाव असन्तोष की छिटपुट बूंदाबांदी दोनों के माथे पर कभी कभी चिंता की लकीर ले आती है। राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच मनमुटाव है तो राजस्थान में वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री घोषित कर भाजपा चुनाव लड़ना नही चाहती है। अगर, वसुंधरा को पार्टी से दरकिनार कर दिया तो भाजपा को बहुत भारी नुकसान सहन करना पड़ेगा। गुलाबचंद कटारिया दिग्गज नेता मुख्यमंत्री के दावेदार है। उनके नाम पर पहले भी चर्चा हुई थी। कई टर्म से उदयपुर विधायक रह चुके गुलाबचन्द कटारिया का नाम मुख्यमंत्री के पद के लिए उछला था। फिलहाल, पार्टी का पूरा ध्यान राजस्थान के चुनाव पर है। अगर हिमाचल प्रदेश में भाजपा का अच्छा प्रदर्शन नही रहता है और वहां कांग्रेस सरकार बनाती है तो मोदी का मिशन कांग्रेस मुक्त भारत के सपने से पहले जीत की दांव साख पर दिखती दिखाई देगी। गुजरात और हिनाचल में मोदी और अमित शाह ने चुनाव अभियान को बराबर चलाया है। राजस्थान में अमित शाह को सबसे आगे रखने का प्रयोग होगा। अमित शाह राजनीति के चाणक्य कहे जाते है। उनके दूरंदेशी सोच भाजपा को जीत हासिल कराकर ही रहती है। हिमाचल प्रदेश में कमजोर जनादेश भाजपा के लिए चिंता का विषय है। गुजरात मे कमल खिलता है तो महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा के प्रश्नों से ऊपर उठकर जनता ने मोदी पर भरोसा किया है। मंहगाई कोई मायने नही रखती है। एक बार केजरीवाल की रेवड़ी और कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीतियों पर जनता ने एक जोरदार तमाशा जड़ दिया है जिनसे वे गुमराह करने निकल पड़े थे। केजरीवाल की रेवड़ी और कांग्रेस के बदहाल कानून व्यवस्था को जनता से भांप लिया और चुनाव में भारी मतों से भाजपा को जीत का सेहरा पहनाकर सब मंगल मंगल कर दिया है।

अभी दो हफ्ते और लगेंगे नेपाल में नई सरकार बनने में

काठमांडो ।
नेपाल में आम चुनाव के पूरे नतीजे इस हफ्ते आ जाने की संभावना है। उम्मीद है कि अगले हफ्ते के आरंभ में निर्वाचन आयोग चुनाव परिणामों की प्रमाणित कॉपी राष्ट्रपति को सौंपेगा। उसके बाद देश में सरकार बनाने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू होगी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के मुताबिक चूंकि किसी दल को साफ बहुमत नहीं मिला है, इसलिए सरकार गठन की प्रक्रिया लंबी खिंच सकती है।

नेपाल में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा और सात प्रांतों की असेंबलियों के आम चुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को हुआ था। तब आयोग ने कहा था कि पूरे चुनाव नतीजे आठ दिसंबर तक आएंगे। लेकिन कई चुनाव क्षेत्रों में मतदान के दौरान गड़बड़ियों के आरोप लगे और दूसरे किस्म के विवाद उठे। इस कारण प्रतिनिधि सभा की प्रत्यक्ष निर्वाचन वाली तीन सीटों पर अभी भी मतगणना चल रही है। उधर आनुपातिक प्रतिनिधित्व वाली सीटों के आवंटन की प्रक्रिया भी धीमी गति से चल रही है। इसलिए संभव है कि सारे नतीजे आठ दिसंबर तक ना आ पाएं।

वैसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश थपलिया ने सोमवार को उम्मीद जताई कि आयोग अपनी समयसीमा के अंदर मतगणना प्रक्रिया पूरी करने में सफल हो जाएगा। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ जिलों में मतगणना पर उठे विवाद को अभी हल नहीं किया जा सका है। थपलिया ने एक अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा- 'गुरुवार को हम सभी दलों को पत्र लिख कर कहेंगे कि आनुपातिक प्रतिनिधित्व वाली सीटों के लिए अपने प्रतिनिधियों के नाम वे आयोग को तीन दिन के अंदर सौंप दें। उसके बाद हम राष्ट्रपति को अंतिम चुनाव परिणाम भेज देंगे।'

अब तक हुई मतगणना के मुताबिक सात पार्टियों ने आनुपातिक प्रतिनिधित्व के तहत प्रतिनिधि सभा में सीटें हासिल करने की कसौटी पार कर ली है। ये पार्टियां हैं- कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल), नेपाली कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी और जनमत पार्टी। नेपाल में आनुपातिक प्रतिनिधित्व वाली सीटों के आवंटन की जटिल प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसे सेंटे-लेग फॉर्मूला कहा जाता है।

राष्ट्रपति भवन के सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी को आशा है कि निर्वाचन आयोग 12 दिसंबर को चुनाव परिणाम उन्हें सौंपेगा। इन सूत्रों के मुताबिक चुनाव परिणाम मिलने के दो दिन बाद वे राजनीतिक दलों को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी। परंपरा के मुताबिक वे पार्टियों को सरकार बनाने का अपना फॉर्मूला पेश करने के लिए 24 घंटों का वक्त देंगी।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के मुताबिक हालांकि चुनाव परिणाम आने में देर हुई है, इसके बावजूद इस बार रफ्तार 2017 के आम चुनाव की तुलना में काफी तेज है। उस समय निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रपति को चुनाव परिणाम सौंपने में लगभग ढाई महीने लगा दिए थे। तब मतदान सात दिसंबर 2017 को हुआ था, जबकि निर्वाचन आयोग ने 14 फरवरी 2018 को चुनाव परिणाम राष्ट्रपति को सौंपे थे। तब यूएमएल को स्पष्ट बहुमत मिला था, इसलिए एक दिन बाद ही उसके नेता केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला दी गई थी।

न्यूज ब्रीफ

रूसी नेता ने दूसरों को 'नियंत्रित' करने के लिए अमेरिका को फटकार लगाई

मॉस्को। दुनिया को बहु-ध्रुवीय होना चाहिए, लेकिन अमेरिका अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए अन्य देशों के विकास को रोकने का प्रयास करता है, रूसी राज्य ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन ने कहा। वोलोडिन ने सोमवार को मास्को में आयोजित सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन की संसदीय सभा (सीएसटीओ पीए) के 15वें पूर्ण सत्र में कहा, "वोलोडिन ने सोमवार को मास्को में आयोजित सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन की संसदीय सभा (सीएसटीओ पीए) के 15वें पूर्ण सत्र में कहा, दूसरे देशों के पारंपरिक मूल्यों, इतिहास, संस्कृति और धर्म को नष्ट करने के प्रयास में संघर्षों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।" रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी अन्य देशों के आंतरिक मामलों में दखल देने और उनकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के आदी हैं। वोलोडिन, जो सीएसटीओ पीए के अध्यक्ष भी हैं, ने जोर देकर कहा कि चुनौतियों और खतरों के सामने, सीएसटीओ सदस्य राज्यों को सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने, आतंकवाद का मुकाबला करने और पारंपरिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए सामान्य समाधान खोजना चाहिए। 1992 में स्थापित, सीएसटीओ छह पूर्व सोवियत गणराज्यों को यूरेशिया में शांति और स्थिरता की रक्षा के उद्देश्य से समूहित करता है।

पाक में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है गंभीर चुनौती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता देश के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है। क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने संघीय सरकार पर समय पूर्व चुनाव की घोषणा करने के लिए दबाव बनाने के इरादे से दो प्रमुख प्रांतीय विधानसभाओं को भंग करने की घोषणा की थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और देश के सबसे बड़े प्रांत पंजाब में इसका प्रमुख गठबंधन, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री परवेज इलाही कर रहे हैं, जो पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद (पीएमएल-क्यू) के नेता भी हैं, लगातार परामर्श कर रहे हैं। खान की घोषणा को आगे बढ़ाने के लिए एक योजना तैयार करें। जबकि पीएमएल-क्यू नेता ने खुले तौर पर कहा है कि वह खान के फैसले का विरोध नहीं करेंगे और जब उन्हें कहा जाएगा तो 20 मिनट के भीतर पंजाब विधानसभा को भंग कर देंगे। उधर, पूर्व प्रधान मंत्री ने भी सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है और आशा जताई है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जल्द चुनाव कराने के एक सूत्रीय एजेंडे पर बातचीत करेंगे। लेकिन सरकार ने खान की सशर्त बातचीत की मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि पूर्व शर्तों पर कोई बातचीत नहीं हो सकती है। आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह ने खान से बिना किसी पूर्व शर्त के सरकार के साथ वार्ता करने या पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय विधानसभाओं को भंग करने का आह्वान किया।

दक्षिण कोरियाई फिल्में देखने पर छात्रों को सरेआम मारी गोली

उत्तर कोरिया। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग लोगों को दर्दनाक सजा देने के लिए भी जाना जाता है। अब एक रिपोर्ट में दावा किया है कि उत्तर कोरिया में दक्षिण कोरियाई फिल्में देखने के लिए दो किशोरों को मार डाला गया। 16 से 17 साल के बीच की उम्र के दो लड़कों को दक्षिण कोरियाई फिल्में देखने और अपने दोस्तों को शेयर करने के लिए मौत के घाट उतार दिया। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। किम जोंग उन लगातार अपने पड़ोसियों को डराने के लिए परमाणु मिसाइलों का परीक्षण कर रहा है। वहीं इसी तनाव के चलते साल 2020 में उत्तर कोरिया में दक्षिण कोरिया के संगीत और फिल्में देखने और शेयर करने पर बैन लगा दिया है। अगर कोई ऐसा करते हुए पकड़ा जाता है तो उसको कड़ी सजा सुनाई जाती है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण कोरियन फिल्में देखने के आरोप में पकड़े गए दोनों छात्रों को भीड़ के सामने गोली मारकर हत्या की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने किशोर छात्रों को जनता के सामने खड़ा किया फिर उनका परिचय दिया और जुर्म बताया, फिर उन्हें मौत की सजा सुनाई और तुरंत उन्हें गोली मार दी। यह घटना अक्तूबर में हुई थी, लेकिन उनकी हत्याओं के बारे में जानकारी पिछले हफ्ते ही सामने आई। वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया की सरकार ने अपनी जनता को कहा कि जो लोग दक्षिण कोरियाई फिल्में और नाटक देखते हैं या किसी को साझा करते हैं तो ऐसे लोगों को माफ नहीं किया जाएगा और उन्हें अधिकतम दंड-मौत की सजा दी जाएगी।

कोलंबिया में लैंडस्लाइड

8 बच्चों समेत 34 की मौत, 7 साल की बच्ची को मलबे से निकाला

बोगोटा।
साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां रिसाराल्डा प्रांत में एक बस लैंडस्लाइड की चपेट में आ गई। इस हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई। नेशनल यूनिट फॉर डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट के मुताबिक, मरने वालों में 8 बच्चे हैं। मलबे में अभी भी कई लोग दबे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

एक अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश के बाद रिसाराल्डा प्रांत में भूस्खलन हो गया। बस के साथ कुछ अन्य गाड़ियां भी मलबे में दब गईं। बस कैली शहर से चोको प्रांत के कोंडोटो शहर जा रही थी। तभी प्यूब्लो रिको और सांता सेसिलिया के बीच यह हादसा हुआ।

चश्मदीद बोला- मलबा इतनी तेजी से नीचे आया की कोई भाग नहीं पाया

हादसे के दौरान घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने आंखोंदेखी बताई। उसने कहा- पहले एक कार हादसे का शिकार हुई। इसके चलते रास्ता बंद हो गया। पीछे आ रही गाड़ियां रुक गईं। हादसे के बाद एक जीप, बस और मोटरबाइक यहां रुकी हुई थी तभी अचानक से लैंडस्लाइड हुआ। मलबा इतनी तेजी से नीचे आया की कोई भाग नहीं पाया। बस में 2 ड्राइवर थे। कई यात्री भी सवार थे।

7 साल की बच्ची को मलबे से निकाला

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने बताया- इस मुश्किल समय में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। रेस्क्यू टीम के अधिकारी ने बताया कि फिलहाल 9 लोगों को बचाया जा चुका है। इनमें एक 7 साल की बच्ची को मलबे से जिंदा बाहर निकाला। हादसे में उसकी मां की मौत हो गई है।

पापा ने मां और मेरी बहन को भी बाहर निकाला

एक अधिकारी ने कहा- मरने वाले एक शख्स की पहचान गुइलेर्मो इबारगुएन के रूप में हुई है। उनके बेटे ने कहा- हादसे के बाद मैं डर गया था। पापा ने बस से निकलने में मेरी मदद की। उन्होंने मुझसे खिड़की के बाहर कूदने के लिए कहा, जैसे ही मैं बस से बाहर निकाला तो मैंने देखा की चारों तरफ कीचड़ और मिट्टी है। पापा ने मां और मेरी बहन को भी बाहर निकाला, लेकिन वो खुद को बाहर नहीं निकाल पाए।

2022 में हुई 271 लोगों की मौत

कोलंबिया की नेशनल यूनिट फॉर डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट के मुताबिक, 2022 में अब तक 216 लोगों की मौत हुई है। 5 लाख 38 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए।

ब्रिटेन के वित्त क्षेत्र में 68 फीसदी भारतीय समेत जातीय अल्पसंख्यक कर्मचारियों के साथ हो रहा भेदभाव: रिपोर्ट

लंदन।
एक नई रिपोर्ट में पाया गया है कि 10 में से 7, या भारतीयों सहित जातीय अल्पसंख्यक कर्मचारियों के 68 प्रतिशत ने यूके के वित्तीय सेवा उद्योग में भेदभाव का अनुभव किया है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद में भारी योगदान देते हैं।

वित्तीय सेवा क्षेत्र ने 2021 में यूके की अर्थव्यवस्था में 173.6 बिलियन पाउंड लाए, जो देश के कुल आर्थिक उत्पादन के 8.3 प्रतिशत के बराबर है। रिबूट और कोलमैन पार्क्स की 2022 रेस टू इक्वेलिटी इन यूके फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 12 महीनों में उनकी पृष्ठभूमि के आधार पर 82 प्रतिशत लोगों ने अपने संगठन में गलत टिप्पणियों का सामना किया।

लगभग 47 प्रतिशत जातीय अल्पसंख्यक उत्तरदाताओं ने नस्लवाद और भेदभाव पर अपने एचआर के साथ मुद्दों को उठाया, और तीन-चौथाई ने महसूस किया कि एचआर उनके मुद्दों से निपटने में बहुत प्रभावी नहीं था। कुछ 52 प्रतिशत कर्मचारियों ने भेदभाव की सूचना दी, उन्होंने महसूस किया कि वे प्रबंधकों द्वारा अधिक जांच के दायरे में आते हैं और 48 प्रतिशत ने बताया कि बोलने के लिए सहकर्मियों द्वारा अलग तरह से व्यवहार किया जाता है। 49 फीसदी 'भेदभाव' वाले उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें काम से समय निकालना पड़ा, वहीं 56 फीसदी ने कहा कि उन्हें अपने कार्यस्थल पर नकारात्मकता से उबरने में मदद के लिए परामर्श लेना पड़ा।

लगभग 22 प्रतिशत अश्वेत कर्मचारियों ने कार्यस्थल में दौड़ के बारे में बात करने में 'असहज' महसूस किया और 60 प्रतिशत ने कहा कि वे अपने जातीय अल्पसंख्यक सहयोगियों के हिमायती बनना चाहते हैं। डाइवर्सिटी प्रोजेक्ट में रेस एंड एथनिसिटी की सह-प्रमुख डिंपल मिस्त्री ने कहा, मेरी प्रोफेशनल बैकग्राउंड को देखते हुए, सभी एचआर प्रोफेशनल्स को एक साथ आने, खुद को शिक्षित करने और कर्मचारियों को उनसे संपर्क करने के लिए सुरक्षित चैनल बनाने और उठाए जाने वाले मामलों को गंभीरता से लेने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान है।

सर्वे ने वित्तीय सेवाओं में मध्यम से वरिष्ठ स्तर के जातीय अल्पसंख्यक (600) और श्वेत (200) कर्मचारियों के साथ 800 ऑनलाइन साक्षात्कारों की प्रतिक्रियाओं की जांच की।

जातीय अल्पसंख्यक कर्मचारियों के समर्थन में संगठनों को तीन सूत्री योजना प्रदान करते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि नकारात्मक कार्यालय संस्कृतियों को चुनौती दी जानी चाहिए, नेताओं को कार्यभार संभालना चाहिए और ऊपर से कारण का समर्थन करना चाहिए।

मनी एक्सचेंज मार्केट में हुआ जोरदार धमाका

एक ही दिन में दो विस्फोटों से दहला अफगानिस्तान

काबुल।
अफगानिस्तान में एक बार फिर विस्फोट की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि आज यानी मंगलवार दोपहर जलालाबाद शहर के मनी एक्सचेंज मार्केट में जोरदार धमाका हुआ। अफगानिस्तान की टोलो न्यूज के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों ने इसके बारे में सूचना दी है।

इससे पहले, आज ही उत्तरी अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में एक तेल कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रहे वाहन में जोरदार धमाका हो गया था। इस धमाके में कई लोगों की मौत भी हुई है। उत्तरी बल्ख प्रांत के पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद आसिफ वजेरी ने कहा कि आज सुबह करीब 7 बजे बल्ख में एक बस में धमाका हुआ, जो हेयरटन ऑयल के कर्मचारियों की थी।

इससे पहले बीते सप्ताह में अफगानिस्तान के समांगन प्रांत के ऐबक शहर में जाहदिया मदरसे में बम विस्फोट हुआ था। इस धमाके में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 27 लोग घायल हो गए। धमाका दोपहर की नमाज के बाद हुआ था। अफगानिस्तान के एक प्रमुख मीडिया समूह ने

प्रांतीय अस्पताल के डॉक्टर के हवाले से रिपोर्ट दी।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान सत्ता पर काबिज है। इसके बाद से अफगानिस्तान में पूरी तरह से इस्लामी शासन लौट आया है। भले ही सत्ता संभालते ही तालिबान ने महिला अधिकारों और मानवाधिकारों का आश्वासन दिया था, लेकिन यहां आए दिन ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिसमें महिला व मानवाधिकारों का हनन हो रहा है।

तालिबान शासन के बाद से अफगानिस्तान में आतंकी संगठन भी सक्रिय हो गए हैं। बीते एक साल में यहां कई आतंकी घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। ज्यादातर हमलों में मस्जिदों को निशाना बनाया गया है।

राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए सूडान में फ्रेमवर्क डील पर हस्ताक्षर

खार्तूम।
सूडान के सैन्य और नागरिक नेताओं ने राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने और दो साल की माध्यमिक सत्ता स्थापित करने के लिए एक राजनीतिक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सूडानी सशस्त्र बलों के वर्तमान अध्यक्ष और कमांडर-इन-चीफ अब्देल फत्ताह अल-बुरहान और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के कमांडर मोहम्मद हमदान डागालो ने सोमवार को समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस बीच, स्वतंत्रता और परिवर्तन गठबंधन, क्रांतिकारी मोर्चा, अन्य राजनीतिक संगठनों, श्रमिक संघों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने राजनीतिक बलों की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर किए।

समझौता माध्यमिक प्राधिकरण के लिए चार स्तरों को निर्धारित करता है, जिसमें विधान परिषद, संप्रभु परिषद, मंत्रिपरिषद और न्यायिक परिषद और स्वतंत्र आयोग शामिल हैं।

इस सौदे में जिन पार्टियों ने राजनीतिक घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं, उन्हें परामर्श के माध्यम से राज्य के प्रमुख का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक सीमित नागरिक संप्रभु परिषद का चयन करना है।

सौदे के तहत, ये बल एक प्रधानमंत्री का चयन करने के लिए भी बातचीत करेंगे, जो तब कैबिनेट का गठन करेगा।

समझौते ने माध्यमिक अवधि के अंत में एक व्यापक, विश्वसनीय, पारदर्शी और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया को व्यवस्थित करने का भी वचन दिया।

अल-बुरहान ने हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए शपथ ली कि सैन्य प्रतिष्ठान राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर निकलेंगे और आम चुनाव तक पहुंचने तक लोकतांत्रिक परिवर्तन का समर्थन करेंगे।

उन्होंने सूडानी सशस्त्र बलों को एक संवैधानिक संस्था बनाने के लिए सुधार करने की आवश्यकता पर बल दिया जो संविधान के अधीन है और राजनीतिकरण या पक्षपात के बिना तटस्थता बनाए रखता है।

फोर्सेज ऑफ फ्रीडम एंड चेंज एलायंस के प्रतिनिधि अल-वतिक अल-बिरैर ने कहा कि हस्ताक्षरित सौदा एक नागरिक शासन के लिए और शानदार दिसंबर क्रांति के कार्यों को पूरा करने के लिए स्थापित करता है। मसौदा माध्यमिक अवधि के दौरान देश पर शासन करने के लिए एक संवैधानिक ढांचा स्थापित करता है, और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा मामलों को चलाने के लिए नागरिक नेतृत्व वाली सरकार और एक परिषद के गठन का प्रावधान करता है।

25 अक्टूबर, 2021 को अल-बुरहान द्वारा सैन्य तख्तापलट की घोषणा करने और संप्रभु परिषद और सरकार को भंग करने के बाद से सूडान राजनीतिक संकट से जूझ रहा है।

थम नहीं रहा है कि किम जोंग-उन की बेटी को लेकर अटकलों का दौर

सियोल।
उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन की बेटी के बारे में कयासों का बाजार लगातार गर्म है। किम हाल में अपनी बेटी को साथ में लेकर सार्वजनिक रूप से सामने आए थे। तब से अनुमान लगाए जा रहे हैं कि इसके जरिए उन्होंने कुछ खास संदेश दिया है। इनमें यह भी शामिल है कि किम अपनी बेटी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में तैयार कर रहे हैं।

किम अपनी बेटी को लेकर पहली सार्वजनिक रूप से सामने बीते 19 नवंबर को आए। उसी दिन उत्तर कोरिया ने अपनी आधुनिक बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया था। किम अपनी बेटी को मिसाइल दागने की जगह लेकर गए थे और इसकी तस्वीरें मीडिया को जारी की गईं। तब से किम की बेटी की भावी भूमिका को लेकर उत्तर कोरिया के पास-पड़ोस में जोरदार चर्चा चल रही है।

इस मुद्दे पर विश्लेषकों में मतभेद देखने को मिले हैं। कुछ पर्यवेक्षकों ने इस बात पर जोर डाला है कि किम बेटी को लेकर मिसाइल प्रक्षेपण स्थल गए, जहां से ह्वासोंग-17 मिसाइलें दागी गईं। उत्तर कोरिया की सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी के मुखपत्र में छपी तस्वीरों में किम की बेटी उनकी अंगुली पकड़े हुए देखी गई।

उसके बाद दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी- नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (एनआईएस) ने देश की संसद को बताया कि तस्वीरों में दिखी लड़की का नाम किम जू ऐ है, और वह संभवतया उत्तर कोरियाई नेता की दूसरी बेटी है। किम की पत्नी री सोल जू तीन बार मां बनी हैं, इसकी जानकारी उसे है। री ने 2010, 2013 और 2017 में अपनी संतान को जन्म दिया।

लेकिन पहली बार दुनिया ने किम की बेटी की तस्वीर 19 नवंबर को ही देखी। कई पर्यवेक्षकों ने राय जताई है कि

बेटी को सामने लाने का संदेश यह है कि किम उसे अपने उत्तराधिकारी के रूप में तैयार कर रहे हैं। दक्षिण कोरियाई थिंक टैंक सेंटर फॉर नॉर्थ कोरिया स्टडीज के निदेशक चियोंग सियोंग-चांग ने कहा- 'अब जू ऐ को किम के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाना चाहिए। इसीलिए एक महत्त्वपूर्ण स्थल पर किम उसे साथ लेकर आए। उत्तर कोरिया पर दूसरे विश्व युद्ध के बाद से किम परिवार का शासन है। किम अपने पिता किम जोंग-इल की तीसरी संतान हैं। जब तक उनके पिता ने उन्हें अपने उत्तराधिकारी के रूप में पेश नहीं किया, तब उनके बारे में दुनिया को बहुत कम जानकारी थी। किम जोंग-इल पक्षाघात (स्ट्रोक) के कारण 2008 में शारीरिक रूप से अक्षम हो गए। उसके बाद किम जोंग उन ने देश की सत्ता संभाली थी। किम जोंग उन की संतानों के बारे में कोई औपचारिक जानकारी बाकी दुनिया को नहीं है।

लेकिन एनआईएस का मानना है कि किम की पहली संतान बेटा है। कुछ पर्यवेक्षकों की राय है कि उसी बेटे को किम अपने उत्तराधिकारी के रूप में तैयार कर रहे हैं। ही शिक्षा दी जा रही है। दक्षिण कोरिया स्थित उत्तर कोरियाई मामलों के विशेषज्ञ यांग मू-जिन ऐसी राय रखते हैं।

उनके मुताबिक बेटी को साथ लेकर आने का मतलब यह नहीं है कि किम उसे अपने देश का शासक बना देंगे।

इंडोनेशिया में 6.2 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की संभावना नहीं

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत में मंगलवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन सुनामी आने की कोई संभावना नहीं है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान, जलवायु और भूभौतिकीय एजेंसी के अनुसार, भूकंप दोपहर 1.07 बजे आया।

रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र जेम्बर रीजेंसी से 284 किमी दक्षिण-पश्चिम में और समुद्र तल के नीचे 10 किमी की गहराई में स्थित था।

यह गया है कि, भूकंप के झटकों में विशाल तरंगों को पैदा करने की क्षमता नहीं थी।

डीजीपी के आदेशों के बाद एक्शन में पुलिस

शिकायतों का हो रहा जल्द निपटारा

जालंधर (धवन)। पंजाब पुलिस हैल्पलाइन नंबर 112 पर मिलने वाली शिकायतों का रोजाना निवारण करके अपने कर्त्तव्य की पालना करने में जुटी हुई है। पंजाब के डी.जी.पी. गौरव यादव ने जुलाई महीने में अपना पदभार संभालने के बाद सारे पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि हैल्पलाइन नंबर 112 को पूरी तरह से एक्टीवेट किया जाए और वहां मिलने वाली शिकायतों का साथ-साथ निवारण होना चाहिए। डी.जी.पी. के सख्त दिशानिर्देशों को देखते हुए सभी जिलों में 112 नंबर हैल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को कार्रवाई के लिए भेजा जाता है तो उस पर तुरंत अमल होता है। डी.जी.पी. गौरव यादव का मानना है कि इस हैल्पलाइन को बनाने का उद्देश्य जनता को राहत देना है। उन्होंने कहा कि कई बार लोग पुलिस थानों में जाने में असमर्थ होते हैं। ऐसी स्थिति में इन लोगों द्वारा अपनी शिकायतें हैल्पलाइन नंबर 112 पर भेज दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस के उच्चाधिकारियों को कहा गया है कि वे अपनी निगरानी में इन शिकायतों का निवारण करवाएं। उनका कहना है कि वह स्वयं भी इस हैल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों व उनके निवारण पर नजर रख कर चलते हैं।आज भी होशियारपुर से एक व्यक्ति ने हैल्पलाइन 112 पर संपर्क साधा और कहा कि एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है तथा उसमें सवार चालक घायल हो गया है। तब मौके पर एंबुलैंस को बुलाया गया। पुलिस पार्टी भी मौके पर पहुंची तथा उसने घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करवाया तथा उसके बाद घायल व्यक्ति के परिजनों को सूचित किया। पंजाब पुलिस ने भी अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव लाया है और इसमें हैल्पलाइन 112 काफी सहायक सिद्ध हो रही है।

सरकार अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा करने में विफल रही : महबूबा

श्रीनगर (हि.स.)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को भाजपा पर कश्मीरी पंडितों के *दर्द और पीड़ा का फायदा उठाने* का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा करने में विफल रही है। कश्मीर में तैनात कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की एक सूची के लीक होने पर टिप्पणी करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी जानकारी सार्वजनिक की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर दोनों में भाजपा के शासन के बावजूद वह कश्मीरी पंडितों के मुद्दों पर कोई निर्णय नहीं ले रही है, जो पिछले छह महीने से जम्मू में सड़क पर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कश्मीरी पंडितों की रक्षा करने में विफल रही है और वह केवल अपने फायदे के लिए समुदाय के दर्द और पीड़ा का फायदा उठा रही है। वह उनकी समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। मुफ्ती ने कहा कि एक तरफ कश्मीरी पंडितों से काम पर आने को कहा जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ उनकी जानकारियां लीक की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को लोगों को बताना चाहिए कि यह कैसे हुआ। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक आतंकी संगठन से जुड़े एक ब्लॉग ने प्रधानमंत्री के पुनर्वास योजनाओं के तहत 56 कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सूची प्रकाशित की और उन पर हमलों की चेतावनी दी। पुलिस ने कहा कि सूची के प्रसार के पीछे कौन था, इसका पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई है। पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर अपलोड की गई सूची प्रामाणिक नहीं है। इसके पीछे दोषियों को पकड़ने के लिए जांच की जा रही है।

सूचना सहायक के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

जयपुर (हि.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय के निर्देश पर इंटेलिजेंस टीम द्वारा विकसित सूत्र सूचना पर मंगलवार को विभिन्न टीमों द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग योजना भवन जयपुर की सूचना सहायक प्रतिभा कमल के जयपुर शहर में स्थित दो विभिन्न ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय की सूचना सहायक प्रतिभा कमल के विरूद्ध शिकायत का सत्यापन कर आय से अधिक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का मामला प्रकरण दर्ज किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में ब्यूरो की एसयू द्वितीय एवं इन्टेलिजेंस यूनिट के सहयोग से विभिन्न टीमो का गठन मंगलवार अलसुबह उनके दो विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की गई है। एसीबी की प्राथमिक आकलन एवं अब तक मिले दस्तावेजों के अनुसार सूचना सहायक प्रतिभा कमल द्वारा लगभग 6 करोड 5 लाख की परिसम्पत्तियां अर्जित करने का अनुमान समने आया है, जो उनकी वैध आय से करीब 1 हजार 300 प्रतिशत अधिक है। आरोपित सूचना सहायक प्रतिभा कमल द्वारा अपनी अवैध आय को जयपुर में आवासीय/व्यावसायिक/भूखंडों/फ्लैटों एवं म्यूचुअल फंड, इंश्योरेंस आदि में निवेश करना ज्ञात हुआ है। आरोपित सूचना सहायक के जयपुर स्थित मकान से 22 लाख 90 हजार रुपये से अधिक की नगदी, 1.3 किलोग्राम सोने के आभूषण, 2 किलो चांदी, चार लग्जरी वाहन बीएमडब्ल्यू कार, बीएमडब्ल्यू मोटरसाइकिल सहित काफी मात्रा में चल-अचल सम्पत्ति के दस्तावेज मिले हैं। इसके अतिरिक्त आरोपित सूचना सहायक प्रतिभा कमल एवं उसके परिजनों के नाम 11 बैंक खाते, 12 से अधिक बीमा पॉलिसियों, एक ऑफिसर, एक फ्लैट, 7 दुकानों एवं 13 आवासीय/व्यावसायिक भूखंडों के दस्तावेज भी बरामद हुए है। इसके साथ आरोपित के निजी ऑफिस से कई दर्जन महंगे लैपटॉप एवं डेस्कटॉप भी मिले है।

स्कॉलरशिप घोटाले में चंडीगढ़ पुलिस रद्द करेगी एफआईआर

चंडीगढ़(हि.स.)। हरियाणा में हुए पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप घोटाले के व्हिसल ब्लोअर रहे आईएएस संजीव वर्मा ने कहा है कि अगर एफआईआर रद्द की जाती है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। चंडीगढ़ जिला अदालत में उन्होंने कहा कि पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। वर्मा ने पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप देने में 3,53,10,500 रुपए का घपला होने का संदेह जताया था। मार्च, 2019 में यह घपला सामने आया था। कोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। संजीव वर्मा मौजूदा समय में रोहतक में मंडल आयुक्त हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने मामले में इसी वर्ष बीते सितंबर में कैंसलेशन रिपोर्ट दायर की थी। वेलफेयर ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट्स एंड बैकवर्ड क्लासिज विभाग के डायरेक्टर रहते हुए संजीव वर्मा की शिकायत पर चंडीगढ़ पुलिस ने 13 मई, 2019 को धोखाधड़ी, जालसाजी समेत भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धाराओं में यह केस दर्ज किया था। चंडीगढ़ पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा को शिकायत दी गई थी। हरियाणा के दो आईएएस अधिकारियों अशोक खेमका के साथ संजीव वर्मा का विवाद काफी चर्चा में रहा था। चंडीगढ़ पुलिस ने कहा था कि मामले में हरियाणा का विजिलेंस विभाग रोहतक में एफआईआर दर्ज कर पहले ही केस की जांच कर रहा है। ऐसे में चंडीगढ़ पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए। इसके लिए क्लोजर रिपोर्ट पेश की गई थी।

जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद दुनिया की नजर भारत पर : मुक्तेश

उदयपुर (हि. स.)। अभी दुनिया की नजर भारत पर है। जी-20 की अध्यक्षता भारत को मिलने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में देश भारत के विजन को देखना चाहते हैं। यह कहना है जी-20 ऑपरेशन हेड मुक्तेश के परदेसी का। न्यूजीलैंड और मेक्सिको में भारत के राजदूत रहे परदेसी ने कहा कि जी-20 ऐसे समय हो रहा है जब दुनिया हमारी तरफ देख रही है। उन्होंने कहा कि कोविड के समय न्यूजीलैंड का हॉस्पिटिलिटी सेक्टर बुरी तरह चरमरा गया था। वैक्सीन के लिए दुनिया हमारी तरफ देख रही थी। न्यूजीलैंड में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम नहीं है, राजदूत रहते समय मुझे लोग पूछते थे कि भारत में ये कैसे संभव हो पाता है। ऐसे में जी-20 देशों को भारत से बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 देशों के अलग-अलग ग्रुप की भारत में 200 से ज्यादा बैठकें होंगी। 13 से 16 दिसंबर को डेवलपमेंट वर्किंग ग्रुप की मीटिंग मुंबई में और फाइनेंस ग्रुप की बेंगलुरु में 16 से 18 दिसंबर तक होगी। इसके अलावा राजस्थान ऐसा प्रदेश होगा, जहां तीन बड़े शहरों उदयपुर के बाद जोधपुर व जयपुर में भी इनके अलग-अलग ग्रुप की बैठक होगी। मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने बताया कि सितंबर 2023 में भारत की अध्यक्षता में दिल्ली में जी-20 देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक होगी। इस बैठक से पहले देश के हर राज्य में विभिन्न वर्किंग ग्रुप की बैठकें चलेंगी। इनका मुख्य उद्देश्य देश की नीति के साथ प्रदेश की संस्कृति को भी बढ़ावा देना है। जी-20 के ऑपरेशन हेड परदेसी ने उदयपुर सुभाष नगर स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र का दौरा किया। वहां अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात कर काम का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि उदयपुर को पासपोर्ट सेवा केंद्र की सौगात में उनकी भी भूमिका रही थी। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी होती है कि वे यहां के लोगों के लिए कुछ कर पाए। परदेसी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना है। हमारी प्राथमिकता वीमन डेवलपमेंट, डिजिटल वर्किंग और मजबूत इकोनॉमी है। यूथ को विकास की सीढ़ी में जोड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वाय-20 और स्टार्टअप-20 दो विजन जी-20 में शामिल हैं। इनके अंतर्गत यूथ को जोड़ना और स्टार्टअप्स पर आपस में चर्चा करके इस क्षेत्र को विकसित करना जी-20 के लक्ष्यों में शामिल है। विभिन्न विश्वविद्यालयों को इसके लिए छात्रों का चयन कर उनसे विभिन्न विषयों पर विजन मांगा गया है।

बीएसएफ ने बरामद की 17 करोड़ की हेरोइन

चंडीगढ़(हि.स.)। पाकिस्तान ने एक बार फिर से पंजाब में ड्रोन घुसपैठ की है। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से आया ड्रोन बीएसएफ की फायरिंग के बाद लौट गया। उसके बाद वहां सर्च के दौरान एक खेत से बीएसएफ ने हेरोइन का एक बड़ा पैकेट बरामद किया। हेरोइन की कीमत करीब 17 करोड़ रुपए बताई गई है। बीएसएफ के अनुसार बीती रात तरनतारन के गांव कालिया में बीएसएफ को गश्त के दौरान ड्रोन की गतिविधि दिखाई दी। उसके बाद बीएसएफ ने फायरिंग शुरू कर दी। आला अधिकारियों के निर्देश पर बीएसएफ ने रात के समय ही सर्च आपरेशन चलाया। सर्च के दौरान कालिया गांव के खेत में एक पीला पैकेट मिला, जिस पर रस्सी का हुक बनाया गया था, ताकि ड्रोन से उसे फेंकने में आसानी हो।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर पूर्व सैनिकों ने निकाली साइकिल रैली

अलवर (हि.स.)। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर मंगलवार सुबह पूर्व सैनिकों ने शहर में साइकिल रैली निकाली। रैली को जिला प्रमुख बलबीर सिंह और विधायक जौहरीलाल मीणा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जिलाप्रमुख ने बताया कि इसका उद्देश्य पर्यावरण को बचाना और स्वास्थ्य को ठीक रखना है। ताकी आने वालो नस्ल भी ठीक हो साथ ही युवा पीढ़ी भी इससे स्वस्थ रहने व पर्यावरण को बचाने के लिए संकल्पबद्ध रहे। रैली सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर से रवाना होकर नंगली सर्किल, एसएमडी सर्किल, ज्योतिराव फूले सर्किल, मन्नी का बड, होप सर्कस, घंटाघर, भगतसिंह सर्किल होते हुए वापस सैनिक कल्याण कार्यालय पहुंची। जहां रैली का समापन हुआ। इस दौरान जिला सैनिक कल्याण बोर्ड अधिकारी सहित अनेक भूतपूर्व सैनिक मौजूद रहे।

ड्राइवर ने पर्यटक को 10 लाख का सोना लौटाया

पहलगाम (हि.स.)। ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के अंतर्गत पड़ते पहलगाम इलाके में एक ड्राइवर ने मंगलवार को हैदराबाद के एक पर्यटक को 10 लाख रुपए का सोना लौटा दिया। टैक्सी स्टैंड मोवर पहलगाम के अध्यक्ष अब्दुल रशीद वानी ने बताया कि टवेरा ड्राइवर आकाश फारूक वानी ने हैदराबाद के एक पर्यटक को 10 लाख रुपए का सोना लौटाया। उन्होंने कहा कि पर्यटक ने पहले ही स्टैंड को सूचित कर दिया था कि वह वाहन में सोना भूल गया है। उन्होंने कहा कि जब हमने ड्राइवर को सूचित किया तो उसने अपने वाहन की तलाशी ली और सोना पाया जिसके बाद उसे पर्यटक को लौटा दिया गया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का पर्यटक श्रीनगर हवाईअड्डे से सोना लेने आया था।

मुख्यमंत्री ममता ने की अजमेर दरगाह पर जियारत, चादर पेश की

अजमेर (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर जियारत की। वे यहां काफी देर रुकी और ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश कर अकीदत के फूल चढ़ाए। उन्होंने पश्चिम बंगाल में सत्ता वापसी के लिए शुकराना अदा किया और कहा कि उन्हें यहां आने की बहुत इच्छा थी, हाजिरी लग गई है तो सुकून मिला। दरगाह के खादिम मुकद्दस मोईनी, सैय्यद हिमायत मोईनी सैय्यद फरमान मोईनी ने उन्हें जियारत कराई और तबर्रुक भेंट किया। इस अवसर पर उन्हें दरगाह की तस्वीर भेंट की गई। ममता बनर्जी दरगाह में जियारत के दौरान काफी खुश नजर आईं। उन्होंने खादिमों से बातचीत में इसका इजहार भी किया। इस मौके पर बनर्जी ने बताया कि उन्होंने मुल्क में अमन चैन के लिए दुआ की है और पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने के लिए शुक्रिया किया है। चुनाव के दौरान उन्होंने मन्नत की थी। वह पूरी होने के बाद से ही यहां आना चाहती थीं। ममता बनर्जी ने दरगाह में देग पकाने की ख्वाहिश भी रखी। खादिम मुकद्दस मोईनी ने बताया कि ममता बनर्जी ने मन्नत का धागा बांधा। उन्होंने उन्हें चुनरी ओढ़ाई व प्रसाद दिया। उन्होंने बताया कि जब पूर्व में ममता बनर्जी अजमेर दरगाह शरीफ आईं थीं तो यहां उन्होंने मन्नत का धागा बांधा था, इसके बाद उन्हें रेलवे मिनिस्ट्री मिली थी। इस बार उन्होंने फिर से आस्ताने में ही मन्नत का धागा बांधा है। किस लिए बांधा यह उन्होंने नहीं बताया। ममता बनर्जी ने यहां खादिमों की संस्था अंजुमन के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें अपने साथ लाई शॉल भेंट की। दरगाह से लौटते हुए वे कमानीगेट के निकट स्थित दीवान साहब की हवेली गईं, जहां दरगाह दीवान जैनुअल आबेदीन और उनके पुत्र नसीरुद्दीन से मुलाकात की। यहां उन्होंने कुछ समय बिताया और उन्हें शॉल भेंट की।

विधानसभा चुनाव के मुकाबले उपचुनाव में कम हुआ सरदारशहर में मतदान

जयपुर (हि.स.)। कांग्रेस के दिवंगत विधायक भंवर लाल शर्मा के निधन से रिक्त हुई सरदार शहर सीट पर मंगलवार को मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। शाम 5 बजे तक 69.99 फीसदी मतदान हुआ था लेकिन उसके बाद देर रात निर्वाचन विभाग ने मतदान का फाइनल आंकड़ा जारी किया और 72.9 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड हुआ। विधानसभा चुनाव के मुकाबले में उपचुनाव में मतदान कम हुआ है। उप चुनाव के मतदान के साथ ही अब प्रत्याशियों का भविष्य में भी ईवीएम में कैद हो गया है। साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान सरदारशहर में 77.93 फीसदी मतदान हुआ था। ऐसे में उपचुनाव में विधानसभा चुनाव की तुलना में करीब 5 फीसदी मतदान कम हुआ है, लेकिन राजनीतिक प्रेक्षक फिर भी विधानसभा उपचुनाव में हुए मतदान को अच्छा मान रहे हैं। इससे पहले वल्लभनगर, धरियावद, राजसमंद, सहाड़ा में भी करीब 70 फीसदी मतदान हुआ था। सरदारशहर चुनाव में 72 फीसदी मतदान होने पर सत्तारूढ़ कांग्रेस, प्रमुख विपक्षी दल बीजेपी और अन्य क्षेत्रीय दल अपने-अपने हिसाब से मतदान का आंकलन करने में जुटे हुए हैं और मतदान को अपने अपने पक्ष में बता रहे हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस के प्रत्याशी अनिल शर्मा जहां सरदार शहर सीट पर हुए मतदान को अपने पक्ष में बताते हुए जीत के दावे कर रहे हैं तो वहीं भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार पिंचा भी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद हनुमान बेनीवाल भी सरदारशहर उपचुनाव में मतदान के बाद अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। चुनाव परिणाम 8 दिसंबर को जारी होगा और उसके बाद ही साफ हो पाएगा कि सरदारशहर उपचुनाव में जीत का ताज किसके सिर सजेगा। गौरतलब है कि कांग्रेस के दिवंगत विधायक भंवरलाल शर्मा यहां से छह बार विधायक रहे हैं। ऐसे में सरदार शहर को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है, भाजपा को लगातार यहां पर दो बार से हार का सामना करना पड़ रहा है।

लोहगढ़ व आदिबद्री को पर्यटन स्थल के रूप में किया जा रहा विकसित : मनोहर लाल

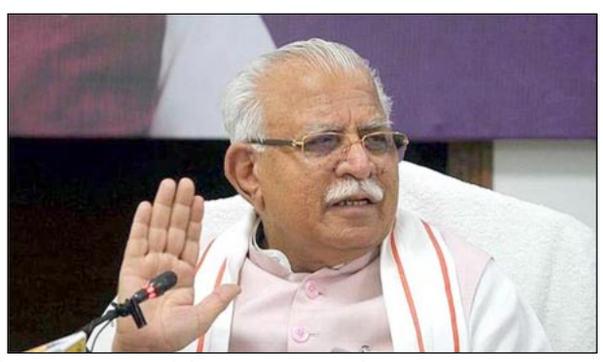

चंडीगढ़ (हि.स.)। इतिहास में सुनहरे पन्नों में दर्ज बाबा बंदा सिंह बहादुर के शौर्य और बलिदान की गाथा को पुनर्जीवित करने के लिए हरियाणा सरकार भरसक प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को यमुनानगर के लोहगढ़ में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में बनाए जा रहे संग्रहालय व थीम पार्क के डिजाइन को अत्याधुनिक तरीके से तैयार करने के निर्देश दिए हैं। पहले चरण में किला, मुख्य गेट तथा चारदीवारी का कार्य किया जाएगा। वे लोहगढ़ में स्थापित किए जाने वाले संग्रहालय व थीम पार्क को लेकर मंगलवार को बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में पर्यटन और कला एवं सांस्कृतिक मामले मंत्री कंवर पाल तथा सांसद संजय भाटिया भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि महान बाबा बंदा सिंह बहादुर की राजधानी लोहगढ़ को ऐतिहासिक व पर्यटन की दृष्टि से विकसित करना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय में बाबा बंदा सिंह बहादुर के जन्म से लेकर अंतिम दौर तक संपूर्ण जीवन का सार दिखाया जाना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी इस गौरवशाली इतिहास को जान कर उनके जीवन से प्रेरित हो सके। उन्होंने कहा कि संग्रहालय के अलावा एक शहीदी स्मारक भी बनाया जाना चाहिए, जो बाबा बंदा सिंह बहादुर के साथ शहीद हुए अनेक सैनिकों को समर्पित होगा। लोहगढ़ में बनने वाले इस संग्रहालय में बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन के इतिहास के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों के समावेश से आगंतुकों को एक नई दुनिया का आभास होगा। इस संग्रहालय में थ्री-डी प्रोजेक्शनन, अस्त्र-शस्त्रों, पोशाकों के प्रदर्शन के अलावा विशालकाय इन्सटॉलेशन भी लगाए जाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन की कहानियों को ऑगमेंटेड रियलिटी के माध्यम से दिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा बाबा बंदा सिंह बहादुर की कर्मभूमि रही है। श्री गुरु नानक देव जी ने बाबा बंदा सिंह बहादुर को प्रेरणा दी कि संत की बजाय सिपाही की तरह कार्य करो। बाबा बंदा सिंह बहादुर समाज के लिए तो संत थे लेकिन समाज के दुश्मनों के लिए एक सिपाही थे। उन्होंने हथियार उठाए, देश की रक्षा की और सबसे पहले सिख राज्य की स्थापना करके लोहगढ़ में राजधानी बनाई। समाज की भलाई के लिए उन्होंने अनेक काम किए।

सरकारी सहायता प्राप्त कालेजों में अध्यापकों की नियुक्तियों पर रोक

चंडीगढ़ (हि.स.)। हरियाणा सरकार ने सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों में टीचर और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है। उच्च शिक्षा विभाग ने इस बारे में निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसमें शिक्षकों और उससे जुड़े पदों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता के संशोधन का हवाला दिया गया है। हरियाणा फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटी एंड कॉलेज टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष विकास सिवाच के अनुसार पीएचडी की अनिवार्यता आवश्यकता से लोगों को बैक-डेटेड प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अनुचित साधन अपनाने को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही 65 वर्ष से अधिक आयु के रिइम्प्लॉयमेंट से युवाओं को परेशानी होगी। कालेजों में प्रिंसिपल और प्रोफेसर के रूप में भर्ती होने के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यता को संशोधित किया गया है।

No. DIG/NIT/ 2927

RE-TENDER NOTICE

* Re-Tenders are invited online through e-procurement system i.e. through the website www.assamtenders.gov.in. For the following works.

The Tender is Two-Bid System, to be submitted with affixing Court Fee Stamp of worth **Rs.8.25/-(Rupees Eight and paisa Twenty Five)** only. The Tender Fee and EMD are to be paid through online in the portal i.e. www.assamtenders.gov.in.

Important Particulars

Sl. No.	*Name of the work*	*Place of Work*	*Total work value inclusive of all taxes as applicable*	*Earnest money Deposit*	*Time of completion*
1	Construction of New Roads (15 km)	Premier to Agbondha under Dihing Patkai National Park	45,00,000/-	2% for GEN, 1% for OBC/ ST/SC of all the estimated cost	4 months from the date of issue of work order
2	Construction of Culverts (20 nos.)	Dihing Patkai National Park	60,00,000/-		

Note

1) The Contractors / Bidders must be registered with www.assamtenders.gov.in for participating in the bidding process. The Bidding document may be downloaded through the portal assamtenders.gov.in by using their own user ID.

2) Information regarding the sites, nature of work, etc. can be collected from the Divisional Forest Office during office hours on all working days. Bidders are specifically requested to inspect the field and study the working conditions before submitting offer. The concerned Range Officer may be contacted for any assistance in field inspection. The right to participate in the tender is restricted to registered Contractors of Assam Forest Department. Bidders are advised to ensure their eligibility before quoting. Tenders submitted by ineligible bidders shall not be considered and the same shall be summarily rejected.

Divisional Forest Officer,
Digboi Division, Digboi

-- Janasanyog /C/15449/22

रुपये में आई महज 10प्रतिशत की गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के संकेत, विश्व बैंक ने सराहा

नई दिल्ली।
विश्व बैंक के वरिष्ठ अर्थशास्त्री ध्रुव शर्मा ने कहा है कि रुपये में इस वर्ष अब तक महज 10प्रतिशत की गिरावट आई है। दूसरे उभरते बाजारों की तुलना में रुपया में तुलनात्मक रूप से मजबूत बना हुआ है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत लचीलापन आया है। बीते वर्षों में जो कदम उठाए गए हैं, उनसे वैश्विक संकटों के समय में चुनौतियों से निपटने में मदद मिली है। भारत ने कोरोना के दौरान उभरी चुनौतियों को प्रभावशाली तरीके से निपटा है। कोरोना के दौरान हुए नुकसान की भरपाई घरेलू स्तर पर बड़े पैमाने पर मांग बढ़ने से हो पाई है। शर्मा ने ये बातें मंगलवार को विश्व बैंक की ओर से भारतीय जीडीपी के अनुमान को संशोधित कर 6.9 प्रतिशत करने के बाद आया है। शर्मा ने ये बातें विश्व बैंक के इंडिया डेवललपमेंट अपडेड जुड़े कार्यक्रम जिसका नाम नेविगेटिंग द स्टॉर्म है की लॉन्चिंग के बाद हुई एक प्रेसवार्ता के दौरान कही है। विश्व बैंक के वरिष्ठ अर्थशास्त्री ध्रुव शर्मा ने कहा है कि हालांकि, मुद्रास्फीति आरबीआई की सीमा से थोड़ी अधिक है।

हमें उम्मीद है कि अगले साल तक मुद्रास्फीति कम हो जाएगी और यह आरबीआई के 2-6प्रतिशत के दायरे में आ जाएगी। हम अगले वित्त वर्ष में इसके 5.1प्रतिशत तक रहने की उम्मीद करते हैं। वहीं दूसरी ओर, विश्व बैंक के एक अन्य अर्थशास्त्री अगस्ते तानो काउमे ने कहा है कि भारत बहुत महत्वाकांक्षी है। सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लचीला बनाने के लिए कई जरूरी कदम उठाए हैं। सरकार की ओर से अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि भारतीय मुद्रा में इस वर्ष बड़ी गिरावट दिखी है। फिलहाल यह डॉलर के मुकाबले 82 रुपये के लेवल पर कारोबार कर रहा है। अक्तूबर महीने के मध्य में यह अपने निम्नतम स्तर 83 रुपये के पार पहुंच गया है।

न्यूज ब्रीफ

कंपनियों में छंटनी का दौर जारी, अब पेप्सिको बना रही सैकड़ों कर्मचारियों को बर्खास्त करने की योजना

नई दिल्ली । ट्विटर, अमेजन, फेसबुक के बाद अब पेप्सिको कंपनी भी कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रही है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार पेप्सिको इंक अपने न्यूयॉर्क हेड ऑफिस के स्नैक और बेवरेज इकाइयों से जुड़े 100 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी ने यह निर्णय संगठन को सरल बनाने के इरादे से किया है। हालांकि, पेप्सिको के प्रवक्ता ने छंटनी को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। जर्नल के अनुसार कर्मचारियों को भेजे गए एक मेमो में, पेप्सिको ने कर्मचारियों से कहा कि छंटनी का उद्देश्य संगठन को सरल बनाना है ताकि हम अधिक कुशलता से काम कर सकें। वहीं लोगों ने कहा कि पेय व्यवसाय में कटौती भारी होगी क्योंकि स्नैक्स यूनिट ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम के साथ पहले से ही छंटनी की है। अनिश्चित आर्थिक वातावरण और मुद्रास्फीति की दृढ़ता ने विभिन्न प्रकार के उद्योगों में कंपनियों को परेशान कर दिया है और उन्हें लागत पर कटौती करने के लिए प्रेरित किया है। नेशनल पब्लिक रेडियो हायरिंग को प्रतिबंधित कर रहा है और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी इंक का सीएनएन नौकरियों में कटौती कर रहा है, जैसा कि कई अन्य मीडिया दिग्गज हैं।

नवंबर में 27 फीसदी बढ़ीं भर्तियां, बीमा क्षेत्र सबसे आगे, दिल्ली-एनसीआर में 20 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली। देश का रोजगार बाजार नवंबर में त्योहारी सीजन के पूर्व स्तर पर पहुंच गया है। मासिक आधार पर 27 फीसदी और सालाना आधार पर 43 फीसदी की तेजी दर्ज की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष की पहली छमाही के उछाल के समय की तुलना में मिश्रित रुझान का पता चलता है। इसमें भर्ती गतिविधियों में उच्च वृद्धि देखी गई थी। बीमा क्षेत्र में 42 फीसदी की मजबूत वृद्धि देखी गई। बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्रों में क्रमशः 34 फीसदी और 31 फीसदी की बढ़त रही ।तेल क्षेत्र में 24 फीसदी का उछाल आया है। यात्रा-हॉस्पिटैलिटी और वाहन क्षेत्रों में 20 फीसदी और 14 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। पहली छमाही में मासिक औसत की तुलना में आईटी में भर्ती में 8 फीसदी की गिरावट आई है। एड-टेक और खुदरा क्षेत्र में मंदी के साथ शिक्षा क्षेत्र में 6 फीसदी की गिरावट आई है। खुदरा में 7 फीसदी की गिरावट आई है। फार्मा, बीपीओ व टेलीकॉम में भर्ती गतिविधियां सुस्त रही हैं। गैर-महानगरों में अहमदाबाद में 33 फीसदी की वृद्धि रहीं। वडोदरा में 23 फीसदी, जयपुर में 15 फीसदी व कोयम्बटूर में 8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। अनुभवी पेशेवरों की मांग बढ़ी है। वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों की मांग में 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पहली छमाही के मासिक औसत की तुलना में दिल्ली-एनसीआर में नई नौकरियों में सबसे ज्यादा 20 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में विकास दर क्रमशः 17 फीसदी, 10 फीसदी और 8 फीसदी थी। हैदराबाद और बंगलूरू में एक और पांच फीसदी की गिरावट रही जबकि पुणे में 5 फीसदी की बढ़त रहीं। कोच्चि और चंडीगढ़ में स्थिरता रही।

जल्द मिलेगी पेपरलेस होम लोन की सुविधा, आईटी मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली । जल्द ही आपको होम लोन के लिए ढेर सारे कागजातों से छुटकारा मिल सकता है। बैंक इसके लिए ऑनलाइन लोन देने की योजना पर काम कर रहे हैं। वे आपके तमाम डेटा और क्रेडिट संबंधी प्रोफाइल को रिकॉर्ड में रखकर लोन की मंजूरी दे देंगे। यह पूरी तरह से एक डीमैट प्रक्रिया के तहत होगा। बैंक ऐसी तकनीक का भी उपयोग कर रहे हैं जो सोशल मीडिया सहित अन्य डाटा को इकट्ठा कर ले और उसे बैंक के पास भेज दे। इससे बैंक को ग्राहकों की क्रेडिट प्रोफाइल बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हाल ही में कई नए प्रकार के अनुबंधों को डिजिटाइज़ करने के लिए जोर दिया है।

38.3 लाख करोड़ के डिजिटल लेनदेन में यूपीआई का सर्वाधिक 84प्रतिशत हिस्सा, 358 बैंक दे रहे हैं सुविधा

नई दिल्ली।
डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की सरकार की कोशिशों की वजह से ऑनलाइन लेनदेन में तेजी आई है। कैलेंडर वर्ष 2022 की तीसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर के दौरान देश में 38.32 लाख करोड़ रुपये के 23.06 अरब डिजिटल लेनदेन हुए। इसमें यूपीआई लेनदेन सर्वाधिक 84 फीसदी रहा ।डिजिटल लेनदेन में यूपीआई, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, मोबाइल वॉलेट जैसे प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट और प्रीपेड कार्ड से हुए लेनदेन भी शामिल हैं।

वर्ल्डलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक, तीसरी तिमाही में 32.5 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई आधारित 19.65 अरब से ज्यादा लेनदेन हुए। 2021 की जुलाई-सितंबर से तुलना करें तो यूपीआई लेनदेन संख्या के लिहाज से इस बार 88 फीसदी और मूल्य के लिहाज से 71 फीसदी ज्यादा हुआ। कुल डिजिटल लेनदेन में यूपीआई पर्सन-2-मर्चेंट (पी2एम) व पर्सन-2-पर्सन (पी2पी) के जरिये उपभोक्ताओं ने सबसे ज्यादा 42 फीसदी लेनदेन किए।

यूपीआई : 358 बैंक दे रहे हैं सुविधा

सितंबर तक यूपीआई लेनदेन की सुविधा देने वाले बैंकों की संख्या 358 रही। जिन पांच बैंकों से सबसे ज्यादा भुगतान हुआ, उनमें एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

जिन पांच बैंकों को सबसे ज्यादा भुगतान हुआ, उनमें पेटीएम पेमेंट्स बैंक, यस बैंक, एसबीआई, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

यूपीआई लेनदेन के लिए उपभोक्ताओं ने जिन तीन एप का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया, उनमें फोनपे, गूगल पे, पेटीएम पेमेंट्स बैंक एप शामिल हैं।

क्रेडिट और डेबिट कार्ड 1.01 अरब सर्कुलेशन में

जुलाई-सितंबर अवधि तक 1.01 अरब क्रेडिट-डेबिट कार्ड सर्कुलेशन में हैं। इस दौरान क्रेडिट कार्ड की संख्या सालाना आधार पर 19 फीसदी बढ़कर 7.77 करोड़ पहुंच गई। डेबिट कार्ड की संख्या 92.03 करोड़ से 2 फीसदी बढ़कर 93.85 करोड़ पहुंच गई।

कुल लेनदेन में क्रेडिट-डेबिट कार्ड की हिस्सेदारी संख्या के लिहाज से 7 फीसदी और मूल्य के हिसाब से 14 फीसदी रही।

जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान क्रेडिट कार्ड से 3.5 लाख करोड़ रुपये के 7.25 करोड़ लेनदेन हुए।

डेबिट कार्ड से 90.7 करोड़ लेनदेन में 1.88 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए।

फास्टैग : सितंबर तक 5.88 करोड़ जारी

सितंबर, 2022 तक 36 बैंकों से 5.88 करोड़ एनईटीसी फास्टैग जारी किए गए हैं।

मोबाइल वॉलेट

तीसरी तिमाही में 551.8 अरब डॉलर के 1.44 अरब लेनदेन हुए। संख्या के लिहाज से सालाना आधार पर यह 19 फीसदी बढ़ा है, जबकि मूल्य के हिसाब से 9 फीसदी घटा है।

आधार आधारित भुगतान सेवा

इसके जरिये 840.5 अरब रुपये के 65.1 करोड़ लेनदेन हुए। संख्या और मूल्य के लिहाज से वृद्धि 13-13 फीसदी रही।

न्यूरालिंक के ह्यूमन ट्रायल में हो सकती है देरी

पशु-कल्याण उल्लंघनों को लेकर जांच के दायरे में कंपनी, टेस्ट के लिए 1,500 जानवरों को मारा गया

वॉशिंगटन।
एलन मस्क की मेडिकल डिवाइस कंपनी न्यूरालिंक पशु-कल्याण उल्लंघनों को लेकर अमेरिकी सरकार की जांच के दायरे में आ गई है। इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। 20 से ज्यादा वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों ने रॉयटर्स को बताया है कि इसका पशु परीक्षण जल्दबाजी में किया जा रहा है, जिससे अनावश्यक पीड़ा और मौतें हो रही हैं।

बीते दिनों एलन मस्क ने अपने इस डिवाइस की प्रोगेस रिपोर्ट एक इवेंट में बताई थी। उन्होंने कहा था कि उनके ब्रेन चिप इंटरफेस स्टार्टअप का डेवलप वायरलेस डिवाइस 6 महीने में ह्यूमन ट्रायल के लिए तैयार हो जाएगा। इसके लिए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को पेपर जमा कर दिए गए हैं। मस्क ने 6 साल पहले ब्रेन कंट्रोल इंटरफेसेस स्टार्टअप की स्थापना की थी।

1,500 से ज्यादा जानवरों को मारा गया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2018 के बाद से प्रयोगों के कारण 280 से ज्यादा भेड़, सूअर और बंदरों सहित लगभग 1,500 जानवरों को मारा जा चुका है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि यह आंकड़ा एक मोटा अनुमान है क्योंकि कंपनी यह रिकॉर्ड नहीं रखती है कि कितने जानवरों पर टेस्ट किया गया और कितनों को मार दिया गया।

कर्मचारियों पर टेस्ट का दबाव

इसके अलावा, कर्मचारियों ने ये भी दावा किया कि मस्क उन पर पशु परीक्षण में तेजी लाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। इस कारण कई प्रयोग असफल हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयोग पूरा होने के बाद जानवरों को आम तौर पर मार दिया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे उन्हें रिसर्च पर्पज के लिए पोस्ट-मॉर्टम की जांच करने में मदद मिलती है।

पशु-कल्याण उल्लंघनों की बात सामने आने के बाद अब ह्यूमन ट्रायल में देरी हो सकती है।

अपनी जीडीपी का दायरा तोड़कर ज्यादा कर्ज ले रहे राज्यः आंध्र-डच् समेत 4 राज्यों ने 2 साल में लिया 47 हजार करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली।

पानी मुफ्त, बिजली मुफ्त, राशन मुफ्त... फेहरिश्त लंबी है। चुनावी रेवड़ियां बांटते-बांटते राज्य सरकारें खोखली हो रही हैं। खर्चों के लिए अपनी संपत्तियों को गिरवी रख रही हैं। पिछले दो साल में ही चार राज्यों आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और मध्यप्रदेश ने 47,100 करोड़ रु. का कर्ज संपत्तियां गिरवी रखकर लिया है। केंद्रीय वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने राज्यों के मुख्य सचिवों को आगाह किया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, मार्च 2022 तक 4 राज्यों ने वित्तीय संस्थानों के पास कई संपत्तियों को गिरवी रखा है।

कर्ज लेने का जिक्र बजट में नहीं, इसलिए लोग नहीं जान पाते

वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि राज्य अपनी जीडीपी का 3.5प्रतिशत कर्ज ही बाजार से ले सकते हैं। इसका ब्योरा बजट में होता है। लेकिन, मुफ्त की सुविधाएं देने के लिए राज्य सरकारें और ज्यादा कर्ज ले लेती हैं। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी कहते हैं कि ये कर्ज छिपे हुए हैं। राज्य इन्हें अपने बजट में नहीं दिखाते। वित्त मंत्रालय कोशिश कर रहा है कि यदि कोई राज्य संपत्ति गिरवी रखता है तो उस राशि को राज्यों की शुद्ध उधार सीमा में शामिल करे।

इस तरह कर्ज के जाल में फंस जाएंगे पंजाब-हरियाणा

कई राज्य सरकारों ने सार्वजनिक जगहों जैसे पार्क, अस्पताल, सरकारी भवनों, जमीनें आदि गिरवी रख दी हैं। रिजर्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में आगाह किया है कि अगले चार साल में पंजाब पर अपनी जीडीपी का 46.8 फीसदी, राजस्थान पर 39.4 फीसदी, हरियाणा पर 31 फीसदी और झारखंड पर अपनी कुल जीडीपी का 30.2 फीसदी का कर्ज हो जाएगा।

सभी राज्यों को चेतावनी

रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय ने सभी राज्यों को चेताया है। जिस रफ्तार में राज्य कर्ज ले रहे, उस हिसाब से अगले 4 साल में राज्यों का कर्ज उनकी जीडीपी के 30प्रतिशत से ज्यादा हो सकता है।

सिंगल विंडो के तहत आवेदन के लिए अब पैन का भी किया जा सकेगा उपयोग

नई दिल्ली। सरकार केंद्र और राज्यों के विभागों द्वारा विभिन्न मंजूरियों के लिए राष्ट्रीय एकल खिड़की (सिंगल विंडो) प्रणाली के तहत आवेदन करने के लिए अन्य डाटा की जगह पैन के इस्तेमाल की इजाजत दे सकती है। इस समय ईपीएफओ, ईएसआईसी, जीएसटीएन, टिन, टैन और पैन जैसी 13 से अधिक व्यावसायिक आईडी का इस्तेमाल आवेदन करने को किया जा रहा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उनका मंत्रालय पहले ही इस मामले में राजस्व विभाग से संपर्क कर चुका है। हम मौजूदा डाटाबेस में से एक का उपयोग करने की ओर बढ़ रहे हैं, जो पहले ही सरकार के पास उपलब्ध है। संभवतः वह पैन नंबर होगा। पैन के साथ कंपनी के बारे में बहुत सारे बुनियादी आंकड़े, इसके निदेशक, पता और बहुत सारे सामान्य डाटा पहले से ही उपलब्ध हैं।

लगातार तीसरे दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 208 अंक टूटा, निफ्टी 18642 पर

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सेंसेक्स 208 अंकों की गिरावट के साथ 62626 अंकों पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सेशन में आईटी, फार्मा, मीडिया और मेटल सेक्टर के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर, हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन निफ्टी भी 58 अंक टूटकर 18642 अंकों पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी तेजी के साथ 43138 के लेवल पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 76 पैसे टूटकर 82.61 (अस्थाई) पर बंद हुआ। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का कहना है कि आरबीआई की क्रेडिट पॉलिसी की घोषणा की पूर्व संध्या पर निवेशकों ने बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों बिकवाली की क्योंकि पूरे कारोबारी सेशन में बाजार में मंदी आशंका हावी रही। उनके अनुसार बीते सत्रों में हमने देखा है कि निवेशक किसी महत्वपूर्ण

घटना से पहले सतर्क हो जाते हैं और किसी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए कुछ मुनाफावसूली करते हैं। ऐसे में अगर आरबीआई की ओर से की गई दर वृद्धि बाजार की अपेक्षाओं से अधिक होती है, तो निवेशक पैनिक बटन दबा सकते हैं, जिससे बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है।

.मंगलवार के दिन भारतीय मुद्रा बाजार में भी भारी गतिविधि देखी गई क्योंकि रुपये ने 82 का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसा होने से विदेशी निवेशकों की स्थानीय इक्विटी में अपनी स्थिति की कटौती की चिंता बढ़ गई। वर्तमान में, बाजार 10-दिवसीय एसएमए (सिंपल मूविंग एवरेज) के पास कारोबार कर रहा है, जो निकट भविष्य में ट्रेंड रिवर्सल की प्रबल संभावना का संकेत देता है। कारोबारियों के लिए 18700 के लेवील पर नजर रखना प्रमुख स्तर होगा।

गौतम अदाणी एशिया के टॉप थ्री दानवीरों में, इन भारतीयों ने भी किया खूब परोपकार

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों की लिस्ट में शुमार गौतम अदाणी परोपकार के मामले में भी पीछे नहीं हैं। गौतम अदाणी का नाम फोर्ब्स की ओर से प्रकाशित एशियाई दानवीरों की सूची के 16 वें संस्करण में टॉप थ्री शामिल किया है। उनके अलावे इस लिस्ट में एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर, हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज के अशोक सूटा का नाम शामिल हैं। एशिया के टॉप दानवीरों की यह सूची मंगलवार को जारी की गई।

अदाणी ग्रुप के मुखिया गौतम अदाणी को इस लिस्ट में पिछले वर्ष जून में अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर 60,000 करोड़ रुपये का दान करने के बाद जगह मिली है। इतनी बड़ी राशि परोपकार के लिए खर्च करने की घोषणा कर वे भारत के सबसे बड़े दानवीर बन गए। यह राशि स्वास्थ्य, शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट पर खर्च होनी है। इस राशि को अदाणी परिवार के फाउंडेशन की ओर से खर्च की जाएगी, जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में की गई थी।

60 वर्षीय गौतम अदाणी अदाणी ग्रुप के संस्थापक हैं। यह ग्रुप भारत का सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है। यह ग्रुप आधारभूत संरचना, उपभोक्ता वस्तुओं, बिजली उत्पादन व संचरण व रियल एस्टेट के कारोबार से जुड़ा है। गौतम अदाणी की संपत्ति में वर्ष 2022 में बड़ा इजाफा हुआ है। वे कुछ समय के लिए दुनिया के

दूसरे सबसे धनवान उद्योगपति भी रहे।

इस लिस्ट में दूसरा भारतीय नाम शिव नादर का है। पिछले कुछ दशकों के दौरान शिव नादर फाउंडेशन के माध्यम से वे अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा परोपकारी कार्यों पर खर्च कर चुके हैं। इस वर्ष भी वे करीब 11,600 करोड़ रुपये शिव नादर फाउंडेशन को दान कर चुके हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 1994 में की थी। इसका उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से लोगों को सशक्त करते हुए एक न्यायसंगत और योग्यता आधारित समाज बनाना था

शिव नादर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक हैं पर उन्होंने आईटी कंपनी के सभी पदों से वर्ष 2021 में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने शिवनादर फाउंडेशन के माध्यम से कला और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले शिक्षण संस्थानों जिनमें स्कूल व विश्वविद्यालय शामिल हैं स्थापित करने में मदद की है। इस फाउंडेशन के दूसरे ट्रस्टियों में उनकी पत्नी किरण नादर, बेटी रोशनी नादर और दामाद शिखर मल्होत्रा का नाम है।

फोर्ब्स के परोपकारियों की लिस्ट में तीसरे भारतीय का नाम है अशोक सूटा। उन्होंने इस वर्ष 600 करोड़ रुपये का दान किया है। यह राशि उन्होंने अप्रैल 2021 में स्थापित मेडिकल रिसर्च ट्रस्ट के माध्यम से खर्च करने की बात कही थी। इस राशि को बढ़ती उम्र और न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से संबंधित अध्ययन पर खर्च करने की बात कही गई थी। उन्होंने एसकेएन की स्थापना 200 करोड़ रुपये के दान के साथ की थी, आगे चलकर इस राशि को तीन गुना कर दिया गया।

फोर्ब्स के अनुसार, इस गैर-रैंक वाली सूची में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के व्यक्तिगत रूप से परोपकार करने वाले लोगों को शामिल किया गया है। इसमें वे लोग शामिल हैं जो परोपकार के लिए अपनी कमायी हुई राशि से दान देने के साथ-साथ उसके क्रियान्वयन के लिए अपना समय और ध्यान दें रहे हैं। इस सूची में कंपनियों की ओर सीएसआर के तहत खर्च की जाने वाली राशि शामिल नहीं की गई है।

गतिविधियां तीन माह के शीर्ष पर, ग्लोबल इंडिया सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक 56.4 पर पहुंचा

नई दिल्ली । मजबूत मांग से भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर नवंबर में तीन महीने के शीर्ष पर पहुंच गईं। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक बढ़कर 56.4 पर पहुंच गया। अक्तूबर में यह 55.1 रहा था। सेवा पीएमआई लगातार 16वें महीने 50 अंक से अधिक है। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना विस्तार और इससे नीचे का आंकड़ा संकुचन दिखाता है एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की संयुक्त निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, नए कारोबार और उत्पादन में तेज वृद्धि के साथ भारतीय सेवा प्रदाताओं ने मजबूत घरेलू मांग का लाभ उठाना जारी रखा।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बनी ब्रह्मास्त्र

मुंबई (ईएमएस)। जब हिंदी में ब्लॉकबस्टर फिल्म ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन-शिवा इस साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई तो एस्ट्रावर्स के प्रशंसक की खुशी का कोई ठिकाना नही रहा। यह एक्शन-एडवेंचर फैंटेसी फिल्म डिज्नी प्सस हॉटस्टार पर रिलीज होने के बाद भी प्रशंसकों को एक्साइट करती रही और भारत में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर पहले दस दिनों में स्ट्रीम किए गए घंटों के आधार पर अब तक की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई। दर्शकों पर अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का खूब क्रेज दिखा क्योंकि वे विशेष रूप से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर अपनी पसंद की भाषा में इस फिल्म को देख पाए। स्टार स्टूडियोज धर्मा प्रोडक्शंस अयान मुखर्जी और प्राइम फोकस द्वारा निर्मित इस फिल्म में अमिताभ बच्चन रणबीर कपूर आलिया भट्ट मौनी रॉय और नागार्जुन अक्किनेनी जैसे बेहतरीन अभिनेताओं का समूह हैं। डिज्नी प्लस हॉटस्टार और एचएसएम एंटरटेनमेंट नेटवर्क डिज्नी स्टार के हेड कंटेंट गौरव बैनर्जी ने कहा ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन- शिवा कई मायनों में गेम चेंजर साबित हुई है। फिल्म ने न केवल दुनिया भर में दिल जीता है बल्कि डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर यह अब भी फैन्स की फेवरेट बनी हुई है जो बार बार फिल्म को देख रहें है।

फिल्म ने इतिहास रच दिया है और हम दुनिया भर के दर्शकों के लिए इस फिल्म को सफलतापूर्वक ले जाने के लिए उत्साहित हैं। एस्ट्रावर्स के पीछे के मास्टरमाइंड निर्देशक अयान मुखर्जी ने कहा बॉक्स ऑफिस पर एक सफल रन के बाद मैं डिज्नी प्ल स हॉटस्टार पर ब्रह्मास्त्र के डिजिटल प्रीमियर की प्रतिक्रिया से बेहद उत्साहित और आभारी हूं। लंबी यात्रा और ब्रह्मास्त्र - भाग एकः शिवा के लिए पूरी टीम ने जो कोशिश की है वह खूब रंग लाई। मैं अपने सभी दर्शकों हमारे प्रशंसकों और समर्थकों को एस्ट्रावर्स को देखने और एक्सप्लोर करने के लिए धन्यवाद देता हूं। शिव की भूमिका निभाने वाले अभिनेता रणबीर कपूर ने कहा मैं ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन शिवा को सिनेमाघरों में और अब डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मिली प्रतिक्रिया से बहुत खुश हूं। यह फिल्म हम सभी के लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट थी और अयान मुखर्जी के लिए भी जिन्होंने इस पर एक दशक तक काम किया। ब्रह्मास्त्र की पूरी टीम की ओर से मैं सभी प्रशंसकों को फिल्म का समर्थन करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। तो जिन्होंने अब तक ब्रह्मास्त्र पार्ट वन शिवा नही देखी हैं वो डिज्नी प्लस हॉटस्टार स्ट्रीम हो रही इस फिल्म को एंजॉय कर सकते है।

फ्रेडी की सफलता का आनंद ले रहे हैं कार्तिक

-शादी के लिए एक्टर को मां से मिली है खास सलाह

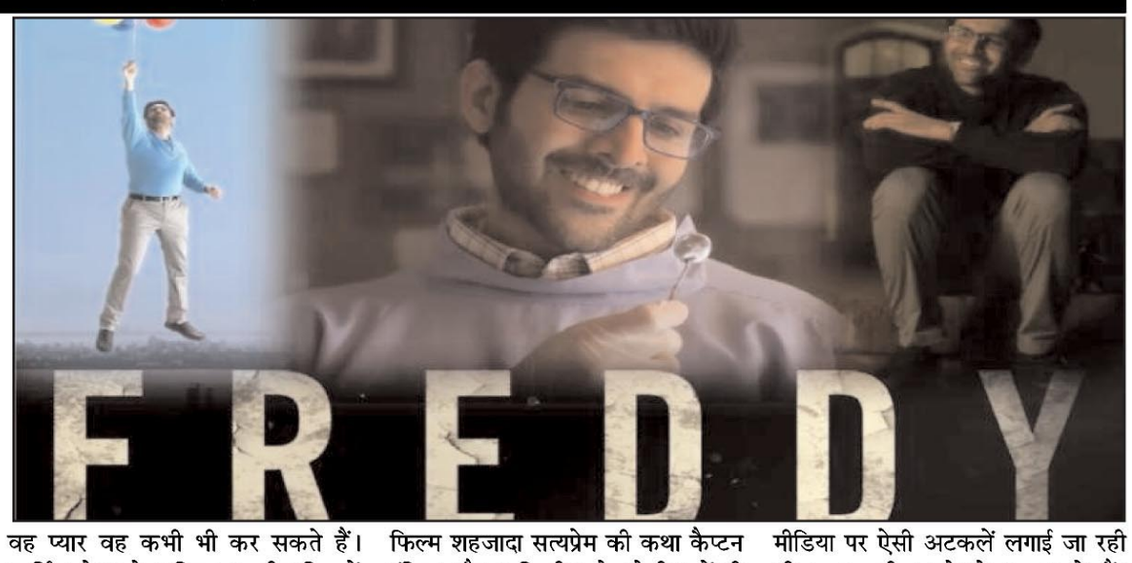

मुबंई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म फ्रेडी की सफलता का आनंद ले रहे हैं। उनकी फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आई। अब फ्रेडी की सफलता के बीच कार्तिक ने अपनी शादी की प्लानिंग के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि शादी को लेकर फैमिली की तरफ से कोई दबाव नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें उनकी मां से एक स्पेशल सलाह मिली है जो शादी और करियर से संबंधित है। शादी से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कार्तिक ने कहा कि उनके कई साथी प्यार में हैं और शादी कर रहे हैं लेकिन उनका मानना है कि उन्हें अभी अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए। अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि उनकी मां ने भी उन्हें लाइफ बसाने से पहले अगले तीन से चार साल तक काम करने और किसी अन्य चीजों पर ध्यान नहीं देने की सलाह दी है। आगे कार्तिक खुलासा कि शादी को लेकर उनके फैमिली की तरफ से कोई जवाब नहीं है और ना कभी होता है। उन्होंने बताया कि यह उनके लाइफ में निश्चित रूप से प्यार के लिए काफी जगह है। अब कार्तिक की बात से साफ है कि वह 3-4 साल तक शादी नहीं करेंगे लेकिन वह प्यार वह कभी भी कर सकते हैं। कार्तिक ने आगे अखिल भारतीय फिल्मों का हिस्सा बनने और यहां तक कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने की अपनी इच्छा के बारे में भी बात की। इस बार में बात करते हुए कार्तिक ने कहा यह स्क्रिप्ट है जो उनके लिए मायने रखती है। हालांकि मैं स्पेशली तेलुगु या तमिल फिल्म का हिस्सा बनना पसंद करूंगा। अब काम की बता करें तो कार्तिक फ्रेडी के बाद अब अपकमिंग फिल्म शहजादा सत्यप्रेम की कथा कैप्टन इंडिया और आशिकी 3 हेरा फेरी 3 में भी वह नजर आने वाले हैं। बता दें सत्यप्रेम की कथा तेलुगु फिल्म शहजादा की आधिकारिक हिंदी रीमेक है। जिसमें अल्लू अर्जुन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसमें कृति सेनन भी मुख्य भूमिका में हैं। मालूम हो कि कार्तिक आर्यन का नाम हाल ही में ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन के साथ जोड़ा गया था। सोशल मीडिया पर ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी वह पश्मीना को डेट कर रहे हैं। हालांकि बाद में कार्तिक ने खुद इन खबरों को अफवाह करार देकर इन पर विराम लगा दिया था। हालांकि फिरभी फैंस एक्टर की पर्सनल लाइफ को लेकर कुछ न कुछ कहते रहते हैं। ऐसे में खुद अभिनेता ने बता दिया कि वह उनका ध्यान सिर्फ काम पर फोकस है। हालांकि प्यार के लिए उनके काफी समय है।

सोहेल और हंसिका मोटवानी हुए एक-दूजे के

-परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में लिए सात फेरे

मुंबई (ईएमएस)। अपने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी और सोहेल कथुरिया ने जयपुर के पास मुंडोता किले और पैलेस में सात फेरे लिए। हंसिका को अपनी पत्नी बनाकर सोहेल बेहद खुश नजर आए। दुल्हन के लिबास में हंसिका बेहद खूबसूरत नजर आई। पति-पत्नी के रूप में हंसिका और सोहेल की झलक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। शादी में हंसिका मोटवानी ने रेड कलर का लहंगा पहना था। इस खूबसूरत लहंगे को हंसिका ने डायमंड कट गोल्ड ज्वैलरी कैरी की हुई थी। लॉन्ग हैवी कलीरों ने हंसिका के लुक में प्लस फैक्टर एड ऑन किया। इसके साथ ही हंसिका का चूड़ा और कलीरे भी खास थे। वहीं सोहेल की बात करें तो उन्होंने ऑफ व्हाइट कलर की शेरवानी पहनी थी। दूल्हा बने सोहेल काफी हैंडसम लग रहे थे। इस कपल का वेडिंग लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस फोटो में हंसिका और सोहेल ने एक दूसरे के का हाथ थामा हुआ है। दोनों के गले में वरमाला है। इनकी जोड़ी बेहद खूबसूरत लग रही है। हंसिका ने अपने लहंगे के साथ दो दुपट्टों को कैरी किया है। दोनों ही लगभग एक जैसे नजर आ रहे है। हंसिका की ब्राइडल एंट्री किसी महारानी से कम ठाठ वाली नहीं थी। हंसिका के भाई उन्हें फूलों की चादर के नीचे लेकर पहुंचे थे। चेहरे को घूंघट से ढके हंसिका मंडप की तरफ आगे बढ़ रही हैं जहां सोहेल उनका इंतजार करते नजर आए। इस फोटो में सोहेल और हंसिका शादी की रस्म निभाते नजर आ रहे हैं जहां एक्ट्रेस बेहद खुश हैं। बता दें कि लंबे समय से दोनों की शादी चर्चा चल रही थी।

रणवीर अपकमिंग फिल्म के साथ दर्शकों को लुभाने तैयार

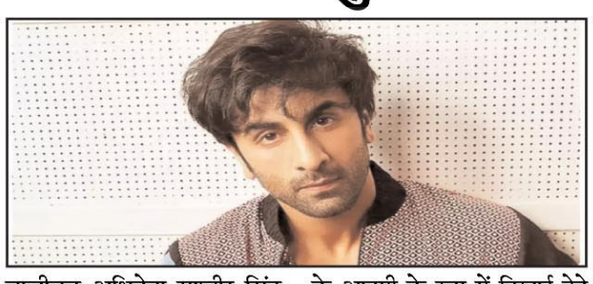

बालीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज वरुण शर्मा और पूजा हेगड़े भी हैं जो बॉलीवुड की एक परफेक्ट मसाला फिल्म लगती है। यह फिल्म रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन चुकी है। यह फिल्म 1982 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म अंगूर पर आधारित है जो विलियम शेक्सपियर के नाटक द कॉमेडी ऑफ एरर्स का रूपांतरण था। रणवीर और वरुण डबल रोल में नजर आएंगे। 3 मिनट और 39 सेकंड के ट्रेलर में रणवीर सिंह एक सर्कस में काम करने वाले बिजली के आदमी के रूप में दिखाई देते हैं। वह और वरुण शर्मा डोपेलगैंगर मुद्दों से निपट रहे हैं। 60 के दशक में सेट फिल्म को ज्यादातर घर के अंदर शूट किया गया है क्योंकि शेट्टी ने उस युग के सेट बनाए हैं। ट्रेलर वीडियो में करंट लगा रे गाने की झलक भी दी गई है।

वीडियो में एक सरप्राइज एलिमेंट भी है। इसके अलावा ट्रेलर में गोलमाल के कई संदर्भ हैं क्योंकि इसमें गोपाल माधव लक्ष्मण और लकी को अनाथ के रूप में दिखाया गया है। जॉनी लीवर शानदार फॉर्म में दिख रहे हैं और कुछ दमदार वन-लाइनर्स देते हैं।

पूजा बनर्जी ने पिता के निधन पर भेजा इमोशनल पोस्ट

- एक्ट्रेस ने लिखा- बाबा आप बहुत याद आओगे

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की एक्ट्रेस पूजा बनर्जी के फैंस के लिए दुख भरी खबर है। पूजा ने अपने पोस्ट में बताया उनके पिता का निधन हो गया है। पूजा ने अपने पिता को याद करते एक इमोशलन पोस्ट भी लिखा है। शोसल मीडिया पर एक इमोशनल शेयर करते हुए पूजा बनर्जी ने लिखा है बाबा आपकी आत्मा को शांति मिले। मुझे पता है कि आप अब बेहतर जगह पर हो। ओम शांति ओम। आप बहुत याद आओगे झ संदीप सना पूजा नील और आकाश। पूजा बनर्जी का पोस्ट वायरल हो चुका है। टीवी से लेकर फैंस उनके पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कमेंट कर रहे हैं। हिना खानकरण वीर बोहरा अंकिता शर्मा पायल महाजन निवेदिता बसु से लेकर अन्य सितारों ने भी उनके पिता को श्रद्धांजलि दी है। बता दें कि पूजा बनर्जी अपने पिता के बेहद करीब रही हैं। वह अक्सर अपने सोशल अकाउंट पर अपने पिता संग फोटो शेयर करती रहती थीं। गौरतलब है कि पूजा बनर्जी इन दिनों अपना मदरहुड पीरियड एन्जॉय कर रही हैं। हाल मे पूजा ने बच्ची को जन्म दिया था। पूजा अपनी बेटी की वजह से अभी टीवी की दुनिया से दूर हैं। पूजा ने स्वीमर संदीप सेजवाल से शादी की है। कपल की शादी 28 फरवरी 2017 में हुई थी। उनके पति नेशनल लेवल स्विमर हैं जिन्होंने ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता हुआ है। संदीप और पूजा बचपन के दोस्त हैं। बता दें कि पूजा बनर्जी ने टीवी सीरियल कसौटी जिंदगी की 2 और कुमकुम भाग्य में बेहतरीन अदाकारी की है1

राजौरी की बहादुर बेटी का बालीवुड भी हुआ कायल

-जांबाज बेटी पर बालीवुड बनाने जा रहा है फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। आतंकवाद ग्रस्त जम्मू कश्मीर केराजौरी जिले की एक बहादुर बेटी बालीवुड भी कायल हो गया है। इस जांबाज बेटी की बहादुरी पर बालीवुड अब फिल्म बनाने जा रहा है। करीब 13 साल पहले रुखसाना कौसर की जांबाजी कभी भुलाई नहीं जा सकती। कैसे वह तीन आतंकियों पर अकेले ही टूट पड़ी थी। रुखसाना ने एक कुख्यात आतंकी को कुल्हाड़ी से मार डाला था तो दूसरे को उसकी राइफल से गोली चलाकर घायल कर दिया। इस जांबाज बेटी पर बालीवुड फिल्म बनाने जा रहा है। रुखसाना का किरदार अभिनेत्री श्रद्धा कपूर निभाएंगी। इसी माह के अंत तक फिल्म की घोषणा कर दी जाएगी। मालूम हो कि मौजूदा समय में रुखसाना राजौरी में पुलिस कांस्टेबल पद पर है। 2013 में कबीर हुसैन से शादी कर ली। उनके पति राजौरी में सब इंस्पेक्टर हैं। दोनों की चार बेटियां हैं। रुखसाना का कहना है कि मैंने अपने जीवन में कई चुनौतियों का मुकाबला किया लेकिन उम्मीद करती हूं कि मेरी बेटियां भी ज्यादा सुरक्षित दुनिया में रहें। फिल्म निमार्ता अशोक चौहान के साथ निर्देशक आसिफ अली रुखसाना से मिल चुके हैं। 20 दिसंबर को रुखसाना मुंबई जाने की तैयारी में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने बयानों में भी रुखसाना की बहादुरी का जिक्र किया था। 27 सितंबर 2009 की रात को रुखसाना याद कर बताती हैं कि वह अपने माता-पिता और भाई के साथ घर पर थी। शाहदरा शरीफ क्षेत्र के कलसी में घर के पास घना जंगल है। रात करीब 9.30 बजे थे। तीन आतंकियों ने दरवाजे पर दस्तक दी। मेरे पिता नूर हुसैन ने दरवाजा नहीं खोला तो आतंकी खिड़की के रास्ते दाखिल होने लगे। मां ने मुझे व भाई को चारपाई के नीचे छिपा दिया। आतंकियों ने मां से मुझे उन्हें सौंपने की मांग की। पिता ने विरोध किया तो आतंकी पीटने लगे। रुखसाना ने बताया कि कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। परिवार को मुसीबत में देख मुझ में हिम्मत आई। पास ही एक कुल्हाड़ी पड़ी थी। मैंने दौड़ कर कुल्हाड़ी उठा एक आतंकी के सिर पर वार किया। वह वहीं गिर गया। दूसरे आतंकी ने गोली चला दी। मैंने मारे गए आतंकी कमांडर अब्बू उसामा की एके-47 राइफल उठा गोली चला दी। इसमें एक अन्य आतंकी घायल हो गया। यह देखकर अन्य आतंकी भाग गए। रुखसाना ने परिवार के साथ पुलिस चौकी में पहुंच पूरी वारदात की जानकारी दी। आतंकियों से भिड़ने पर रुखसाना की जिंदगी ही बदल गई। तत्कालीन सरकार ने 2010 में गणतंत्र दिवस पर रुखसाना और उसके भाई एजाज को बहादुरी के लिए कीर्ति चक्र दिया। इसके अलावा रुखसाना को नेशनल ब्रेवरी अवार्ड सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक सरदार पटेल अवार्ड रानी झांसी ब्रेवरी अवार्ड जैसे कई पुरस्कार मिले। उसे जम्मू कश्मीर सरकार ने पुलिस में नौकरी भी दी।

फिल्म निमार्ता अशोक चौहान के साथ निर्देशक आसिफ अली रुखसाना से मिल चुके हैं। 20 दिसंबर को रुखसाना मुंबई जाने की तैयारी में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने बयानों में भी रुखसाना की बहादुरी का जिक्र किया था।

पुरुष गर्भ निरोधकों सुरक्षित सेक्स पर केंद्रित है छत्रीवाली

आगामी फिल्म छत्रीवाली पुरुष गर्भ निरोधकों और सुरक्षित सेक्स पर केंद्रित है। यह कहना है अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह का। रकुल का कहना है कि इस विश्व एड्स दिवस मैं अपनी आने वाली फिल्म छत्रीवाली के माध्यम से सुरक्षित सेक्स के महत्व और पुरुष गर्भ निरोधकों के उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाकर एचआईवी के खिलाफ लड़ाई में शामिल हूं। रकुल कहती हैं मेरे लिए मेरी हर फिल्म खास रही है लेकिन छत्रीवाली कई वजहों से खास है। इंडस्ट्री में इतने सालों के बाद मुझे आखिरकार एक फिल्म की सुर्खियां मिल रही हैं और एक विचारोत्तेजक सामाजिक संदेश के साथ एक मनोरंजक फिल्म से बेहतर क्या हो सकता है। रकुल एक कंडोम फैक्ट्री में क्वालिटी कंट्रोल हेड की भूमिका निभाती हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि हालांकि शुरूआत में रकुल अपने काम को लेकर कहीं न कहीं शर्मार्ती थीं लेकिन धीरे-धीरे उन्हें इसकी अहमियत का एहसास हुआ। वह यौन शिक्षा की प्रासंगिकता को समझती है और जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी लेती है।

सूडोकु नवताल- 6541

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6540 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 7605

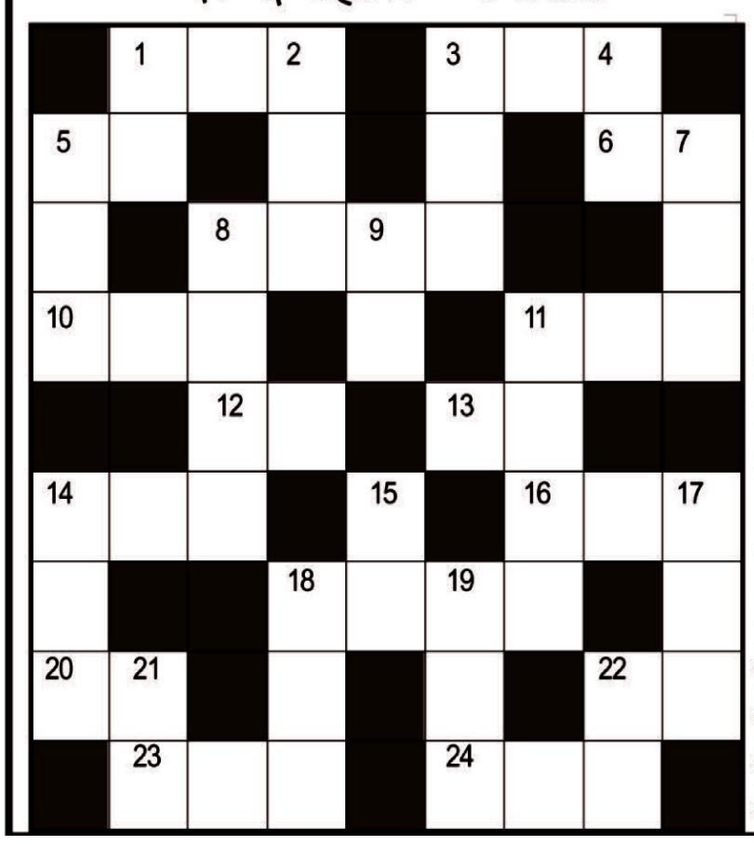

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 7604 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
रि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

ब्राजील के खिलाड़ियों ने दिग्गज पेले को समर्पित की जीत, दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराया

दोहा। फीफा विश्व कप 2022 के प्री क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराने के बाद ब्राजील के खिलाड़ियों ने जीत दिग्गज पेले को समर्पित की। बीमार पेले साओ पाउलो के अस्पताल में अपना इलाज करा रहे हैं। दक्षिण कोरिया पर जीत के बाद दोहा के स्टेडियम 974 में ब्राजील के खिलाड़ियों ने 82 वर्षीय पेले का पोस्टर स्टेडियम में फहराया। फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक पेले गंभीर रूप से बीमार हैं। हालांकि, उनके परिवार का मानना है कि वह स्वस्थ होकर घर लौटेंगे। दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच में विनीसियस जूनियर, नेमार, रिचर्डसन और लुकास पाक्वेटा ब्राजील के लिए गोल किए। टखने की चोट से वापसी करने वाले नेमार ने कहा, पेले अभी जिस स्थिति से गुजर रहे हैं, उनके बारे में बात करना मुश्किल है, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। नेमार ने ग्लोबो से कहा, मुझे उम्मीद है कि वह जल्द से जल्द स्वस्थ होकर वापस आएंगे और हम कम से कम जीत के साथ उन्हें दिलासा तो दे सकते थे। पेट के कैंसर के साथ पेले की लड़ाई खिलाड़ियों को रिकॉर्ड छठी बार फीफा चैंपियन बनने के लिए प्रेरित कर रही है। पेले ने ब्राजील के लिए तीन बार विश्व कप जीता है। विनीसियस ने कहा, उन्हें हमसे बहुत ताकत की जरूरत है और यह जीत उनके लिए है, ताकि वह इस स्थिति से बाहर आ सकें और हम उनके लिए चैंपियन बन सकें। नेमार की वापसी ने ब्राजील को बहुत मजबूती दी और वे पहले मिनट से ही शानदार लय में थे। उन्होंने पेनल्टी स्पॉट से 13वें मिनट में गोल कर ब्राजील के लिए पेले के रिकॉर्ड 77 गोल की बराबरी की। उन्होंने स्वीकार किया कि सर्बिया के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच में चोटिल होने के बाद उन्हें लगा कि उनके लिए यह टूर्नामेंट खत्म हो सकता है। नेमार ने कहा, जब मैं चोटिल हुआ तो मैंने बहुत मुश्किल रात बिताई। मैं लाखों अलग-अलग चीजों के बारे में सोच रहा था। मुझे इस विश्व कप में फिर से न खेल पाने का डर था, लेकिन मुझे अपने सभी साथियों और मेरे परिवार का समर्थन मिला जिन्होंने मुझे ताकत दी। रिचर्डसन ने कहा कि पिच पर नेमार की मौजूदगी बाकी सभी के लिए खेल को आसान बनाती है। टूर्नामेंट में अब तीन गोल करने वाले रिचर्डसन ने कहा, मैं नेमार की वापसी से बहुत खुश हूं। पिच पर दो या तीन खिलाड़ी उनको रोकने में लगते हैं और दूसरों के लिए जगह बनती है।

न्यूज ब्रीफ

रणजी ट्रॉफी में पहली बार अंपायरिंग करेंगी महिलाएं: इस सीजन के लिए शॉर्टलिस्ट पैनल में 3 महिलाओं के नाम

मुंबई। भारत के सबसे बड़े डोमेस्टिक क्रिकेट टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में पहली बार महिलाएं अंपायरिंग करती नजर आएंगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नए सीजन के लिए शॉर्ट लिस्ट अंपायरिंग पैनल में 3 महिलाओं को शामिल किया है। 88 साल के टूर्नामेंट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब अंपायरिंग पैनल में महिलाओं ने जगह बनाई है। 13 दिसंबर से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के पैनल में मुंबई की वृंदा राठी, चेन्नई की जननी नारायण और गायत्री वेनुगोपालन को शामिल किया है। महिला अंपायर्स की मैच फीस पुरुषों के ही बराबर है। बोर्ड ग्रेड के अनुसार पेमेंट करता है। अंपायर्स को ग्रेड के अनुसार एक दिन का 25 से 40 हजार तक पे किया जाता है। रणजी मैचों की मैच फीस दिन के आधार पर होती है। बीसीसीआई के अंपायर्स का पैनल रहता है। इसमें जो अच्छे अंपायर्स होते हैं, उन्हें रणजी मैच देते हैं। हर मैच के नंबर्स रहते हैं। रेफरी मैच के बाद रेटिंग पॉइंट देते हैं। सही और गलत फैसलों पर अंपायर्स की रैंकिंग बनती है। अभी बोर्ड के पैनल में 150 अंपायर्स हैं। उनमें से करीब 90 अंपायर्स को रणजी मैच मिलते हैं। एक मुकाबले में 100 रेटिंग पॉइंट होते हैं। गलत फैसले पर नंबर्स कटते हैं। एक गलती करने पर 5 पॉइंट काटे जाते हैं। वाइड और नो बॉल की गलती पर एक-एक पॉइंट कटते हैं। इन्हीं रेटिंग पॉइंट के आधार पर रैंकिंग बनती है। मैच के बाद मार्किंग होती है। कुछ पॉइंट मैच मैनेजमेंट, विवाद की सिचुएशन को कैसे हैंडल किया...जैसी बातों के होते हैं। 2017 में पहली बार बीसीसीआई पैनल में महिला अंपायर्स शामिल हुई थी।

आप नीचे गिर सकते हैं, लेकिन आपको फिर से उठना होगा : मुंबई इंडियंस के कोच मार्क बाउचर

मुंबई। मुंबई इंडियंस के नए मुख्य कोच मार्क बाउचर ने मंगलवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग

(आईपीएल) का आगामी सीजन टीम को पिछले साल के खराब सीजन से उबरने और उन मानकों पर वापस लौटने पर केंद्रित होगा, जिनकी उनसे प्रशंसकों को उम्मीद है। ऐसा करने के लिए, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का पुनर्निर्माण करना होगा और कुछ अंतरालों को भरना होगा, जो मुंबई और पुणे में खेले गए 2022 सीजन के दौरान दिखाई दिए थे। आईपीएल 2023 की नीलामी के लिए सिर्फ दो सप्ताह से अधिक का समय बचा है। मुंबई इंडियंस के कैंप में पुनर्निर्माण की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। बाउचर ने कहा कि अगले सत्र से पहले वह जिन प्रमुख क्षेत्रों का निर्माण करना चाहते हैं, वह मुंबई इंडियंस का कभी न हार मानने का रवैया है। उन्होंने कहा, हमने इसके बारे में बात की है। कभी-कभी ऐसे समय से गुजरना कोई बुरी बात नहीं है जहां आप शायद बहुत कुछ नहीं जीत पाते। मुझे लगता है कि हमने जो सबक सीखे हैं वे महत्वपूर्ण हैं। हम गिरे हैं, लेकिन हमें उठने की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह सबसे महत्वपूर्ण बात है।

यूएई के क्लब अल नासिर से जुड़े रोनाल्डो: 1730 करोड़ रुपए में डील...12 दिन पहले छोड़ा था मैनचेस्टर यूनाइटेड

रियाद। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो यूरोप की टॉप फुटबॉल लीग में खेलते नजर

नहीं आएंगे। वे अब साउदी अरब के क्लब अल नासिर से जुड़ गए हैं और यूएई की लीग में खेलेंगे। स्पेन की वेबसाइट मार्का ने दावा किया है कि 37 साल के रोनाल्डो ने 1730 करोड़ रुपए (200 मिलियन यूरो) में यूएई के क्लब के साथ डील साइन की है। इसके अनुसार वे अगले ढाई सीजन क्लब से जुड़े रहेंगे। हालांकि, रोनाल्डो ट्रॉन्सफर विंडो खुलने के बाद ही क्लब से जुड़ सकेंगे। रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ दिया था। वे करीब एक साल तक क्लब के साथ रहे। दोनों के बीच 216 करोड़ रुपए का एग्रीमेंट हुआ था। उससे पहले वे यूवेंट्स की ओर से खेलते थे। 20 दिन पहले रोनाल्डो ने ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर पीयर्स मॉर्गन क्लब मैनेजमेंट और उसके मैनेजर पर कई आरोप लगाए थे। इस खिलाड़ी ने कहा था- मैनचेस्टर यूनाइटेड द्वारा उनके साथ विश्वासघात किया जा रहा है और क्लब उन्हें बाहर करना चाह रहा है।

2022 भूलना चाहेगी टीम इंडिया

43 मैच में जीत की खुशी पर भारी 6 हार का गम; 2 बड़े टूर्नामेंट के सुपर-4 से बाहर हुई

मुंबई। टीम इंडिया के लिए 2022 अच्छा साल नहीं रहा। इस साल उसे 6 दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा। रविवार को बांग्लादेश से मिली शिकस्त इनमें से एक रही। भारतीय टीम बांग्लादेश से महज एक विकेट से हार गई। वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में मिली इस हार ने भारतीय फैंस को टी-20 वर्ल्ड कप की उस हार की याद दिला दी, जो 25 दिन पहले एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली थी। तब इंग्लैंड ने हमें 10 विकेट से हराया था। उससे पहले टीम इंडिया एशिया कप के सुपर-4 राउंड में पाकिस्तान और श्रीलंका से हारकर बाहर हो गई थी। कुछ हार ऐसी भी हैं, जिन्हें टीम इंडिया के साथ उनके फैंस भी भुलाना चाहेंगे। हम टीम इंडिया की ऐसी ही कुछ दिल तोड़ने वाली हार पर चर्चा करेंगे। जानेंगे कि कैसे 6 हार का दर्द तीनों फॉर्मेट में मिली 43 जीत की खुशी पर भारी पड़ा।

इस साल 67 खेले...43 जीते और 20 हारे - टीम इंडिया ने इस साल कुल मिलाकर तीनों फॉर्मेट के 67 मैच खेले। 43 में जीत, जबकि 20 में हार मिली। एक मैच टाई और 3 मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहे।

साउथ अफ्रीका में 1-2 से टेस्ट सीरीज हारे - दिसंबर 2021 में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका में 3 टेस्ट और 3 वनडे की सीरीज खेलने गई। सीरीज का पहला टेस्ट भारत ने 113 रन से जीता। इस जीत के साथ 2021 खत्म हुआ। फिर आया...2022। साल के पहले और सीरीज के दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका

ने हमें 7 विकेट से हरा दिया। चौथे दिन उछाल भरी पिच पर साउथ अफ्रीका ने 243 रन का टारगेट महज 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ये इसलिए भी अहम हो जाता है, क्योंकि भारतीय गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और सिराज जैसे तेज गेंदबाज थे। ये हार ही काफी नहीं थी कि अफ्रीका ने आखिरी टेस्ट में भी भारत को 7 विकेट से हरा दिया। इस बार तो चौथे दिन 212 रन का टारगेट डिफेंड कर रहे भारतीय गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए। अफ्रीकी बैटर्स ने 63.3 ओवर्स में लक्ष्य हासिल कर लिया।

वनडे सीरीज भी 3-0 से गंवाई - टेस्ट सीरीज में हार के बाद साउथ अफ्रीका ने वनडे सीरीज में भारत को 3-0 से हरा दिया। पहला वनडे अफ्रीका ने 31 रन से और दूसरा 7 विकेट से जीता। फिर आया तीसरा वनडे, जिसने वनडे में हमें साल की पहली दर्दनाक हार दी। 288 रन के टारगेट का पीछा करने में भारत ने 210 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। दीपक चाहर ने टेलएंडर्स के साथ पारी आगे बढ़ाई। उन्होंने 34 बॉल पर 54 रन बनाए, लेकिन 278 के स्कोर पर वह 8वें विकेट के रूप में आउट हो गए। जीत के लिए 17 बॉल में 10 रन चाहिए थे। एक जीत मिलते नजर आ रही थी। लेकिन, टीम के आखिरी 2 बैटर्स 5 रन बनाकर ही आउट हो गए। इस तरह 2022 के शुरुआती 5 मैचों में ही हमें 5 बार हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैड सीरीज का 5वां टेस्ट गंवाया - कोहली की कप्तानी में भारत ने अगस्त 2021 के दौरान इंग्लैंड में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। तब 4 टेस्ट ही हो सके थे, पांचवें टेस्ट को बिजी शेड्यूल के चलते जून 2022 में शिफ्ट किया गया। पांचवें टेस्ट की पहली पारी में भारत ने 416 रन बना दिए। दूसरी पारी में इंग्लैंड को 284 पर समेट भी दिया। तीसरी पारी में भारत 245 पर ऑल आउट हुई और इंग्लैंड को 378 रन का टारगेट दिया। चौथी पारी में डिफेंड करते हुए भारत ने 109 रन तक 3 इंग्लिश बैटर्स को पवेलियन भेज दिया। लगा जैसे, भारत मैच जीत जाएगा। फिर बैटिंग करने आए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट और विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो ने भारत का इंग्लैंड में सीरीज जीतने का सपना तोड़ दिया। दोनों ने शतक जड़ते हुए 316 बॉल पर 269 रन की पार्टनरशिप की। भारत को 7 विकेट से हरा दिया। चौथे दिन तक भारत मैच जीत रहा था, लेकिन आखिरी दिन सब कुछ बदल गया। सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई।

एशिया कप के सुपर-4 से बाहर - 7 एशिया कप खिताब जीतने वाली टीम इंडिया यूएई में 8वां टाइटल जीतने पहुंची। पहले मैच में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर टीम ने अपने मजबूत इरादे साफ कर दिए। हॉन्गकॉन्ग को दूसरा मैच हराकर हम सुपर-4 स्टेज में पहुंचे। फिर हुआ श्रीलंका से मैच। फाइनल में पहुंचने के लिए किसी भी हाल में मैच जीतना था। भारत ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में 14.1 ओवर तक हमने 110 रन पर श्रीलंका के 4 विकेट गिरा दिए। आखिर में 12 बॉल में 21 रन की जरूरत थी। भुवी ने 19वें ओवर में 14 रन दे दिए और अर्शदीप आखिरी ओवर में 7 रन नहीं बचा सके। सुपर-4 में 2 हार के बाद भारत फाइनल की रेस से बाहर हो गया।

अबु धाबी में सफल सीजन 6 के बाद, टी10 की निगाहें ओलंपिक पर

अबु धाबी। अबु धाबी टी10 छठे सीजन के सफल समापन के बाद, क्रिकेट के खेल में सबसे तेज प्रारूप के रूप में विकसित होता दिख रहा है। टी10 विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहा है। अब एशिया और अफ्रीका जैसे महाद्वीपों में अपनी पहचान बनाने को तैयार है। बेहद रोमांचक टी10, जो टी10 ग्लोबल स्पोर्ट्स के अध्यक्ष शाजी उल मुल्क के दिमाग की उपज है, विस्तार के मामले में गंभीर कदम उठा रहे हैं और पहले ही श्रीलंका और जिम्बाब्वे में एक टूर्नामेंट की घोषणा की जा चुकी है, जो दुनिया 30 से अधिक देशों को एक साथ लाने की उम्मीद करता है। अफ्रीकी क्रिकेट संघ के अध्यक्ष क्रामे असारे ने कहा, यह अफ्रीकी देशों के लिए एक बहुत ही अनूठा समय है, और जब हम सोचते हैं कि हम कैसे इसका हिस्सा बनने जा रहे हैं, तो खेल को विकसित करने के लिए, हम बहुत उत्साहित हैं। हम सभी को बेहतर विकास करने के लिए अफ्रीका में हमारे लिए, यहां आने वाली फ्रेंचाइजी दरवाजे खोल देंगी। कुछ वर्षों में, इस साझेदारी की मदद से, हमें बड़े लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युवाओं को उच्चतम स्तर पर खेलने का मौका देना है।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष डॉ तेवेंग्वा मुकुहलानी ने कहा, यह क्रिकेट का एक नया ब्रांड है जो अफ्रीका महाद्वीप और जिम्बाब्वे देश में आ रहा है। सभी खिलाड़ियों और हितधारकों, पुरुषों और महिलाओं ने इस प्रारूप को अपनाया है और हम चाहते हैं कि यह बहुत आगे बढ़े। दूसरी तरफ कुछ समय बाद टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए भी बहुत बड़ी बात थी, इसने देश और प्रशंसकों का मूड बना लिया है, खासकर पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद। टी10 के जुड़ने से प्रशंसकों में और उत्साह आ गया है।

गुड़गांव सैफायर्स ने जीता चौथे सीजन का खिताब फाइनल पैरामाउंट प्रोएक टाइगर्स को हराया

नई दिल्ली। प्रो टेनिस लीग (पीटीएल) के चौथे संस्करण का खिताब गुड़गांव सैफायर्स ने अपने नाम किया है। नई दिल्ली के आरके खन्ना स्टेडियम में गुड़गांव की टीम ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। गुड़गांव सैफायर्स चौथी टीम है, जिसने यह खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले मेरठ स्टैग बाबोलट योद्धास, प्रोवेरी सुपर स्मैशर्स और टीम रेडिएंट की टीमें यह खिताब जीत चुकी हैं। प्रो टेनिस लीग के चार सीजन हो चुके हैं और हर बार नई टीम चैंपियन बनी है। गुड़गांव सैफायर्स ने फाइनल में पैरामाउंट प्रोएक टाइगर्स को 93-72 के अंतर से हराया। निर्णायक पुरुष युगल मुकाबले से पहले उसे चैंपियन बनने के लिए केवल छह अंकों की आवश्यकता थी। इससे पहले, इस टीम ने सेमीफाइनल में मेरठ स्टैग बाबोलट योद्धास को 93-82 से हराया था। इस बीच, पैरामाउंट प्रोएक टाइगर्स ने डीएमजी दिल्ली क्रूसेडर्स को 92-93 के न्यूनतम अंतर से हराकर फाइनल में खेलने का हक हासिल किया था। गुड़गांव सैफायर्स, जिसने सिर्फ दो अंकों के अंतर से प्रतियोगिता के दूसरे चरण में जगह बनाई थी, हर शॉट का महत्व जानता था। और खिताबी मुकाबले में भी ऐसा ही हुआ था। ट्यूनीशिया के मालेक जाजीरी ने बेहतरीन टेनिस

का मुजायरा पेश करते हुए पुरुष एकल मैच में करण सिंह को 19-11 से हराया। इसके बाद फैसल कमर और नितिन के सिन्हा की जोड़ी ने विष्णु वर्धन और शिवांग भटनागर के सामने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 7-13 से मैच अपने नाम किया। इसका मतलब था कि सैफायर्स को ट्रॉफी पर कब्जा जमाने के लिए अपने अंतिम मैच से सिर्फ छह अंकों की जरूरत थी। यह एक पुरुष युगल मैच था। मालेक जाजिरी और वीएम रंजीत की टीम ने बड़ी आसानी से विष्णु वर्धन और करण सिंह की चुनौती को खत्म करते हुए अपनी टीम को चैंपियन बना दिया। उनसे पहले हालांकि सैफायर्स की महिला खिलाड़ी महिका खन्ना (नेक्स्ट जेन), शर्मादा बालू (महिला एकल) और शर्मदा बालू और माहिका खन्ना (महिला युगल जोड़ी) ने क्रमश: 8-7, 13-7 और 9-6 के अंतर की जीत के साथ अपनी टीम के प्रभुत्व को कायम रखा।

पूर्व दिग्गज फुटबॉलर सैमुएल एटो ने यू-ट्यूबर को मारी लात: ब्राजील-साउथ कोरिया मैच के बाद का मामला

नई दिल्ली। बार्सिलोना के लीजेंडरी फुटबॉलर सैमुएल एटो फुटबॉल वर्ल्ड कप के दौरान एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। उनका एक युवा कैमरामैन को मैदान पर लात मारते हुए वीडियो वायरल हुआ है। स्टेडियम 974 में ब्राजील-साउथ कोरिया मैच के बाद का है। इस मैच को ब्राजील ने 4-1 से जीता। 41 साल के पूर्व कैमरूनी फुटबॉलर एटो वीडियो के आखिरी में युवा को फुटबॉल जैसी किक मारते दिखे। इसके बाद वह गिर पड़ा। पीड़ित की पहचान अल्जीरिया के यू-ट्यूबर एसएम सदौनी के रूप में हुई है। जैसा वीडियो में दिख रहा है, एटो वीडियो बना रहे सदौनी पर भड़क गए। सदौनी उनसे कोई सवाल पूछ रहे थे। इस पर एटो ने पहले तो यूट्यूबर को चिल्लाया, फिर उसे मारने के लिए दौड़े। आखिर में एटो ने उसके चेहरे पर लात भी मारी। एटो फैंस के साथ सेल्फी ले रहे थे।

स्पोर्ट्स स्कूल में फैली महामारी: 50 से ज्यादा बच्चे चेचक से बीमार; पांच कक्षाओं की छुट्टी

सोनीपत। हरियाणा के इकलौते खेल स्कूल में चेचक जैसी महामारी फैल गई है। पांच कक्षाओं के 50 से अधिक बच्चों के चपेट में आने के बाद स्कूल प्रशासन जागा और पांच कक्षाओं के बच्चों की छुट्टी कर उन्हें उनके घर भेज दिया गया है, ताकि स्कूल में पढ़ने वाले अन्य बच्चे चेचक की चपेट में न आएं। स्कूल में पहले दो रेजिडेंट डाक्टर तैनात थे लेकिन उनका तबादला होने के बाद अब स्कूल में कोई भी रेजिडेंट डाक्टर नहीं है। खेल विभाग की मांग पर स्वास्थ्य विभाग ने एक महिला डाक्टर की अस्थायी ड्यूटी स्कूल में लगाई है। वह सप्ताह में दो दिन स्कूल जाकर बच्चों को देखती हैं।

जीटी रोड पर बीसवां मील स्थित प्रदेश का इकलौता खेल स्कूल मोतीलाल खेलकूद विद्यालय है। इसमें प्रदेश और अन्य स्थानों के एक हजार के करीब बच्चे खेल अभ्यास के साथ ही शिक्षा भी ग्रहण करते हैं। स्कूल में प्राइमरी से लेकर कक्षा 12

तक की पढ़ाई होती है। स्कूल में विभिन्न खेलों के कोच तैनात हैं और विशेष अभ्यास की व्यवस्था भी है।

स्कूल में कई दिन से चेचक जैसी महामारी फैल रही थी लेकिन स्कूल प्रशासन की नींद नहीं टूटी। बीमार होने वाले कई बच्चों को सोनीपत के नागरिक अस्पताल में इलाज के लिए भेजा भी गया लेकिन चेचक कंट्रोल नहीं हुआ। 50 से अधिक बच्चों को चेचक हो चुका था। इसके बाद स्कूल प्रशासन तुरंत हरकत में आया और पांच कक्षाओं की छुट्टी कर बच्चों को उनके घर भेज दिया गया। स्कूल की चौथी व पांचवीं कक्षाओं की दो दिन पूर्व छुट्टी कर दी गई थी लेकिन चेचक को फैलने से नहीं रोका जा सका। स्कूल प्रबंध ने छठी, सातवीं और आठवीं कक्षाओं के बच्चों की भी छुट्टी कर दी और उनके अभिभावकों को बुलाकर उनके घर भेज दिया गया।

इन पांच कक्षाओं में छह से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। अब स्कूल में नौवीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं के ही बच्चे मौजूद हैं। अगर चेचक का फैलना बंद नहीं हुआ तो इन कक्षाओं की भी छुट्टी की जाएगी। स्कूल की प्राइमरी विंग कमला नेहरू स्कूल के बच्चे भी चेचक की चपेट में आए हुए हैं। मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल में पहले एक पुरुष व एक महिला रेजिडेंट डाक्टर की ड्यूटी रहती थी। किसी भी बच्चे के बीमार होने पर डाक्टर तुरंत बच्चे का इलाज करते थे लेकिन दोनों डाक्टरों का तबादला हो गया। इसके बाद बच्चों के बीमार होने पर उन्हें सोनीपत के नागरिक अस्पताल ले जाया जाता था।

फीफा विश्व कप के बाद कतर के किसी काम के नहीं होंगे आठ स्टेडियम

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2022 का आयोजन कतर में हो रहा है। अंतिम 16 के मुकाबले खत्म होने की कगार पर हैं। इसके बाद क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल के मुकाबले होंगे। इस टूर्नामेंट का फाइनल 18 दिसंबर को खेला जाएगा। इसके बाद कतर में मौजूद आठ स्टेडियम का कोई उपयोग नहीं होगा। कतर में फुटबॉल बहुत ज्यादा लोकप्रिय नहीं है, लेकिन फीफा विश्व कप के लिए यहां आठ विश्व स्तरीय स्टेडियम बनाए गए हैं। फीफा विश्व कप खत्म होने के बाद कतर के सामने यह चुनौती होगी कि इनका उपयोग कैसे करे। इसके लिए कतर ने पहले ही समाधान निकाल लिया है।

कतर में कई फुटबॉल स्टेडियम को शॉपिंग मॉल, होटेल और स्कूल में बदल दिया जाएगा। वहीं, तीन स्टेडियम में कोई बदलाव नहीं होगा। उनमें फुटबॉल के खिलाड़ी ही अभ्यास करेंगे और मैच खेलेंगे।

क्यों नहीं हो पाएगा स्टेडियम का उपयोग - भारत में भी कई बार क्रिकेट विश्व कप का आयोजन हो चुका है, लेकिन यहां कभी भी टूर्नामेंट के बाद स्टेडियम नहीं तोड़े गए। क्योंकि, भारत में क्रिकेट काफी लोकप्रिय खेल है। विश्व कप के लिए उपयोग होने वाले स्टेडियम में बाद में स्थानीय खिलाड़ी खेलते हैं और द्विपक्षीय सीरीज के अलावा घरेलू मैच भी इन्हीं स्टेडियम में होते हैं। इस वजह से भारत में क्रिकेट के स्टेडियम हमेशा उपयोगी रहते हैं। वहीं, कतर में फुटबॉल ज्यादा लोकप्रिय नहीं है। ऐसे में विश्व कप के बाद कतर में कोई भी उन फुटबॉल स्टेडियम में खेलने वाला

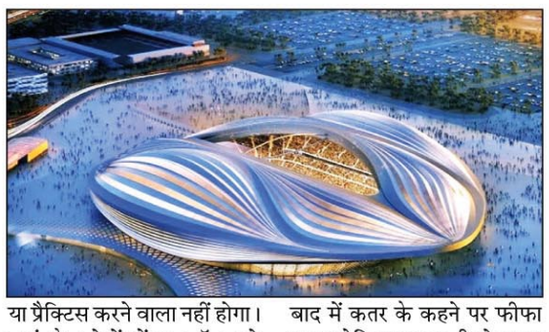

या प्रैक्टिस करने वाला नहीं होगा। वहां के लोगों में फुटबॉल को लेकर ज्यादा रुचि नहीं है। इसी वजह से कई स्टेडियम होटेल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बदले जाएंगे।

18 हजार करोड़ से ज्यादा कीमत पर बने हैं सभी स्टेडियम - कतर में फीफा विश्व कप के आयोजन के लिए 12 स्टेडियम प्रस्तावित किए गए थे, लेकिन बाद में कतर के कहने पर फीफा आठ स्टेडियम पर राजी हो गया। फीफा विश्व कप के फाइनल के आयोजन के लिए एक ऐसे स्टेडियम की जरूरत थी, जिसमें 80,000 दर्शक बैठ सकें। इसके अलावा सेमीफाइनल मुकाबले के लिए 60,000 की दर्शक क्षमता वाले स्टेडियम की जरूरत थी। वहीं, सामान्य मैचों की मेजबानी के लिए 40,000 की दर्शक क्षमता वाले स्टेडियम की जरूरत थी। इनमें से सात स्टेडियम नए सिरे से बनाए गए। वहीं, खलीफा स्टेडियम का नवीनीकरण किया गया। इसमें लगभग 18126 करोड़ रुपये का खर्चा आया।

कतर के आठ स्टेडियम का क्या होगा - कतर के सभी आठ स्टेडियम का उपयोग भविष्य में अलग-अलग रूप में होगा। तीन स्टेडियम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। एक स्टेडियम कतर की राष्ट्रीय टीम के लिए रहेगा। जिसमें सभी खिलाड़ी अभ्यास करेंगे और कतर अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करेगा। वहीं, दो स्टेडियम फुटबॉल क्लब के लिए होंगे, जिनमें क्लब के खिलाड़ी अभ्यास करेंगे और अपने मैच भी खेलेंगे। वहीं, कुछ स्टेडियम से एक मंजिल को हटा दिया जाएगा। इससे निकले वाले स्टील और सीटों को गरीब देशों को दान किया जाएगा। जहां स्टेडियम बनाने की जरूरत है।

फीफा विश्व कप के आयोजकों के अनुसार लुसैल स्टेडियम में स्कूल, दुकानें, कैफे के अलावा खेल सुविधाएं दी जाएंगी और क्लीनिक भी खोल जाएंगे। अल बायत स्टेडियम में एक पांच सितारा होटल, शॉपिंग मॉल और खेल दवा क्लीनिक खोला जाएगा। अहमद बिन अली स्टेडियम रेनाय क्लब का होम ग्राउंड होगा। अल जैनब स्टेडियम अल वाकराह की टीम का होम ग्राउंड होगा। खलीफा स्टेडियम में कतर की राष्ट्रीय खेलेगी। इसमें 2026 विश्व कप के क्वालिफाइंग मुकाबले भी हो सकते हैं। कुछ स्टेडियम 2024 में एशियाई कप में भी इस्तेमाल हो सकते हैं।

ऋषिकेश कानिटकर इंडियन विमेंस टीम के बैटिंग कोच बने: रमेश पवार को एनसीए भेजा

मुंबई। पूर्व इंटरनेशनल क्रिकेटर ऋषिकेश कानिटकर इंडियन विमेंस टीम के बैटिंग कोच बनाए गए हैं। जबकि टीम के हेड कोच रमेश पवार को नेशनल क्रिकेट अकादमी भेजा गया है। पवार बेंगलुरू में वीवीएस लक्ष्मण के साथ काम करेंगे। बीसीसीआई ने बताया कि ऋषिकेश 9 दिसंबर से मुंबई में शुरू हो रही 5 मैचों की टी-20 सीरीज से पहले टीम से जुड़ जाएंगे। 48 साल के पूर्व क्रिकेटर कानिटकर ने इंडियन विमेंस टीम का कोच बनने के बाद कहा- राष्ट्रीय महिला टीम का बैटिंग कोच बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे इस टीम में जबर्दस्त संभावनाएं दिख रही हैं और हमारे पास युवाओं और अनुभव का अच्छा मिश्रण है। मुझे लगता है कि यह टीम आगे की चुनौती के लिए तैयार है।

अद्भुत!

देश के कई जगहों पर सर्दियों में भी निकलता है गर्म पानी

प्रकृति के चमत्कारों और रहस्यों को समझना मनुष्य के बस की बात नहीं है। भारत में कई ऐसे कुंड है जहां गर्मियों में ही नहीं बल्कि सर्दियों में भी पानी गर्म रहता है। इनमें से कुछ कुंड ऐसे भी हैं, जिनमें नहाने से कई बीमारियां ठीक हो जाती हैं। इन जगहों पर सालभर पर्यटकों का तांता लगा रहता है। आज के इस लेख में हम आपको ऐसे ही गर्म जल कुंडों के बारे में बताने जा रहे हैं –

मणिकरण, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश कुल्लू से करीब 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मणिकरण अपने गर्म पानी के कुंड के लिए जाना जाता है। इस कुंड में पानी का तापमान बहुत अधिक है। यह स्थान हिंदू और सिखों के लिए आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। यहां पर एक प्रसिद्ध गुरुद्वारा और मंदिर है। श्रद्धालु गुरुद्वारा और मंदिर में जाने के बाद इस पवित्र जल में डुबकी लगाने आते हैं।

तुलसी श्याम कुंड, राजस्थान

राजस्थान में जूनागढ़ से करीब 65 किलोमीटर की दूरी पर तुलसी श्याम कुंड स्थित है। यहां पर गर्म पानी के 3 कुंड है जिनमें अलग-अलग तापमान का पानी रहता है। इस कुंड के पास एक साथ 100 साल पुराना रुकमणी देवी का मंदिर भी स्थित है।

तपोवन, उत्तराखंड

उत्तराखंड में जोशीमठ से 14 किलोमीटर आगे तपोवन एक छोटा सा गांव है। यहां पर सल्फर युक्त गर्म पानी का एक झरना है। गंगोत्री ग्लेशियर से नजदीक होने के कारण तपोवन के गर्म पानी के झरने को पवित्र माना जाता है। गर्म पानी के झरने में आप चावल पका सकते हैं।

अत्रि कुंड, ओडिशा

भुवनेश्वर से 40 किलोमीटर दूर अत्रि कुंड सल्फर युक्त गर्म पानी के कुंड के लिए प्रसिद्ध है। इस कुंड के पानी का तापमान 55 डिग्री तक रहता है। गर्म पानी का यह कुंड औषधीय गुणों के लिए भी जाना जाता है। माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से त्वचा संबंधी बीमारियां दूर हो जाती हैं।

धुनी पानी, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश के अमरकंटक में धुनी पानी एक प्राकृतिक गर्म पानी का झरना है। इस गर्म पानी के झरने का उल्लेख पौराणिक कथाओं में भी मिलता है। यह विंध्य और सतपुड़ा पहाड़ियों के घने जंगलों में छिपा हुआ है। माना जाता है कि इसके पानी में नहाने से पाप पीड़ाएं दूर होती हैं।

वशिष्ठ, हिमाचल प्रदेश

वशिष्ठ, मनाली के पास एक छोटा सा गांव है जो अपने पवित्र वशिष्ठ मंदिर और गर्म पानी के झरने के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग स्नान करने की व्यवस्था है। इस जगह का विशेष पौराणिक महत्व है क्योंकि माना जाता है कि वशिष्ठ ने यहां पर गर्म पानी का झरना बनाया था। मान्यताओं के अनुसार इस कुंड के पानी में औषधीय गुण हैं।

जानें उस गांव के बारे में जिसका नाम लेने से बचते थे गांववाले

हमारे देश में बहुत सारे ऐसे गांव हैं जिनका नाम इतना अजीब है कि बताते हुए किसी को भी शर्म आ जाए। इसी वजह से इन गावों में रहने वाले लोगों को बेहद शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। कहीं बाहर जाने पर यह लोग अपने गांव का नाम बताने से बचते हैं। पिछले कुछ समय में ऐसे कई गावों के नाम बदलकर नए रख दिए गए हैं। ऐसा ही कुछ झारखण्ड के देवघर जिले में बसे एक गांव के साथ हुआ। गांव का नाम इतना था *भौं....*, यहां के लोग गांव का नाम लेने से असहज महसूस करते थे। इसी वजह से गांव के युवाओं ने ग्राम सभा की बैठक बुलवाकर पूरे नियम कानून के साथ गांव का नाम बदलवाया। आपको बता दें कि छात्र-छात्राएं अपने स्कूल और कॉलेज में गांव का नाम बताने से बचते थे क्योंकि उन्हें इस नाम की वजह से शर्मिंदगी झेलनी पड़ती थी। गांव का नाम बताने पर उनका मजाक उड़ाया जाता था। जाति, आवासीय, आय या प्रमाण पत्रों में उनके गांव का नाम देख लोग हंसने लगते थें। वर्षों से चलती आ रही इन परेशानियों से तंग आकर युवाओं ने गांव का नाम बदलने के लिए पंचायत से बात करके ग्राम सभा की बैठक बुलाई गई। बैठक में बंका पंचायत के ग्राम पंचायत प्रधान रंजीत कुमार यादव ने गांव के सारे सरकारी दस्तावेजों में गांव का नया नाम रखने पर चर्चा की। चर्चा के बाद बैठक में सर्वसम्मति गांव का पुराना नाम बदलकर नया नाम *मसूरिया* रखने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही सभी सरकारी कार्यालय समेत दस्तावेजों में गांव के नए नाम की इंट्री करवाई गई। बंका पंचायत के प्रधान रंजीत कुमार यादव बताते हैं कि पहले गांव का नाम आपत्तिजनक था। छात्रों को अपने गांव का पुराना नाम बताने में परेशानी होती थी। विशेष कर लड़कियों को स्कूल व कॉलेज में गांव का नाम बताने में परेशानी होती थी। ग्राम सभा के माध्यम से सभी सरकारी दस्तावेजों में अब गांव का नया नाम मसूरिया कर दिया गया है। सभी प्रमाण पत्र मसूरिया के नाम से जारी हो रहे हैं।

दिन में दो बार गायब हो जाता है गुजरात का स्तंभेश्वर मंदिर

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहां दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हां, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को *गायब मंदिर* भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में –

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे गायब मंदिर भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं। कहा जाता है कि राक्षस तारकासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब तारकासुर ने आशीर्वाद मांगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, तारकासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब तारकासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। तारकासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां तारकासुर का वध किया गया था। एक अन्य संस्करण के अनुसार, तारकासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि तारकासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालांकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी। स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है, जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नजारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

असम सरकार

उच्च शिक्षा विभाग

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विद्यार्थियों के ज्ञान की खोज की यात्रा सुगम करने का लगातार प्रयास.....

डॉ. वाणीकांत काकति

मेधा पुरस्कार

जिला स्तर पर वितरण का शुभारंभ कार्यक्रम

प्रज्ञान भारती योजना के तहत

2022 वर्ष के उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त छात्र और 60% या उससे अधिक अंक प्राप्त छात्राओं को औपचारिक रूप से स्कूटर प्रदान किए जाएंगे।

जिला आधारित वितरण के शुभारंभ अनुष्ठान का कार्यक्रम

जिले का नाम	मुख्य अतिथि
8 दिसंबर, 2022	
डिब्रूगढ़	श्री रंजीत कुमार दास, माननीय मंत्री
बरपेटा	डॉ. रनोज पेगु, माननीय मंत्री
धेमाजी	श्री संजय किसान, माननीय मंत्री
होजाई	श्री परिमल शुक्ल वैद्य, माननीय मंत्री
9 दिसंबर, 2022	
तिनसुकिया	श्री रंजीत कुमार दास, माननीय मंत्री
चिरांग	श्री यूजी ब्रह्म, माननीय मंत्री
शिवसागर	डॉ. रनोज पेगु, माननीय मंत्री
कोकराझाड़	श्री प्रमोद बोड़ो, माननीय मुख्य कार्यवाहक सदस्य, बीटीसी
ग्वालपाड़ा	श्री अशोक सिंघल, माननीय मंत्री
चराइदेव	श्री बिमल बोरा, माननीय मंत्री
बजाली	श्रीमती नंदिता गार्लोसा, माननीया मंत्री
10 दिसंबर, 2022	
तामुलपुर	श्री यूजी ब्रह्म, माननीय मंत्री
माजुली	डॉ. रनोज पेगु, माननीय मंत्री
उदालगुड़ी	श्री बिमल बोरा, माननीय मंत्री और श्री गोविंद बसुमतारी, माननीय उप मुख्य कार्यवाहक सदस्य, बीटीसी
11 दिसंबर, 2022	
कार्बी आंगलोंग	श्री जोगेन मोहन, माननीय मंत्री और श्री तुलिराम रंगहांग, माननीय मुख्य कार्यवाहक सदस्य, कार्बी आंगलोंग स्वायत्तशासी परिषद
पश्चिम कार्बी आंगलोंग	श्री तुलिराम रंगहांग, माननीय मुख्य कार्यवाहक सदस्य, कार्बी आंगलोंग स्वायत्तशासी परिषद
जोरहाट	श्रीमती अजंता नेउग, माननीया मंत्री
शोणितपुर	श्री पीयुष हजारिका, माननीय मंत्री
विश्वनाथ	श्री पीयुष हजारिका, माननीय मंत्री
12 दिसंबर, 2022	
बंगाईगांव	श्री रंजीत कुमार दास, माननीय मंत्री
डिमा हासाओ	श्री देवलाल गार्लोसा, माननीय मुख्य कार्यवाहक सदस्य, उत्तर कछार पार्वत्य स्वायत्तशासी परिषद
करीमगंज	श्री पीयुष हजारिका, माननीय मंत्री
बाक्सा	श्रीमती नंदिता गार्लोसा, माननीया मंत्री और श्री कातिराम बोड़ो, अध्यक्ष, बीटीसी
कछार	श्री परिमल शुक्ल वैद्य, माननीय मंत्री
हैलाकांदी	श्री परिमल शुक्ल वैद्य, माननीय मंत्री
13 दिसंबर, 2022	
गोलाघाट	श्री केशव महंत, माननीय मंत्री
15 दिसंबर, 2022	
धुबड़ी	श्री जयंत मल्ल बरुवा, माननीय मंत्री
17 दिसंबर, 2022	
लखीमपुर	डॉ. रनोज पेगु, माननीय मंत्री

-- Janasanyog /D/ 17866 / 22

Exclusive/ED/12-2022

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**

संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**